THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 257 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.9 2082 शनिवार, 13 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

संसार के सबसे महान जगद्गुरु एवं विश्व के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी का हैदराबाद में हार्दिक स्वागत

समागम में जगद्गुरु जी प्रदान करेंगे भगवान वेंकटेश्वर का ऐसा अद्भुत मंत्र जिससे उसी पल करोड़ों लोग हो गए अपने दुखों रोगों से मुक्त

जिन दुखों रोगों को विश्व के डाक्टर-वैज्ञानिक ठीक नहीं कर पाए वही दुख रोग भगवान वेंकटेश्वर के इस मंत्र व पाठ से हो गए सदा के लिए समाप्त

भगवान वेंकटेश्वर के इस अद्भुत मंत्र व दिव्य पाठ से ही दीन हीन व्यक्ति महाधनवान बन गए तथा अनपढ़ महाविद्वान बन गए

भगवान शिव ने कहा इससे मृत्यु की कगार पर खड़े करोड़ों व्यक्ति स्वस्थ होकर महाशक्तिवान बन गए, इससे बढ़कर न कोई मंत्र था और न होगा

हैदराबाद में सभी को निःशुल्क प्रदान किया जाएगा भगवान वेंकटेश्वर का वह अद्भुत पाठ व मंत्र जिससे आप प्रत्यक्ष देखेंगे सभी तत्क्षण होंगे दुखों रोगों से मुक्त

14 दिसंबर, सायं 4 बजे, प्रभु कृपा दुख निवारण समागम, स्थानः श्री पलानी कन्वेंशन्स, पीरजादिगुडा मेन रोड, उप्पल, हैदराबाद

परम पूज्य सद्गुरुदेव जी को परम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विशेष संदेश

जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी, आपके शुभ कार्यों के लिए हृदय से आभार। महाब्रह्मर्षि जी ने हमारे महान देश का गौरव बढ़ाया है। स्वच्छता, सभी रोगों से मुक्त भारत, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार जैसे कई अभियानों के साथ आपका जुड़ाव और निरंतर सहयोग ही एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण के प्रयासों को नई गति प्रदान करता है। स्वदेशी की राह पर चलकर ही स्वस्थ भारत व आत्म निर्भर भारत का हमारा प्रण पूरा होगा। आपके व सबके उत्तम स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना सहित

परम आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार

यूटीआई व अन्य कीटाणुओं से विश्व के 1 करोड़ लोग हो गए बिल्कुल मुक्त

ओहायो, अमेरिका सरकार में हैड ऑफ प्रॉडक्ट कंटेंट ऑफिसर रीथिका ने बताया कि आधुनिक विज्ञान व WHO के अनुसार आजकल 90 प्रतिशत महिलाओं के बीच यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) आम रोग बन चुका है। मैं पिछले 25 वर्षों से यूटीआई से ग्रसित थी। चारों ओर से परेशान होने पर मैंने महाब्रह्मर्षि जी द्वारा निर्मित दिव्यौषधि का प्रयोग किया। इसके प्रयोग से मेरे साथ-साथ हजारों बहनों का यह असाध्य रोग जड़ से समाप्त हो गया। जिस रोग को अमेरिका सहित सारी दुनिया के डाक्टर ठीक नहीं कर पाए उसका दिव्यौषधि से ठीक हो जाना सच में हैरान करने वाला है।

मैंने अमेरिका में बड़े-बड़े हॉस्पिटल में 23 लाख खर्च किए थे किन्तु कोई लाभ नहीं हुआ

भारतीय स्वदेशी चिकित्सा द्वारा केवल 15 मिनट में ही मिली सोरायसिस डैंड्रफ द्वारा हुई कैंसर से मुक्ति

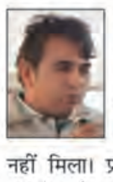

जॉर्जिया, अमेरिका के रोमन ने ओहायो में आयोजित समागम में बताया कि वे अपने सोरायसिस डैंड्रफ के इलाज के लिए सभी जगह गए लेकिन कहीं समाधान नहीं मिला। फ्रांसिस हॉस्पिटल में चैक कराया। जॉर्जिया हेल्थ सेंटर में इलाज कराया। जिन्होंने स्टेरोसाट इंजेक्शन व दवा दी जिसकी कीमत 2800 डॉलर प्रति सप्ताह थी। ये इंजेक्शन मैंने तीन महीने तक लिए जिसकी कीमत 20 लाख रुपए बनती है। अद्भुत प्रयोग से आज जांच की मशीनें बता रही हैं कि केवल 15 मिनट में मेरा सोरायसिस डैंड्रफ जिसको डाक्टरों ने कैंसर का कारण बताया था, पूरी तरह समाप्त हो चुका है।

दुनिया की ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका समाधान भगवान वेंकटेश्वर के इस दिव्य मंत्र व पाठ से न हो

हैदराबाद। पलनी कन्वेंशन्स में आयोजित समागम में पहली बार भगवान वेंकटेश्वर का एक अक्षर का वह अद्भुत शास्त्रोक्त मंत्र प्रदान किया जाएगा जिससे करोड़ों लोगों के दुखों, कष्टों और समस्याओं का तत्क्षण अंत हो गया। महाब्रह्मर्षि जी ने सभी भयंकर रोगों को पैदा करने वाले कीटाणुओं को 15 मिनट में जड़ से समाप्त करके हिंदू

सनातन धर्म को गौरवान्वित किया है। इस अद्भुत पाठ से निर्धन महाधनवान, दुर्बल महाशक्तिवान तथा अनपढ़ महाविद्वान बन गए। हैदराबाद के समागम में दिए जाने वाले इस अद्भुत मंत्र के बारे में भगवान वेंकटेश्वर ने कहा है कि इससे 15 मिनट में सभी के दुखों, रोगों, कष्टों व समस्याओं का निश्चित अंत होगा। सभी सादर आमंत्रित हैं।

पूरे विश्व में भगवान वेंकटेश्वर के पाठ से करोड़ों लोगों को दुखों रोगों से मुक्त देखकर अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के जजों, वरिष्ठ राजनीतिज्ञों व डाक्टरों-वैज्ञानिकों ने किया जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि जी का अद्भुत सम्मान

अमेरिका की नासा असैंबली हॉल में आयोजित स्वागत समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश माननीय श्री थॉमस एडम्र्स, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश माननीय श्री फ्रैंक गलोटा, डिप्टी काउंटी एग्जीक्यूटिव माननीय डा. फिलिप एलीयिएट, नासा काउंटी लेजिसलेटर माननीय श्री डब्ल्यू विंक, सीनेटर माननीय श्री जेक मार्टिन्स, नासा काउंटी, न्यूयार्क स्टेट असेंबलीमैन माननीय श्री चार्ल्स लेविन, न्यूयार्क स्टेट असेंबलीवूमैन माननीया मिशेल शिमेल, न्यूयार्क के असेंबलीमैन श्री टोम मेक्केविट, न्यूयार्क स्टेट असिस्टेंट कम्प्ट्रोलर, माननीय श्री जोए गैलेंट, टी.ओ.एच. माननीय रिसीवर श्री डॉन क्लेविन, टी.ओ.एच. माननीय श्री मार्क ब्रोनिला, टी.ओ.एन.एच. मेयर माननीय श्री जॉन कैमन, टी.ओ.एन.एच. माननीय रिसीवर श्री चार्ल्स बर्मन, न्यूयार्क के पू. कमिश्नर माननीय श्री वरेन्द्र भाला।

गुरुजी के आशीर्वाद से ही मैं सांसद बना हूं

श्री अरुण गोविल जी, रामायण के 'श्रीराम' व सांसद

नई दिल्ली। श्री अरुण गोविल जी ने बताया कि मेरे परिवार पर तो परम पूज्य गुरुदेव जी की इतनी कृपाएं हुई हैं जिन्हें गिनाना व बताना बहुत मुश्किल है। मैंने पूज्य गुरुदेव जी की कृपा से लोक सभा का चुनाव जीता है। गुरुदेव द्वारा दिए गए दुर्गा मां के उत्कीलं मंत्र से मेरी तन, मन व धन की सभी समस्याओं का पूर्ण समाधान हुआ है। गुरुजी ने मेरे बच्चों पर भी बहुत कृपा की है।

मैं स्वयं एम्स से सीनियर डरमैटोलॉजिस्ट होने के बावजूद अनेक रोगों से ग्रस्त था

भगवान वेंकटेश्वर के अद्भुत पाठ से 25 वर्ष पुराना भयानक कुष्ठ रोग व फंगल इंफेक्शन 15 मिनट में समाप्त

डा. जगदीप सिंह ओबराय
MBBS, MD

मैं स्वयं सीनियर डरमैटोलॉजिस्ट हूं, मैंने पीजीआई से डरमैटोलॉजिस्ट में एमबीबीएस, एमडी किया है और एम्स में भी कार्य कर चुका हूं। विशेषज्ञ डरमैटोलॉजिस्ट होने के बावजूद मुझे करीब 25 साल से कुष्ठ रोग था जो फैलकर सिबोरिक डरमोटाइटिस का रूप धारण कर चुका था और यह मेरे पूरे सिर, छाती और दाढ़ी में फैल गया था। मैं जगह जगह इलाज कराकर थक चुका था। 10 वर्ष पहले जब मैंने जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी से इसका समाधान लिया तो मेरा कुष्ठ रोग फंगल इंफेक्शन सोरायसिस व उससे होने वाले अन्य रोग भी जड़ से समाप्त हो गए। इस हैरान करने वाले अनुभव से मैं ही नहीं वे डाक्टर भी हैरान हैं जिनके पास इसका कोई इलाज नहीं था। विश्व के वरिष्ठ स्किन रोग विशेषज्ञ वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर जानते हैं कि फंगल इंफेक्शन का पूरी दुनिया में कोई इलाज नहीं है। लाखों करोड़ों मिलियन डॉलर खर्च करने के बावजूद अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की मेडिकल संस्थाएं अभी तक सब रोगों को पैदा करने वाले बैक्टीरिया का इलाज नहीं खोज पाई हैं। गुरुजी की यह खोज पूरी दुनिया के लिए महान क्रांतिकारी खोज है जिसके लिए यदि इन्हें नोबल पुरस्कार भी मिले तो वह भी कम है।

पूरे विश्व की सर्वेसर्वा सर्वोच्च अथॉरिटी हैं जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि जी

श्री गुलाब चंद कटारिया जी, महामहिम राज्यपाल, पंजाब

पंजाब के महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया जी ने करोड़ों लोगों को कष्टों से मुक्त देखकर महाब्रह्मर्षि जी को दिया 'सनातन रत्न' अवार्ड

भारतीय स्वदेशी चिकित्सा विज्ञान द्वारा सभी रोगों को पैदा करने वाले कीटाणुओं से ग्रसित, हरपीज वायरल, फंगल, सोरायसिस, लिवर रोग, एलर्जी कुष्ठ रोग आदि से करोड़ों लोगों को मुक्त देखकर हम डाक्टर वैज्ञानिक आश्चर्यचकित हैं

श्री थियोडर चेस, न्यूजर्सी असेंबली अमेरिका के वरिष्ठ काउंसिलमैन

अमेरिका। अमेरिकी सरकार न्यूजर्सी असेंबली के वरिष्ठ काउंसिलमैन श्री थियोडर चेस ने कहा कि जिन रोगों को संसार के डाक्टर वैज्ञानिक ने कहा ये ठीक हो ही नहीं सकते उन लोगों को 15 मिनट में दुखों से मुक्त देखकर हम हैरान हैं। यह आश्चर्यों का महाआश्चर्य है। स्वदेशी चिकित्सा विज्ञान का जो ज्ञान स्वामी जी के पास है यदि वे हमें इसका रहस्य बता दें तो हम दुनिया में सबसे अमीर बन जाएंगे। अगर स्वामी जी हमारे देश आ जाएं तो हम दुनिया की सारी सुविधाएं इनके चरणों में अर्पित कर देंगे।

महाब्रह्मर्षि जी व महामहिम राष्ट्रपति जी की अद्भुत आश्चर्यजनक भेंटवार्ता पूरे विश्व की सरकारों से मान्यता प्राप्त भगवान वेंकटेश्वर का अद्भुत आलोक जिससे करोड़ों लोग हो गए अपने दुखों रोगों कष्टों व समस्याओं से मुक्त इसे जानकर महामहिम राष्ट्रपति जी अति प्रसन्न व आश्चर्यचकित

नई दिल्ली। अभी हाल ही में राष्ट्रपति भवन में जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी की भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हुई विशेष भेंट बहुत महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर महाब्रह्मर्षि जी ने महामहिम राष्ट्रपति जी को भगवान वेंकटेश्वर के दैवव्य विज्ञान के ऐसे अद्भुत रहस्यों को बताया जिन्हें जानकर महामहिम आश्चर्यजनक प्रसन्नता से भर गईं। इस विशेष भेंट के दौरान महाब्रह्मर्षि जी ने भारत सरकार द्वारा प्रमाणित स्वदेशी आयुर्वेदिक चिकित्सा दैवव्यपाश्रय के अद्भुत परिणामों के बारे में महामहिम को जानकारी दी कि किस तरह इससे देश दुनिया की करोड़ों महिलाओं के अनेकों रोग 15 मिनट में जड़ से समाप्त हो चुके हैं। डाक्टरों का स्पष्ट कहना है कि आधुनिक विज्ञान में इसका कोई इलाज नहीं है। विश्व के सबसे पहले व महान सर्जन सुश्रुत का स्पष्ट कथन है कि इसका समाधान केवल दैवव्य विज्ञान द्वारा ही किया जा सकता है।

सभी को आपदा, दुखों, रोगों से मुक्त देखकर ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका इंग्लैंड, कनाडा सहित अनेक देशों की संसदों में हुआ हार्दिक स्वागत

अमेरिका सरकार की न्यूयार्क सीनेट में महाब्रह्मर्षि जी के विषय में निर्विरोध प्रस्ताव पारित करके हुआ अद्भुत सम्मान

इंग्लैंड सरकार में हाउस ऑफ लार्ड्स के चीफ व्हिप श्री लार्ड टेलर ने प्रदान किया 'प्राइड ऑफ वर्ल्ड' अवार्ड

जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी ने जो रहस्य प्रदान किया उससे हमारे अनेक सांसदों व मंत्रियों की असाध्य एलर्जी एवं भयंकर सिरदर्द 5 मिनट में ही ठीक हो गया।
-वॉरेन किर्बी, वरिष्ठ सांसद, न्यू साउथ वेल्स पार्लियामेंट, ऑस्ट्रेलिया

महाब्रह्मर्षि जी के साथ न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया की संसद के स्पीकर माननीय श्री ग्रेग पाइपर जी तथा सांसद श्री वॉरेन किर्बी जी

अमेरिका के इतिहास में 200 वर्षों में पहली बार

जैसा सम्मान महाब्रह्मर्षि जी का हुआ है वह अमेरिका की संसद के इतिहास में 200 वर्षों में पहली बार है। जो शक्ति सनानत धर्म में है दुनिया के किसी भी भौतिक विज्ञान में नहीं है। स्वामी जी द्वारा दिए गए शास्त्रोक्त पाठ से विश्व के करोड़ों लोग रोगमुक्त हो गए, हम बहुत आश्चर्यचकित हैं। अपने जीवन को बचाने के लिए हमें भी दैवव्य विज्ञान की चिकित्सा को अपनाना अति आवश्यक है।

-थॉमस कीन, माइन्योरिटी लीडर, अमेरिका की न्यूजर्सी स्टेट सीनेट

भारत के राष्ट्रपतियों ने कहा जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि जी शास्त्रोक्त सत्य रहस्य दे रहे हैं, हम इसके साक्षी हैं

पू. राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रपति भवन में अनेक विद्वानों की उपस्थिति में सम्मानित करते हुए

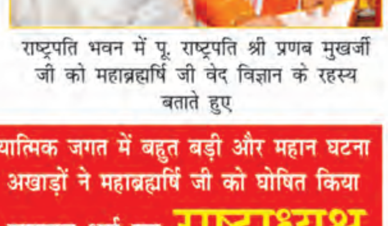

राष्ट्रपति भवन में पू. राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी जी को महाब्रह्मर्षि जी वेद विज्ञान के रहस्य बताते हुए

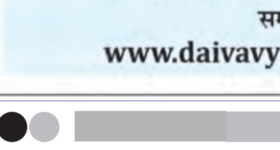

विश्व के आध्यात्मिक जगत में बहुत बड़ी और महान घटना देश के सभी अखाड़ों ने महाब्रह्मर्षि जी को घोषित किया हिंदू आदि सनातन धर्म का राष्ट्राध्यक्ष

सभी रोगों को पैदा करने वाले भयंकर कीटाणुओं का निःशुल्क समाधान प्राप्त करने के लिए www.daivavyapashraya.com पर जाकर फार्म भरें।

भगवान वेंकटेश्वर के अद्भुत पाठ व दिव्य अलौकिक मंत्र से अनेक लोगों को मिली अपने असाध्य रोगों कष्टों व दुखों से मुक्ति

स्वदेशी विज्ञान से पत्नी का 35 वर्ष पुराना UTI रोग हुआ ठीक

नई दिल्ली। मैं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सीनियर साईंटिस्ट व दिल्ली पुलिस में पू. स्पेशल कमिश्नर था। मेरी पत्नी श्रीमती चारु अग्रवाल को 35 वर्षों से यूटीआई की प्रॉब्लम थी। इसकी समस्या बढ़ जाने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ता था। जब उन्होंने मिरेकल वी वाश का प्रयोग किया तो पहले दिन से ही इस औषधि का असर दिखने लगा। धीरे-धीरे वह इससे बिल्कुल मुक्त हो गईं।

श्री पी.एन. अग्रवाल जी, दिल्ली पुलिस के पू. स्पेशल कमिश्नर

अमेरिका सहित पूरी दुनिया के डाक्टरों के पास जिस फंगल इंफेक्शन का स्थायी इलाज नहीं उसका पल में ठीक होना आश्चर्य नहीं महाआश्चर्य है

ओहायो। अमेरिका में एमडी (मेडिसिन) डा. आर.सी. कोपर तथा अमेरिका में ही डा. सां गीता कोपर ने संयुक्त बयान में बताया कि सभी रोगों को पैदा करने वाले फंगल इंफेक्शन का कोई स्थाई इलाज नहीं है, यह नियमित अंतराल में बार-बार होता रहता है। इसके इलाज के लिए जिन एंटीडैंड्रफ शैम्पू का प्रयोग किया जाता है उनमें घातक केमिकल

डा. आर.सी. कोपर
एमबीबीएस
एमडी (मेडिसिन),
अमेरिका

होते हैं जिससे कई प्रकार के कैंसर भी हो जाते हैं। इसका दुनिया में कोई इलाज नहीं है। जब परम पूज्य गुरुदेव जी ओहायो, अमेरिका में आए और उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर के दैवव्य विज्ञान से हजारों लोगों को कुछ ही पलों में पूरी तरह से स्वस्थ कर दिया तो हम सभी डाक्टर आश्चर्य से भर गए। गुरुदेव मानवता के लिए बहुत बड़ा कार्य कर रहे हैं। इनके सामने हजारों नोबल पुरस्कार भी छोटे हैं।

डा. संगीता कोपर
एमएससी, एएसईपी
अमेरिका

गोरेगांव में आवारा कुत्तों ने 24 घंटों में 16 लोगों को काटा, इलाके में दहशत

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के गोरेगांव में आवारा कुत्तों के दहशत से लोग घर के बाहर निकलने में डरते हैं। कुत्तों ने पिछले 24 घंटों में 16 लोगों को काटा है। जानकारी के मुताबिक, पिछले दो दिनों में गोरेगांव वेस्ट के आदर्श विद्यालय और सिद्धार्थ नगर इलाकों में 15 से 16 लोगों पर आवारा कुत्तों ने हमला किया है। इनमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। कुत्ते के हमला करने की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। आदर्श स्कूल और सिद्धार्थ नगर इलाके में आवारा कुत्तों ने इलाके में डर का माहौल बना दिया है।

स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि नगर पालिका हमलावर कुत्ते के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करे। लोगों का कहना है कि कुत्तों के हमले से कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुंबई में आवारा कुत्तों के हमले का मामला विधानसभा में भी उठा। सवाल-जवाब के सेशन में विधायक अतुल भातखलकर और विधायक सुनील प्रभु ने सरकार से कार्रवाई करने की रिक्वेस्ट की है। विधायकों ने सदन में कहा कि हमलावर कुत्ते लोगो के चेहरे पर काट रहे हैं।

नेहरू पर शाह की टिप्पणी पर कांग्रेस का पलटवार

इतिहासकार के हवाले से कहा—'यह सरासर झूठ'

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों पर जवाब दिया। लोकसभा में अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। साथ ही देश में पहले की तीन बार वोट चोरी की घटनाओं की भी गिनाया। अमित शाह ने अपने भाषण में कहा था कि जब आजादी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए वोटिंग चल रही थी, तब सरदार पटेल को 28 वोट मिले और जवाहरलाल नेहरू को दो वोट। लेकिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू बन गए। यह भी अपने आप में एक तरह की वोट चोरी थी। जिस पर अब कांग्रेस ने पलटवार किया है।

शाह के आरोप को बताया 'सरासर झूठ'

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के खिलाफ अमित शाह के 'वोट चोरी' वाले दावे को गलत साबित करने के लिए प्रसिद्ध इतिहास के बयान का हवाला दिया है। पार्टी नेता ने गृह मंत्री अमित शाह के नेहरू के खिलाफ 'वोट चोरी' के आरोप को 'सरासर झूठ' बताया। इसी के साथ महात्मा गांधी के पोते और जाने-माने जीवनीकार, लेखक और इतिहासकार राजमोहन गांधी के बयान का वीडियो एक्स पर साझा भी किया।

कांग्रेस ने शुक्रवार को नेहरू पर लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोप को 'सफेद झूठ' बताया और महात्मा गांधी के पौत्र व प्रसिद्ध इतिहासकार राजमोहन गांधी की टिप्पणियों का हवाला देकर उस दावे को खारिज किया। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर राजमोहन गांधी का एक 13 मिनट का वीडियो साझा किया। वीडियो साझा करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा कि जाने-माने इतिहासकार-लेखक और पूर्व सांसद राजमोहन गांधी ने लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री के बोले गए एक खुलेआम झूठ का पर्दाफाश किया। वीडियो में राजमोहन गांधी ने स्पष्ट किया कि 1946 में प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (पीसीसी) ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल का नाम सुझाया था, न कि प्रधानमंत्री पद के लिए। उस समय प्रधानमंत्री के चयन का सवाल ही नहीं उठा था।

इतिहासकार राजमोहन गांधी ने क्या कहा?

जयराम रमेश की ओर से साझा की गई वीडियो में राजमोहन गांधी ने बताया कि 1946 में केवल कांग्रेस अध्यक्ष चुना जा रहा था, प्रधानमंत्री नहीं। पीसीसी नाम भेजती थीं और अंतिम निर्णय महात्मा गांधी लेते थे। उस समय कई पीसीसी ने सरदार पटेल का नाम सुझाया, कुछ ने आचार्य कृपलानी का, लेकिन नेहरू का नाम किसी पीसीसी ने नहीं भेजा। पटेल को अध्यक्ष बनाने के सुझाव का उद्देश्य उन्हें सम्मान देना था, प्रधानमंत्री बनाने की कोई सोच नहीं थी। गांधीजी ने पटेल और कृपलानी-दोनों से नाम वापस लेने को कहा और उन्होंने ऐसा कर दिया।

उन्होंने आगे बताया कि कांग्रेस कार्यसमिति ने एकमत से नेहरू को अध्यक्ष चुना, और ब्रिटिश सरकार के साथ समझौता होने पर वही प्रधानमंत्री बने। इतिहासकार राजमोहन ने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस या जनता ने पटेल को प्रधानमंत्री बनाना चाहा होता, तो इतिहास में कहीं न कहीं इसका उल्लेख जरूर मिलता। उन्होंने बताया कि 1950 में अपनी मृत्यु से दो महीने पहले सरदार पटेल ने इंदौर में भाषण देकर कहा था कि, नेहरू का प्रधानमंत्री बनना देश के लिए अच्छा है और गांधीजी का निर्णय सही था। इसी के साथ राजमोहन गांधी ने कहा, लोग नेहरू के पीएम बनने से बहुत खुश थे और सरदार पटेल खुद इसके पक्ष में थे।

इंडिगो संकट के दौरान

चार्टर फ्लाइट वाली सेल्फी महाराष्ट्र बीजेपी नेताओं को भारी पड़ी, लगी तगड़ी फटकार

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो संकट के दौरान चार्टर फ्लाइट और सेल्फी लेना महाराष्ट्र के कुछ बीजेपी नेताओं को भारी पड़ गया है। जब पूरे देश में एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान कैंसिल हो रहे थे और यात्री मारे-मारे फिर रहे थे। उसी दौरान कुछ बीजेपी नेताओं ने ये तस्वीर ली थी। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व ने वायरल फोटो पर इन नेताओं को फटकारा है।

कौन-कौन नेता

चार्टर फ्लाइट से महाराष्ट्र बीजेपी नेता चित्रा वाघ, प्रसाद लाड, कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने फ्लाइट के साथ फोटो और सेल्फी ली थी। इस तस्वीर पर ये नेता काफी घिर रहे थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने चित्रा वाघ, प्रसाद लाड, और प्रवीण दरेकर को चार्टर फ़्लाइट से विमान यात्रा करने पर कड़ी फटकार लगाई है। इस मामले को सीधे दिल्ली में बीजेपी के केंद्रीय संगठन मंत्री बीएस।

संतोष और गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय द्वारा संज्ञान में लिया गया। इसके बाद संबंधित नेताओं को कड़ी चेतावनी दी गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मुद्दे पर चित्रा वाघ और प्रसाद लाड को जमकर फटकार लगाई है। गौरतलब है कि पायलटों के वीकली रेस्ट वाले आदेश के बाद इंडिगो में अचानक से संकट आ गया था। इसके कारण इंडिगो को सैकड़ों फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी। इसके बाद देशभर के एयरपोर्ट पर अफरातफरी का माहौल बन गया था। कई लोगों की परीक्षा, शादी और रिसेप्शन तक छूट गए। सरकार ने इसके बाद इंडिगो पर सख्त एक्शन लिया था।

चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर एसआईआर की समयसीमा बढ़ाई: प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को दावा किया कि चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर एसआईआर की समयसीमा बढ़ाई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने मांग की कि एसआईआर प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह से सपोर्ट सिस्टम भारतीय जनता पार्टी के लिए बनाना गलत रहेगा। आईएएनएस से बातचीत में शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, प्रक्रिया चल रही थी और अंदरूनी दबाव की वजह से बीएलओ का काम चल रहा था। साथ ही, यह समझना जरूरी है कि बीएलओ में शामिल लोग टीचर और सरकारी कर्मचारी हैं, और कई स्कूलों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा, उत्तर प्रदेश सरकार ने समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी और इसी कारण यह समय बढ़ाया गया है।

मेरा मानना है कि यह प्रोसेस जल्द से जल्द पूरा होना चाहिए। सही और निष्पक्ष तरीके से पूरा होना चाहिए। किसी भी तरह से सपोर्ट सिस्टम भारतीय जनता पार्टी के लिए बनाना यह गलत रहेगा। इंडिगो संकट पर रिएक्शन देते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, सरकार विफल रही है। मोनोपॉली को लेकर बड़े पैमाने पर चिंता थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। डीजीसीए के अधिकारी बार-बार सीईओ को बुला रहे हैं, लेकिन यह स्थिति पैदा होने से पहले उनके हाथ किसने बांधे थे? इस पॉइंट तक पहुंचने से पहले उन्होंने जवाबदेही क्यों नहीं ली?

शिवसेना-यूबीटी सांसद ने कहा कि लाखों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, उन्हें काफी नुकसान झेलना पड़ा है।

इसी बीच, राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति की स्कूलों में 'वंदे मातरम' गीत को अनिवार्य करने की मांग पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, जब भी सुधा मूर्ति संसद में बोलती हैं, तो देश के लिए उनका गहरा प्यार और कमिटमेंट साफ दिखता है। इसी सिलसिले में उन्होंने मैंडेट मांगा है। साथ ही, मेरा मानना है कि देश के हर नागरिक, हर बच्चे को हमारे राष्ट्रीय गीत के बारे में पता होना चाहिए, उसे समझना चाहिए और उसी भावना, सेवा और विश्वास के साथ उसे अपनाना चाहिए।

पत्नी के चरित्र पर था संदेह, गला दबाकर शख्स ने ले ली जान, पुलिस कर रही मामले की जांच

नासिक, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक के पंचवटी से एक अत्यंत सनसनीखेज खबर सामने आई है, जिसने सभी को चौंका कर रख दिया है। यहां एक व्यक्ति ने पत्नी की गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आगे की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, संदिग्ध आरोपी पति घटना के बाद मौके से फरार हो गया है। हालांकि, इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है और साथ ही आरोपी पति की तलाश भी जारी है। बता दें कि मृत महिला की पहचान शीतल भामरे के रूप में हुई है और साथ ही संदिग्ध आरोपी पति की पहचान नितिन भामरे के रूप में हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक, पति को पत्नी के चरित्र पर संदेह के कारण मारपीट कर गला दबाकर यह हत्या की गई है। पत्नी की हत्या करने के बाद नितिन भामरे घर का दरवाजा बंद करके मौके से फरार हो गया।

सुप्रीम कोर्ट ने एनजीओ पर लगाया एक लाख का जुर्माना

किस फैसले को चुनौती देना पड़ा भारी?

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक गैर सरकारी संगठन पर 1 लाख रुपए का लगाया जुर्माना। ये जुर्माना रिट याचिका दायर करने पर लगाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि ऐस करने न्यायालय की कार्यप्रणाली बाधित होगी और अंततः न्यायपालिका ध्वस्त हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए यूनाइटेड वॉइस फॉर एजुकेशन फोरम नामक एक एनजीओ पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा, "सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के फैसले को चुनौती देने वाली ऐसी याचिकाएं पूरी न्यायिक व्यवस्था को ध्वस्त कर देंगी।"

ये जुर्माना अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को बाल शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के प्रावधानों से छूट देने के मामले में लगा है। प्रावधानों से छूट देने वाले एससी के 2014 के संविधान पीठ के फैसले के खिलाफ एनजीओ ने याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह याचिकाकर्ता के खिलाफ आपराधिक अवमानना का मामला दर्ज करने से परहेज कर रहे हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए पूछा-आपको क्या हो गया है? आप व्यवस्था को तोड़ना चाहते हैं? जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम अपने ही आदेश के खिलाफ कोई रिट याचिका स्वीकार नहीं करेंगे, आपकी हिम्मत कैसे हुई ऐसा करने की? क्या आपका व्यवहार का ज्ञान नहीं है? अब हम जुर्माना लगाना शुरू करेंगे।

साथ ही कोर्ट ने कहा कि ऐसी मांग से पूरी व्यवस्था ठप हो जाएगी। हम बेहद क्रोधित हैं, वकील किस तरह की सलाह दे रहे हैं? हम गलत सलाह देने वाले वकीलों पर दंड लगाना शुरू करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कोई रिट याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, यह कानून और न्यायालय की प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है

गुजरात के वलसाड में नदी पर बन रहा पुल गिरा, चार मजदूर घायल

वलसाड, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के वलसाड से बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां औरंगा नदी पर बन रहे पुल के कंस्ट्रक्शन के दौरान, एक गर्डर डैमेज हो गया, जिससे पुल भरभराकर गिर गया। इस दौरान उस पर काम कर रहे करीब पांच मजदूर फंस गए। घटना के तुरंत बाद राहत बचाव का कार्य शुरू किया गया। यह घटना सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। जब पुल के दो खंभों के बीच की स्लैब बनाने के लिए बनाई गई मचान का ढांचा भरभराकर ढह गया। इस हादसे में करीब पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और मलबे के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही वलसाद अग्निशमन विभाग और पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत बचाव की टीम ने चार मजदूरों को बचा लिया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जारी है। वहीं, एक कर्मचारी की तलाश जारी है। जिसके मलबे के नीचे दबे होने की आशंका है।

अग्निशमन विभाग और पुलिस की टीमें लापता श्रमिक को खोजने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चला रही हैं। परदी-संधपोर ग्राम पंचायत के सरपंच भोलाभाई पटेल के अनुसार, पुल के आखिरी दो खंभों के बीच लोहे की छड़ों की एक पटिया बनाई जानी थी, लेकिन एक खंभा खिसकने से पूरा पुल भरभराकर गिर गया। इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि पुल का निर्माण गुणवत्ता मानकों के अनुसार किया जा रहा था या नहीं और ढांचा क्यों गिरा।

बीजेपी नेता नवनीत राणा के बिगड़े बोल

कहा- वंदे मातरम न गाने वालों की हिंदुस्तान में जगह नहीं

अमरावती, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी की फायर ब्रांड नेता नवनीत राणा का एक बयान फिर सुर्खियों में है। महाराष्ट्र की अमरावती की पूर्व सांसद और बीजेपी नेता नवनीत राणा ने कहा है,"जो वंदे मातरम् का गायक नहीं है, वह हिंदुस्तान में रहने के लायक नहीं है"। उन्होंने यह बयान 10 दिसंबर को अमरावती में बीजेपी महिला मोर्चा के एक कार्यक्रम में की। इससे पहले अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा फहराए जाने पर उन्होंने कहा था कि धर्म ध्वजा पर उंगली उठाने वालों की उंगलियां काट लेनी चाहिए। नवनीत राणा अमरावती में बीजेपी की महिला मोर्चा की एक बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा,"जो वंदे मातरम् का गायक नहीं है, वह हिंदुस्तान में रहने के लायक नहीं है।पश्चिम बंगाल में एक बाबरी मस्जिद बनवाई जा रही है, लेकिन बाबरी मस्जिद जहां थी, वहां हमारे मोदी जी ने राम जी को विराजमान कर दिया है।" उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कार सेवकों ने अयोध्या में तूफान लाया था, वैसा ही नए जमाने के कार सेवक उस बाबरी के लिए भी ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमरावती की बहु नवनीत राणा जैसे मुंबई पहुंच सकती है, वह वैसे ही पश्चिम बंगाल वाली बाबरी मस्जिद भी पहुंच सकती है।

दरअसल नवनीत राणा का निशाना पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद में बनने वाली बाबरी मस्जिद को लेकर था। भरतपुर से तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने सात दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखी थी। इसको लेकर अब राजनीति गरमाने जा रही है। इस राजनीति को अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले भी नवनीत राणा ने एक विवादित बयान दिया था।

उन्होंने अमरावती में एक चुनावी रैली में अयोध्या में बने राम मंदिर पर 25 नवंबर को फहराई गई धर्मध्वजा पर निशाना बनाने वालों को लेकर एक विवादित बयान दिया था।उन्होंने कहा था, परसों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने धर्म ध्वज को अयोध्या में खड़ा किया। पाकिस्तान से उंगलियां उठाई जा रही हैं, ऐसे लोगों से विनती करूंगी कि जो धर्म ध्वज पर उंगली उठाता है, उसकी उंगलियां काट देनी चाहिए।"

खजराना गणेश मंदिर की खुली दान पेटियां निकले डॉलर, सोना-चांदी के जेवर, डेढ़ करोड़ रुपये

इंदौर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर की दानपेटियाँ तीन माह बाद खोली गईं। मंदिर परिसर में रखी गई चालीस पेटियों में नोट, सोने-चांदी के ज़ेवरों के अलावा डॉलर व अन्य विदेशी मुद्रा भी निकली है। दो दिन पहले शुरू हुई गिनती शुक्रवार को भी जारी है। नोटों की गिनती पच्चीस कर्मचारियों की टीम कर रही है और जिस कक्ष में नोट गिने जा रहे हैं, वहाँ सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। अब तक दान पेटियों में डेढ़ करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि निकली है। दान पेटियों में बंद हो चुके पाँच सौ और दो हज़ार रुपये के नोट भी मिले हैं। खजराना मंदिर में हर दिन हज़ारों भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

जगह-जगह दान पेटियों में वे चढ़ावा भी डालते हैं। इन पेटियों की गिनती हर तीन माह में होती है। इस बार हुई गिनती में डेढ़ करोड़ रुपये की राशि निकली है, जो पिछली गिनती की तुलना में कम है। मंदिर में ऑनलाइन दान के लिए क्यूआर कोड भी लगाए गए हैं। भक्त उसका भी आजकल उपयोग कर रहे हैं। दान से मिली राशि से ही मंदिर प्रबंध समिति मंदिर में होने वाले सेवा कार्य, अन्न क्षेत्र व धार्मिक आयोजनों को संचालित करती है। दान पेटियों में कई भक्त दान के साथ मन्नत की पर्चियाँ भी डालते हैं। दान पेटियों से वह भी निकलीं। किसी ने गणपति बप्पा से जल्दी शादी कराने की मुराद माँगी तो किसी ने अच्छे नंबरों से पास होने की अर्जी लगाई। अपनी प्रार्थना पूरी होने के बाद कई भक्तों ने चढ़ावा भी चढ़ाया। उसकी भी पर्चियाँ दान पेटियों से निकलीं।

अन्ना हजारे का संघर्ष सफल

महाराष्ट्र में लागू होगा नया लोकायुक्त कानून, अब भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार राज्य में नया लोकायुक्त कानून लागू करने की तैयारी कर रही है। इस कानून को पहले ही दोनों सदनों से मंजूरी मिल चुकी है और राष्ट्रपति भी इस पर हस्ताक्षर कर चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने इसमें तीन अहम बदलावों का सुझाव दिया था। इन बदलावों के साथ अब नया लोकायुक्त कानून राज्य में लागू होने जा रहा है। इसके लिए सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने लंबे समय से प्रदर्शन किया है। कानून को लागू किए जाने में लगभग दो साल की देरी हुई है। राज्य विधानमंडल ने केंद्र सरकार द्वारा सुझाए गए संशोधनों को मंजूरी दे दी है। यह कदम अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे की लगातार मांगों के जवाब में उठाया गया है, जिन्होंने अधिनियम के लागू न होने पर 31 जनवरी 2026 से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की घोषणा की थी।

मूल लोकायुक्त विधेयक विधानसभा द्वारा 28 दिसंबर 2022 को और विधान परिषद द्वारा 15 दिसंबर 2023 को पारित किया गया था, जिसके बाद इसे राष्ट्रपति की सहमति के लिए भेजा गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विधेयक को मंजूरी दे दी, लेकिन राज्य को तीन महत्वपूर्ण संशोधन शामिल करने की सिफारिश की। इन सुझावों को औपचारिक रूप से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बता दिया गया था, जिन्होंने विधानमंडल को सूचित किया।

फडणवीस ने स्पष्ट किया कि केवल केंद्रीय कानूनों के तहत स्थापित प्राधिकरण स्वतः ही राज्य लोकायुक्त के अधिकार क्षेत्र में नहीं आएंगे। हालांकि, यदि ऐसे निकायों में कार्यरत अधिकारियों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा की जाती है, तो वे लोकायुक्त के दायरे में आएंगे। इसी प्रकार, यदि कोई संस्था केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई है, तब भी राज्य द्वारा नियुक्त अधिकारी लोकायुक्त अधिनियम के अधीन होंगे। संशोधनों में पुराने आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम संदर्भों की जगह केंद्र द्वारा पेश किए गए नए आपराधिक कोड भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के साथ संरेखित करने के लिए कानून में संदर्भों को भी अद्यतन किया गया है।

संशोधित कानून के तहत, पुराने अधिनियम के अंतर्गत नियुक्त वर्तमान लोकायुक्त का कार्यकाल नए कानून के लागू होते ही समाप्त हो जाएगा। प्रशासनिक असंतुलन से बचने के लिए, नए लोकायुक्त के कार्यभार संभालने तक मौजूदा लोकायुक्त अपने पद पर बने रहेंगे। दोनों सदनों से संशोधित विधेयक पारित हो जाने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाने के बाद, राज्य सरकार जल्द ही नए लोकायुक्त अधिनियम को लागू करने के लिए तैयार है, जो महाराष्ट्र में जवाबदेही और भ्रष्टाचार विरोधी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है ।

माता-पिता के बाहर जाने पर मकान मालिक ने नाबालिग के साथ किया दुष्कर्म, भुवनेश्वर पुलिस ने पकड़ा

भुवनेश्वर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महिला थाना, भुवनेश्वर में दर्ज शिकायत के अनुसार, एक नाबालिग लड़की के साथ उसके मकान मालिक ने दुष्कर्म किया। यह घटना हुई। गंभीर चोटों और मानसिक आघात से पीड़ित बच्ची को कटक एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, घटना उस समय हुई जब लड़की के परिवार वाले घर पर मौजूद नहीं थे। इसी अवसर का लाभ उठाते हुए आरोपी मकान मालिक ने घर के अंदर ही अपराध को अंजाम दिया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। ओडिशा राज्य महिला आयोग की एक सदस्य ने अस्पताल में पीड़िता से मुलाकात की और बाद में उसके परिवार से भी बातचीत की। जांच के तहत लड़की और परिवारजनों के बयान दर्ज किए गए हैं।

बेटी ने निभाया बेटों वाला फर्ज, पिता को दी मुखाग्नि; मुंडन कर तोड़ी सदियों पुरानी परंपरा

भुवनेश्वर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के खुर्दा जिले के बालीअंता के सरकणा गांव में एक बेटी ने वह कर दिखाया, जिसे अब तक बेटों का अधिकार माना जाता था। दीप्तिलता मोहंती नाम की इस बेटी ने अपने पिता के निधन के बाद न सिर्फ मुखाग्नि दी, बल्कि शोककाल की सभी रस्में भी पूरी निष्ठा से निभाईं। पूरे क्षेत्र में इस घटना की खूब चर्चा है और लोग इसे बदलते सामाजिक सोच का बड़ा संदेश बता रहे हैं। एक दिसंबर को पिता शरत मोहंती के देहांत के बाद दीप्तिलता ने पूरी विधि-विधान से स्वर्गद्वार में मुखाग्नि दी।

परिवार में बेटा न होने के कारण अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उसी पर आई और उसने बिना किसी संकोच इसे स्वीकार किया। शरत मोहंती के परिवार में दो बेटियां हैं-बड़ी बेटी प्रीति, जो शादी के बाद ससुराल में रहती है और छोटी बेटी दीप्तिलता, जो माता-पिता के साथ ही रहती थी।

अंतिम संस्कार के बाद दीप्तिलता ने शोककाल की हर परंपरागत रस्म पूरे नियम से निभाई। प्रतिदिन की हांड़ी, शाम की निर्दिष्ट पूजा, और शुद्धिकरण संबंधी नियम सभी में उसने कोई चूक नहीं की। दसवें दिन उसने मुंडन संस्कार भी करवाया, जो परंपरागत रूप से बेटों द्वारा किया जाता है। इसी दिन उसने हांड़ी फोड़ने की रस्म भी निभाई और शोक संबंधी सभी कर्तव्यों का निर्वाह किया।

दीप्तिलता के इस कदम पर गांव में कहीं से भी विरोध की आवाज नहीं उठी। बल्कि ग्रामीणों और पड़ोसियों ने उसकी हिम्मत, निष्ठा और अपने पिता के प्रति जिम्मेदारी निभाने की भावना की प्रशंसा की। बड़ी बहन प्रीति और जीजा शशिभूषण ने भी दीप्तिलता के निर्णय पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब परिवार में बेटा नहीं हो, तब भी बेटी हर जिम्मेदारी निभाने में सक्षम है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 257 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.9 2082 शनिवार, 13 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश में 3.55 लाख वक्फ संपत्तियां रिकॉर्ड से गायब

श्रीनगर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर में वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वक्फ बोर्ड से जुड़े नए 'उम्मीद' के डाटाबेस में पुरानी प्रविष्टियों की तुलना में कुल 3,55,312 वक्फ संपत्तियां रिकॉर्ड से कम पाई गई हैं।

यह जानकारी हाल ही में जारी आंकड़ों और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती द्वारा उठाए गए सवालों के बाद चर्चा में है। महबूबा मुफ्ती द्वारा शेयर किए गए टेबल के अनुसार, 2024 में देशभर में वक्फ संपत्तियों की कुल संख्या 8,72,352 थी, जबकि 7 दिसंबर 2025 तक यह संख्या घटकर 5,17,040 रह गईं यानी राष्ट्रीय स्तर पर 3.55 लाख से अधिक संपत्तियां रिकॉर्ड से गायब हैं।

इंडिगो के चार फ्लाइट इंस्पेक्टर निलंबित

एक दिन पहले हुई थी सीईओ एल्बर्स की पेशी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बीते कुछ दिन से अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। रोजाना लगभग 2300 फ्लाइट्स ऑपरेट करने वाली और घरेलू एविएशन मार्केट में 60 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इस एयरलाइन का मार्केट कैप मौजूदा संकट के बाद करीब 21,000 करोड़ रुपये तक घट चुका है। इसी बीच इंडिगो के परिचालन में उपजे संकट के 11वें दिन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत डीजीसीए ने चार फ्लाइट इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है।

बोर्ड ने बाहरी एविएशन विशेषज्ञ को सौंपी कमान

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में हाल के दिनों में सामने आए भारी उड़ान संकट के बाद अब कंपनी के बोर्ड ने कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। लगातार हो रही उड़ान देरी, रद्दीकरण और यात्रियों की बढ़ती नाराजगी के बीच इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह एक बाहरी, स्वतंत्र एविएशन विशेषज्ञ से पूरे मामले की गहन जांच कराएगा।

यह फैसला ऑपरेशनल संकट के बाद लिया गया है, जिसने एयरलाइन की विश्वसनीयता को झटका दिया है। एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि चीफ एविएशन एडवाइजर्स एलएलसी (जो कैप्टन जॉन इल्सन की अगुवाई में काम करती है) को जांच की जिम्मेदारी दी गई है।

एक व्यक्ति की जनगणना पर 97 रुपए खर्च आएगा

केंद्र ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ मंजूर किए, पहली बार डिजिटली होगा सेंसस

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में 2027 में पहली बार जनगणना डिजिटली होगी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट मीटिंग में इसके लिए 11,718.24 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसके मुताबिक एक व्यक्ति की जनगणना पर सरकार के करीब 97 रुपए खर्च होंगे।

दरअसल 2011 की जनगणना में भारत की आबादी लगभग 121 करोड़ थी। अगर इसे आधार माना जाए तो 1 व्यक्ति की गणना करने में करीब 97 रुपए खर्चा (11,718.24 करोड़ रुपये/121 करोड़ आबादी) आएगा। अगर 150 करोड़ अनुमानित जनसंख्या मानी जाए तो प्रति व्यक्ति 78 रुपए खर्च होगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 30 लाख कर्मचारी डिजिटल जनगणना पूरी करेंगे। यह सीएएएस सॉफ्टवेयर से होगी। इसका डिजाइन डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। जनगणना दो फेज में होगी। फेज-1 (अप्रैल-सितंबर 2026) में घरों की लिस्टिंग और गिनती होगी। फेज-2 (फरवरी 2027) में आबादी की गिनती होगी।

कोपरा के लिए एमएसपी तय :

इसके अलावा कैबिनेट ने कोलसेतु विंडो को मंजूरी दी है। इसके तहत अलग-अलग इंडस्ट्रियल इस्तेमाल और एक्सपोर्ट के लिए कोल लिंकेज की नीलामी, सही पहुंच और रिसोर्स का सबसे अच्छा इस्तेमाल पक्का करना है। सरकार ने 2026 सीजन के लिए कोपरा के मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) को मंजूरी दी। 2026 सीजन के लिए फेयर एवरेज क्वालिटी मिलिंग कोपरा के लिए एमएसपी 12,027 रुपए प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा के लिए 12,500 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है।

2026 सीजन के लिए एमएसपी में पिछले सीजन के मुकाबले मिलिंग कोपरा के लिए 445 रुपए प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा के लिए 400 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने मार्केटिंग सीजन 2014 के लिए मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा के लिए एमएसपी को 5,250 रुपए प्रति क्विंटल और 5,500 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाए हैं।

इंश्योरेंस सेक्टर में एफडीआई 100 प्रतिशत होगी :

केंद्र सरकार ने इंश्योरेंस सेक्टर में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) की लिमिट 100 प्रतिशत करने का बिल पास कर दिया है। पहले यह 74 प्रतिशत था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट ने गुरुवार को इंश्योरेंस अमेंडमेंट बिल को मंजूरी दी।

राहुल गांधी ने वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया

'बच्चों का भविष्य खतरे में, बीमारियों से संघर्ष'

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार (12 दिसंबर) को सदन के अंदर वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया। इसी के साथ उन्होंने केंद्र सरकार से प्रदूषण की चुनौती से निपटने पर सवाल भी पूछा। राहुल गांधी ने सवाल करते हुए कहा कि इस कठिनाई से निपटने के लिए सरकार के पास अगले चार-पांच साल का क्या रोडमैप है?

राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि हमारे अधिकांश प्रमुख शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोगों को कैंसर हो रहा है। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे पर मुझे यकीन है कि सरकार और हमारे बीच पूरी सहमति होगी। यह कोई सोच का मुद्दा नहीं है। इस सदन में हर कोई इस बात से सहमत होगा कि वायु प्रदूण, और इससे हमारे लोगों को हो रहे नुकसान, एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हम सहयोग करना चाहेंगे।

भारत की जनता के भविष्य के बारे में बात करते हैं :

राहुल गांधी ने अपने बयान में आगे कहा, मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि हम चर्चा को इस तरह से आगे बढ़ाएं कि हम यह न कहें कि आपने क्या नहीं किया और आप यह न कहें कि हमने क्या नहीं किया, बल्कि सीधे इस बात पर ध्यान दें कि हम भविष्य में भारत की जनता के लिए क्या करने जा रहे हैं, हमें कौन से कदम उठाने होंगे। इसलिए, मेरा मानना है कि यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या हम एक-दूसरे पर दोषारोपण करने के बजाय, इस एक मुद्दे पर, जिस पर हम सहमत हैं, कोई असहमति नहीं है, यह कहने का प्रयास कर सकते हैं कि, चलिए, भारत की जनता के भविष्य के बारे में बात करते हैं।

हम देश को दिखाएंगे कि हम एक साथ काम कर सकते हैं :

वहीं लोकसभा के बाहर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली का और बड़े शहरों का जो प्रदूषण है उस पर मैंने बात की। ये एक ऐसा विषय है जिसमें सभी पार्टियां सहमत हो सकती हैं कि हमारा भविष्य, हमारे बच्चों का नुकसान हो रहा है, लोगों को कैंसर हो रहा है, बीमारियां हो रही हैं। मैंने सदन में सुझाव दिया कि हमें सदन में प्रदूषण के मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए और दूसरे तरह से चर्चा करनी चाहिए। इस विषय पर हमें एकमत होना चाहिए कि हम भविष्य की बात करेंगे और इस समस्या को हल कैसे किया जाए उस पर चर्चा करेंगे।

'क्या हमें सभी को चांद पर भेज देना चाहिए'

अदालत ने भूकंप पर याचिका खारिज करते हुए पूछा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका खारिज करते हुए पूछा कि तो हमें सभी को चांद पर भेज देना चाहिए या कहीं और? याचिका में कहा गया था कि भारत की 75 प्रतिशत आबादी उच्च भूकंपीय क्षेत्र में है और अधिकारियों को भूकंप से होने वाले नुकसान को कम करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता (जो खुद पेश हुए थे) उन्होंने न्यायाधीश विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच को बताया कि पहले यह माना जाता था कि सिर्फ दिल्ली उच्च भूकंपीय क्षेत्र में है, लेकिन हाल ही में यह नतीजा निकला है कि भारत की 75 प्रतिशत आबादी इसके अंदर आती है। इस पर बेंच ने पूछा, तो हमें सभी को चांद पर भेज देना चाहिए या कहीं और? याचिकाकर्ता ने कहा कि हाल ही में जापान में एक बड़ा भूकंप आया था। बेंच ने कहा, पहले हमें इस देश में ज्वालामुखी लाने होंगे, फिर हम इसकी तुलना जापान से कर सकते हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि अधिकारियों को भूकंप आने की स्थिति में नुकसान को कम करने के लिए इंतजाम करने चाहिए।

पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल का 90 की उम्र में निधन

लातूर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार को 90 की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने लातूर में सुबह 6.30 बजे अंतिम सांस ली। शिवराज पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे।

लातूर में उनके घर देवघर में उनका इलाज चल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाटिल का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा।

शिवराज के परिवार में उनके बेटे शैलेश, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं। पाटिल लातूर लोकसभा सीट से 7 बार सांसद रहे। शिवराज को इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का विश्वासपात्र माना जाता था। वे 1980 के दशक में इंदिरा और राजीव की सरकारों में रक्षा मंत्री रहे। इसके अलावा वे 1991 से 1996 तक लोकसभा के 10वें अध्यक्ष रहे। 2004 से 2008 तक केंद्र में गृह मंत्री रहे।

हालांकि मुंबई हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी हमलों के दौरान उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी। देश में इतने बड़े संकट के बावजूद शिवराज ने एक ही दिन में कई बार ड्रेस बदली। इसके लिए उनकी आलोचना हुई।

थरूर जरूरी या मजबूरी

एक्शन लेने में कांग्रेस लाचार क्यों

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निचले सदन के कांग्रेस सदस्यों के साथ शुक्रवार को बैठक की। राहुल गांधी ने कांग्रेस के लोकसभा सदस्यों के साथ संसद भवन परिसर में यह बैठक की, जिसमें पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल को श्रद्धांजलि भी दी गई। इस मीटिंग में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर अनुपस्थित रहे। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस लोकसभा सांसदों की बैठक में शामिल नहीं हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, थरूर ने अपनी अनुपलब्धता के बारे में पार्टी को पहले ही सूचित कर दिया था। एक अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता और चंडीगढ़ सांसद मनीष तिवारी भी बैठक में अनुपस्थित रहे। अपनी अनुपस्थिति के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए लोकसभा सांसद ने कहा, मैंने बैठक नहीं छोड़ी, मैं केरल से आ रहा था और हवाई जहाज में था। शशि थरूर की टाइमलाइन के अनुसार, वह कल रात कोलकाता में प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित थे। इससे पहले, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 1 दिसंबर को स्पष्ट किया था कि उन्होंने जानबूझकर एक दिन पहले हुई कांग्रेस की रणनीतिक समूह की बैठक में भाग नहीं लिया था, बल्कि बैठक के समय वह केरल से लौट रहे विमान में थे। सोनिया गांधी की अध्यक्षता में आयोजित शीतकालीन सत्र के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने वाली बैठक में थरूर की अनुपस्थिति ने राजनीतिक हलकों में ध्यान आकर्षित किया था।

राफेल और एस-400 नहीं बचा पाएंगे, दिल्ली को बनाएंगे निशाना

> अमेरिका प्रतिबंधित लश्कर के आतंकी ने पाकिस्तान से दी धमकी

इस्लामाबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की धरती से एक बार फिर भारत में हिंसा फैलाने की मंसूबों को खुलासा हुआ है। हाफिज सईद का करीबी माने जाने वाले लश्कर-ए-तैयबा आतंकी अब्दुल रऊफ ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए खुलेआम भारत के खिलाफ जहर उगला है। रऊफ ने कश्मीर में पहले से ज्यादा आतंक फैलाने की बात कही है तो भारत के दूसरे हिस्सों में हिंसा करने के मंसूबे जताए हैं। रऊफ के भाषण का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह खुलकर भारत विरोधी बयान दे रहा है।

रऊफ का एक वीडियो क्लिप शेयर किया है। इसमें वह कह रहा है कि बहुत से लोगों को लगता है कि कश्मीर की लड़ाई खत्म हो गई है। किसी को भी यह नहीं समझना चाहिए कि ऐसा हो सकता है। कश्मीर पर आने वाले वक्त में बेहद जोरदार तरीके से हमला होगा। कश्मीर की लड़ाई को हम अधूरा छोड़ने वाले नहीं हैं।

हम दिल्ली जीत लेंगे :

अब्दुल रऊफ ने ये बयान कब दिया, इसकी सही जानकारी नहीं है लेकिन वीडियो में वह खूब शेखी बघारता नजर आ रहा है। अपने भाषण में रऊफ कह रहा है कि एक बार अमीर मक्की साब (लश्कर संस्थापक अब्दुल रहमान मक्की) ने कहा था कि हम दिल्ली जीत लेंगे। मैं कहता हूं कि ये एक दिन जरूर होगा। अब्दुल रऊफ ने इस दौरान कहा कि हमारा मकसद गजवा-ए-हिंद है। हम ना सिर्फ कश्मीर बल्कि पूरे भारत में अपना झंडा लहराएंगे और गजवा-ए-हिंद में कामयाब होंगे। हम कहते हैं कि पूरी दुनिया में इस्लाम आएगा, ऐसा होगा क्योंकि हम एकजुट होकर लड़ेंगे। हम एकजुट होंगे तो कोई हमें नहीं रोक सकता है।

राफेल भारत को नहीं बचा पाएगे :

अब्दुल रऊफ ने 7-10 मई तक हुए भारत-पाकिस्तान के सैन्य संघर्ष का भी जिक्र किया। रऊफ ने खुद ही अपनी तारीफ करते हुए कहा कि 6 महीने पहले पाकिस्ता ने भारत को हरा दिया था। अब अगले 50 सालों तक भारत हमारे ऊपर हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा। रऊफ ने कहा कि भारत के राफेल जैसे जेट, एस-400 एयर डिफेंस, ड्रोन और सैन्य तकनीक हमारे सामने कुछ भी नहीं हैं। हम 58 इस्लामिक देशों में अकेली न्यूक्लियर पावर हैं। हमारी ताकत दुनिया देख चुकी है और अब हमें सिर्फ एकजट होकर भारत से लड़ाई लड़नी है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 3 आतंकी पकड़े गए

जम्मू, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय सेना ने शुक्रवार को 3 आतंकियों को पकड़ा है। तीनों आतंकी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार देर रात सीमा के पास जंगल में संदिग्ध हलचल दिखी। जवानों ने इलाके क घेराबंदी शुरू कर दी। आतंकवादी भागने की कोशिश करने लगे तो कुछ देर गोलीबारी भी हुई। आखिरी में तीनों आतंकी जिंदा पकड़े गए। उनके पास से 2 एके-47 राइफलें, 3 पिस्तौल समेत विस्फोटक बरामद किए गए।

'लोकतंत्र की जड़ें ही काट देगा'

जस्टिस स्वामीनाथन के समर्थन में 56 पूर्व जज, महाभियोग पर भड़के

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों समेत कुल 56 पूर्व जजों ने एक बयान जारी कर मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस जीआर स्वामीनाथन का समर्थन किया है। जस्टिस स्वामीनाथन ने तमिलनाडु के मदुरै में तिरुपरनकुंद्रम सुब्रमणिया स्वामी मंदिर के पास पहाड़ी पर पवित्र दीपक जलाने का आदेश दिया था, जिसके बाद विपक्ष उनपर महाभियोग लगाकर उन्हें जज पद से हटाने की मुहिम में जुटा है। इन पूर्व जजों ने इस मामले में महाभियोग के प्रस्ताव पर गंभीर आपत्ति जाहिर की है। इन 56 पूर्व जजों ने अपने बयान में विपक्ष के प्रयासों को, समाज में खास वर्ग की वैचारिक और राजनीतिक उम्मीदों के अनुसार न चलने वाले जजों को डराने-धमकाने की बेशर्म कोशिश बताया है। इन पूर्व जजों ने चेतावनी दी है कि अगर इस तरह के बर्ताव को जारी रहने दिया गया तो, यह हमारे लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के मूल जड़ों को ही काट देगा। इन्होंने कहा है कि संसद सदस्यों ने जो कारण बताए हैं, उन्हें सच मान भी लिया जाए तो भी महाभियोग जैसे दुर्लभ, अपवाद और गंभीर संवैधानिक कदम को सही ठहराने के लिए पूरी तरह से पर्याप्त नहीं हैं। इन रिटायर्ड जजों ने इमरजेंसी की दौर का भी हवाला दिया है और यहां तक कहा है कि महाभियोग का असली मकसद न्यायपालिका की ईमानदारी बनाए रखना है, न कि उसे दबाव बनाने, संकेत देने और बदले की कार्रवाई का हथियार बनाना।

गोवा अग्निकांड-क्लब मालिकों को भारत लाया जा रहा

बैंकॉक में भारतीय एजेंसियों के हवाले किए जाएंगे, पूरी प्रॉसेस में 4 दिन लगेंगे

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के नाइट क्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' आग मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड से भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। थाईलैंड पुलिस ने गुरुवार (11 दिसंबर) को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया था। थाई पुलिस अब दोनों को बैंकॉक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट ले गई है। यहां दोनों को भारतीय एजेंसियां अपनी कस्टडी में लेंगी। इसके बाद उन्हें सुआन फू इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर ले जाया जाएगा। पासपोर्ट रद्द होने के कारण भारतीय दूतावास इनके लिए इमरजेंसी ट्रैवल सर्टिफिकेट जारी करेगा।

चूंकि, थाईलैंड से गोवा के लिए सीधी उड़ान नहीं है, इसलिए लूथरा ब्रदर्स को बैंकॉक से पहले दिल्ली, फिर गोवा ले जाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 4 दिन लगेंगे। सोमवार तक दोनों भाइयों के दिल्ली पहुंचने की संभावना है। दिल्ली पहुचते ही गोवा पुलिस दोनों को हिरासत में लेगी। इधर, लूथरा ब्रदर्स को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सौरभ और गौरव, बर्च क्लब के अलावा अन्य 42 कंपनियों से भी जुड़े हैं, जिनमें कई सिर्फ कागज पर मौजूद हैं। ये सभी कंपनियां दिल्ली में एक ही पते (2590, ग्राउंड फ्लोर, हडसन लाइन, नार्थ वेस्ट दिल्ली) पर रजिस्टर्ड हैं।

लूथरा ब्रदर्स फर्जी कंपनियों के डायरेक्टर या पार्टनर :

कॉर्पोरेट रिकॉर्ड से पता चलता है कि लूथरा भाई फर्जी कंपनियों और लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपीएस) में डायरेक्टर या पार्टनर के तौर पर लिस्टेड हैं। ऐसी कंपनियों का इस्तेमाल आमतौर पर बेनामी लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जाता है। हालांकि, अभी इसकी जांच होना बाकी है।

बर्च नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए थे। थाई पुलिस ने दोनों को फुकेट में एक होटल के कमरे से हिरासत में लिया। दोनों पर गैर-इरादतन हत्या और लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

'डरता नहीं हूं लेकिन हल्के में नहीं लेंगे'

> दे दिया कार्रवाई का अल्टीमेटम

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोहिंग्या घुसपैठियों के अधिकारों पर उठाए गए सवालों पर सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और कई वकीलों ने आलोचना की। अब इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अदालत की कार्यवाही के दौरान वकीलों से सवाल पूछने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रज्वल रेवन्ना की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा, लोग इतने अति संवेदनशील हैं कि वे अदालतों द्वारा की गई किसी टिप्पणी या वकील से पूछे गए किसी प्रश्न के लिए भी उनकी आलोचना करते हैं।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि वे ऐसी आलोचनाओं से डरते नहीं हैं, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि जजों द्वारा तथ्यों और बेहतर दलीलों को सामने लाने के लिए पूछे गए सवालों के आधार पर नैरेटिव बनाए जाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कामों को वे गंभीरता से लेंगे। पिछले हफ्ते, सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था, ये रोहिंग्या कौन हैं जिन्हें सरकार ने शरणार्थी घोषित किया है? बेंच ने यह भी कहा था कि अवैध रूप से देश में आने वालों का कोई कानूनी दर्जा नहीं होता और भारत उन्हें रखने के लिए बाध्य नहीं है।

बेंच ने कहा था, अगर किसी व्यक्ति का कोई कानूनी दर्जा नहीं है, तो वह देश में घुसपैठिया है... एक बार ये अवैध प्रवासी भारत में आ जाते हैं, तो वे भोजन, आश्रय और बच्चों की मदद का अधिकार मांगते हैं। हमारे देश में बहुत गरीब लोग हैं। देश के संसाधनों पर उनका अधिकार है, अवैध प्रवासियों का नहीं।

तमिलनाडु सरकार पर बरसे अनुराग ठाकुर

दीये जलाने और हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ के आरोप

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै जिले में तिरुपरमकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कार्तिगई दीपम त्योहार को लेकर उठा बवाल अब बढ़ता जा रहा है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को संसद में इस मुद्दे पर तमिलनाडु सरकार को घेरा।

सांसद ठाकुर ने कहा, भारत का एक राज्य सनातन धर्म-विरोध का चेहरा बन गया है। इस राज्य के मंत्रियों ने सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिए हैं। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तो तमिलनाडु के मंदिरों में इसके प्रसारण पर रोक लगा दी गई थी।

संसद में उठा कार्तिगई दीपम विवाद :

भाजपा सांसद ने दावा किया कि इस दौरान मंदिरों के दरवाजे बंद कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ लोगों को कोर्ट का रुख करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। ठाकुर ने कहा कि मदुरै पीठ ने 'कार्तिगई दीपम' को लेकर जारी निर्देशों को अधिकारियों की ओर से जानबूझकर पालन न करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, हिंदू श्रद्धालुओं पर लाठियां बरसाई गईं। कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें महादीपम जलाने के अनुमति नहीं दी गई। मेरा सवाल है कि पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश क्यों नहीं माने? हिंदुओं को क्यों रोका गया? अनुराग ठाकुर ने कहा कि तमिलनाडु सरकार की ओर से हाईकोर्ट के निर्देश की अवमानना की गई।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर का मामला हो या कार्तिगई दीपम का तमिलनाडु सरकार की ओर से हिंदू श्रद्धालुओं को क्यों रोका जाता है? मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर तमिलनाडु भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा, उन पर एक विशेष समुदाय का पक्ष लेने का आरोप है, जो बिल्कुल गलत है। यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि एक सरकार ऐसा कर रही है, क्योंकि यह द्रविड़ मॉडल वाली सरकार अल्पसंख्यक वोटों को लुभाने की कोशिश कर रही है। डीएमके की मानसिकता हिंदू-विरोधी और ब्राह्मण-विरोधी है। डीएमके और उसके सहयोगी तमिलनाडु में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। मदुरै जिले में तिरुपरमकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कार्तिगई दीपम त्योहार पर दीपथून में महादीपम जलाए जाने की परंपरा है।

घर के पास गड्ढा खोदा, 3 मासूम बच्चों को जिंदा दफनाने लगा पिता, बस्ती में सामने आया हैरान कर देने वाला मामला

बस्ती, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बस्ती जिले में दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। परशुरामपुर थाना क्षेत्र के नंदनगर गांव में एक बेरहम पिता ने अपनी ही संतानों की जान लेने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार, आरोपी पिता अपनी पत्नी से आए दिन मारपीट करता था। लगातार अत्याचार से तंग आकर पत्नी अपने एक बच्चे को लेकर मायके चली गई लेकिन घर में मौजूद उसके तीन मासूम बच्चे बेरहम पिता के कहर का शिकार बनते रहे।

आरोप है कि पिता ने अपने तीन नाबालिग बच्चों को मिट्टी में दफनाने की तैयारी कर ली थी। उसने घर के पास ही एक गड्ढा खोद लिया और बच्चों को जबरन वहां ले जाने लगा। इसी बीच किसी ग्रामीण ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी।

कफ सिरप मामले में ईडी की देशभर में 25 जगहों पर छापेमारी

रैकेट में 1000 करोड़ से ज्यादा का अवैध पैसा शामिल

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कफ सिरप मामले में प्रवर्तन निदेशाल (ईडी) की टीम छापेमारी कर रही है। लखनऊ जोनल ऑफिस ने शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे गैरकानूनी कफ सिरप ट्रेडिंग के बड़े मामले में 25 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। इस रैकेट में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का अवैध पैसे को शामिल किया गया है। ईडी की टीम इसी मामले में छानबीन करने में लगी हुई है।

सीए विष्णु अग्रवाल के ठिकानों पर भी कार्रवाई

ये ठिकाने मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल से जुड़े लोगों अलोक सिंह, अमित सिंह और उन मैन्युफ़ैक्चरर्स के हैं, जिन्होंने धोखाधड़ी से कफ सिरप की सप्लाई अवैध कारोबार के लिए

उपलब्ध कराई। इसके अलावा चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) विष्णु अग्रवाल के ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इन ठिकानों पर हुई छापेमारी

छापेमारी लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश), रांची (झारखंड) और अहमदाबाद (गुजरात) में चल रही है। अधिकारियों के मुताबिक, ईसीआईआर दर्ज किया गया है, जो पिछले दो महीनों में उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों, लखनऊ, वाराणसी, सोनभद्र, सहारनपुर और गाजियाबाद में दर्ज 30 से ज्यादा एफआईआर के आधार पर है। ये एफआईआर कोडीन आधारित कफ सिरप की अवैध स्टॉकिंग, ट्रांसपोर्टेशन, ट्रेडिंग और क्रॉस-बॉर्डर सप्लाई से जुड़ी हैं। जांच में अब तक सामने आया है कि इस पूरे रैकेट में हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का अवैध पैसा (पीओसी) शामिल है। इस मामले का मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल अब भी फरार है और माना जा रहा है कि वह दुबई में छिपा हुआ है। वहीं, उसका पिता भोला प्रसाद गिरफ्तार किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश पुलिस अब तक 32 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

फर्जी पते पर मिली फर्में

छापेमारी में कई फर्जी पते और फर्जी फर्में भी मिली हैं, जिन पर ये अवैध कारोबार चल रहा था और जिनके नाम से कफ सिरप की अवैध खरीद-फरोख्त की जा रही थी।

यूपी में दूसरी सीमा हैदर! शादी के बाद नेपाल के रास्ते अमरोहा पहुंची बांग्लादेशी महिला रीना बेगम

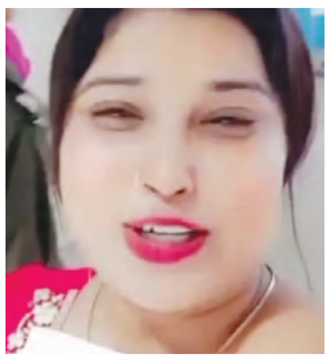

अमरोहा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमरोहा के मंडी धनौरा में अवैध रूप से रहने वाली बांग्लादेशी महिला रीना बेगम और उसके पति राशिद अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि खुफिया विभाग के अधिकारियों ने दोनों से कई घंटों तक पूछताछ की है। खुफिया विभाग के अधिकारियों को उनके कब्जे से निकाह की रसीद मिली है। पूछताछ में इन दोनों ने बताया है कि कुछ साल पहले सऊदी अरब में दोनों ने निकाह किया था। इसके बाद महिला अक्टूबर 2025 को नेपाल के रास्ते से पति के साथ भारत आ गई। पुलिस ने बांग्लादेशी महिला के खिलाफ विदेशी अधिनियम और उसके पति राशिद पर शरण देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

दरअसल, पुलिस को सूचना मिली कि सऊदी अरब में काम करने वाला हाल पता मोहल्ला कटरा में सुनहरी मस्जिद के पास रहने वाला राशिद अली दो माह पहले एक बांग्लादेशी महिला को लेकर आया है। दोपहर बाद पुलिस राशिद अली व एक महिला को पूछताछ के लिए थाने ले आई। महिला के बांग्लादेशी होने की जानकारी उच्चाधिकारियों व खुफिया एजेंसी को पुलिस के द्वारा दी गई। खुफिया ब्यूरो के अधिकारियों ने कथित रूप से बांग्लादेशी महिला व राशिद अली से पूछताछ की।

शिवराज पाटिल के निधन पर सीएम नीतीश कुमार ने जताया दुख

बोले- 'देश की संवैधानिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई थी'

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का आज (शुक्रवार) लातूर में निधन हो गया। वे करीब 91 साल के थे। सुबह करीब 6:30 बजे के आसपास लातूर स्थित अपने घर देववर में आखिरी सांस ली। उनके निधन के बाद सियासी गलियारे से शोक संदेश आ रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी शोक जताया है। अपने संदेश में नीतीश कुमार ने कहा, उनका निधन अत्यंत दुखद है। शिवराज सिंह पाटिल ने अपने लंबे राजनीतिक करियर में देश के लिए कई प्रतिष्ठित पदों पर काम किया है। देश की संवैधानिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई। भारतीय राजनीति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चीर शांति एवं उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

अखिलेश प्रसाद सिंह बोले- 'देश ने एक बड़ा राजनेता खो दिया'

कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल के निधन पर कहा, यह बहुत दुखद है और मुझे उनके साथ 2004 से 2009 तक काम करने का मौका मिला था। वे एक बड़े राजनीतिज्ञ और दूरदर्शी व्यक्ति थे।।। उनका कार्यकाल बहुत सराहनीय था। देश ने एक बड़ा राजनेता खो दिया है। उनके शोक संतप्त परिवार के साथ हमारी संवेदना है।

सांसद मनोज झा ने कहा- 'कांग्रेस को अपूरणीय क्षति हुई'

पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल के निधन पर, आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, मेरा मानना है कि कांग्रेस को अपूरणीय क्षति हुई है। कई वर्षों तक अलग-अलग पदों पर सार्वजनिक जीवन को उन्होंने समृद्ध किया। मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उनके समर्थकों को, परिवार और परिजनों को संबल दें।

विधायक नंद किशोर गुर्जर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी समर्थकों में भारी आक्रोश

लोनी (गाजियाबाद), 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में लोनी विधायक के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। मामले में एक व्यक्ति ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लोनी के प्रेमनगर में रहने वाले ललित गौतम ने पुलिस को शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि सिरौली गांव निवासी सतवीर सिंह व करन सिंह सोशल मीडिया फेसबुक में लाइव आकर कई बार लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी कर चुके हैं।

इससे लोगों में रोष है और क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। उन्होंने करन सिंह पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री वायरल करने का आरोप लगाया है। वहीं, लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि लोनी के किसी कार्यकर्ता ने शिकायत दी होगी इसकी मुझे जानकारी नहीं है।

पाटलिपुत्र सेंट्रल को-आपरेटिव बैंक के विकास पदाधिकारी के छह ठिकानों पर छापा

पटना के चार और गोपालगंज के दो जगहों पर तलाशी जारी

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति मामले में पाटलिपुत्र सेंट्रल को-आपरेटिव बैंक के विकास पदाधिकारी भवेश कुमार सिंह के आधा दर्जन ठिकानों पर शुक्रवार की सुबह छापेमारी की गई है। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम पटना के चार और गोपालगंज के दो ठिकानों पर तलाशी ले रही है। ईओयू के अनुसार, प्रथमदृष्टया विकास पदाधिकारी के पास आय से 60 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने की जानकारी मिली है। ईओयू की टीम ने पटना में रूपसपु थाना अंतर्गत रामजयपाल नगर में पुष्पक रेसिडेंटी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 203, अगमकुआं थाना के जकरियारपुर मोहल्ले में गोदाम गली के पास पहाड़ी स्थित पांच मंजिला भवन, बिहटा के बेला स्थित जय माता दी राईस मिल और एसपी वर्मा रोड स्थित को-आपरेटिव बैंक के कार्यालय में छापेमारी की।

इसके अलावा गोपालगंज के मांझगढ़ थाना अंतर्गत जलालपुर गांव के पैतृक आवास और मांझगढ़ के भावना पेट्रोलियम की भी तलाशी ली जा रही है। ईओयू को पाटलिपुत्र सेंट्रल को-आपरेटिव बैंक के विकास पदाधिकारी भवेश कुमार सिंह के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। इसका सत्यापन कराने के बाद पदाधिकारी के विरुद्ध आर्थिक अपराध थाने में गुरुवार को कांड दर्ज किया गया। इसके बाद कोर्ट से तलाशी अधिपत्र प्राप्त कर शुक्रवार की सुबह छापेमारी की शुरू की गई है।

जीजा की डिग्री लगाकर बन गया डॉक्टर, ललितपुर मेडिकल कॉलेज में तीन साल तक करता रहा इलाज, ऐसे खुला राज

ललितपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। डॉक्टर को धरती का भगवान कहा जाता है, लेकिन अगर वही लोगों की जान बचाने की जगह उनकी जिंदगी जोखिम में डालने लगे तो फिर क्या कहेंगे। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से सामने आया है। यहां फर्जी तरीके से जीजा की डिग्री लगाकर एक साले ने डॉक्टरी की नौकरी हथिया ली। यही नहीं तीन साल तक कार्डियोलॉजिस्ट जैसे विभाग में यह व्यक्ति मरीजों की जान से खिलवाड़ करता रहा।

बहन की शिकायत के बाद जब फर्जी डॉक्टर का खुलासा हुआ तो आरोपी इस्तीफा देकर फरार हो गया। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन में हड़कम्प मचा हुआ है। अधिकारियों ने कार्रवाई के निर्देश दिए है। मेडिकल कॉलेज में तीन वर्ष से कार्यरत एक कार्डियोलॉजिस्ट पर अपने ही जीजा की डिग्री लगाकर नौकरी करने का मामला सामने आया है। शिकायत की भनक लगते ही आरोपी ने इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य विभाग ने उसके खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

यूपी बीजेपी अध्यक्ष कौन ?

तीन ओबीसी और दो ब्राह्मण नेताओं के नाम की चर्चा सबसे अधिक

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के नाम पर लंबे समय से चल रहा इंतजार अब खत्म होने वाला है और 14 दिसंबर को नए प्रदेश अध्यक्ष का आधिकारिक ऐलान किया जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और संगठन चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि 13 दिसंबर को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में नामांकन प्रक्रिया पूरी होगी और 14 दिसंबर को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा करेंगे। यह चुनाव बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि 2027 विधानसभा चुनावों से पहले संगठन नई रणनीति और नेतृत्व तय करना चाहता है।

ओबीसी और ब्राह्मण समुदाय के कई नाम शामिल

सूत्रों के अनुसार अध्यक्ष पद की रेस में ओबीसी और ब्राह्मण समुदाय के कई दिग्गज नेता शामिल हैं। ओबीसी

वर्ग से केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल लोधी और केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल। वर्मा के नाम चर्चा में हैं। वहीं ब्राह्मण समाज से पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और यूपी बीजेपी महामंत्री गोविंद शुक्ला संभावित उम्मीदवारों में माने जा रहे हैं। पार्टी के भीतर यह भी माना जा रहा है कि जातीय संतुलन और क्षेत्रीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए ऐसा चेहरा चुना जाएगा, जो आगामी चुनावों में बीजेपी के लिए ताकत बन सके।

नामांकन के दौरान शामिल होंगे सीएम व डिप्टी सीएम

चुनाव प्रक्रिया के तहत 13 दिसंबर को दोपहर 1 पीएम से 2 पीएम तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे और इस दौरान केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े लखनऊ में मौजूद रहेंगे। नामांकन में सीएम योगी आदित्यनाथ और दोनों डिप्टी सीएम के प्रस्तावक के रूप में मौजूद रहने की भी संभावना है।

पार्टी ने सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं को लखनऊ बुलाया है, जहां प्रांतीय परिषद के करीब 400 सदस्य मतदान कर नए अध्यक्ष का चयन करेंगे। चर्चा यह भी है कि पिछड़े या दलित वर्ग से किसी बड़े चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी जा सकती है। अंदरूनी स्तर पर स्वतंत्रदेव सिंह, सोनकर, पंकज चौधरी और केशव मौर्य जैसे नाम भी सुर्खियों में बने हुए हैं।

मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से करीब एक साल से अध्यक्ष पद को लेकर स्थिति असमंजस में थी और कई दावेदार लंबे समय से इस कुर्सी की दौड़ में बने हुए थे। साध्वी निरंजन ज्योति, स्वतंत्र देव सिंह, दिनेश शर्मा और रमाशंकर कठेरिया जैसे नेताओं के नाम भी लगातार चर्चा में आए हैं।

दहेज के लिए विवाहिता की गला दबाकर हत्या

बेतिया, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बेतिया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालू नगर में दहेज के लिए एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। यह घटना मृतका की पहचान 25 वर्षीय जहांनारा खातून के रूप में हुई है, जो लालू नगर निवासी मोहम्मद असरफ की पत्नी थीं। घटना के बाद से ससुराल वाले फरार हैं। सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया। मामले की जांच के लिए एफएलएस (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना किया है। मृतका के पिता शेख करीम, जो बैरिया थाना के शेखटोली वार्ड नं। 11 के निवासी हैं, ने जीएमसीएच में बताया कि अप्रैल 2025 में उनकी दो बेटियों, जहांनारा खातून और हुस्नआरा खातून की शादी 12 दिनों के अंतराल पर हुई थी। शादी के बाद जहांनारा अपने ससुराल लालू नगर गई थीं। पिता के अनुसार, ससुराल पहुंचने के बाद से ही पति मोहम्मद अशरफ और परिवार के अन्य सदस्य जहांनारा को प्रताड़ित करने लगे थे। वे दहेज में एक बाइक और सोने की चेन की मांग कर रहे थे। परिजनों ने उन्हें आश्वासन दिया था कि पैसा आते ही उनकी मांग पूरी कर दी जाएगी।

जहांनारा का पति मोहम्मद अशरफ गुजरात में फिटर का काम करता था। एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि परिजन मोहम्मद अशरफ की पत्नी जहांनारा खातून की दहेज के लिए हत्या का आरोप लगा रहे हैं। मुफस्सिल पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। उन्होंने आगे बताया कि एफएलएस टीम द्वारा मामले की जांच की गई है और परिजनों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पहले फोन पर थानेदार को हड़काया फिर एक साथ किया 4 को सस्पेंड

झांसी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के झांसी आईजी आकाश कुलहरी सुर्खियों में बने हुए हैं। आकाश कुलहरी के कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हैं जिसमें वह इंस्पेक्टर को फोनकर फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। आईजी आकाश कुलहरी झांसी एसएसपी कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान उनके पास एक फरयिादी किसान अपनी पीढ़ा लेकर पहुंचा। किसान की बात सुनकर आकाश कुलहरी ने एसएसपी ऑफसि से ही ककरबई थानेदार सुरजीत को फोन लगाकर क्लास लगा दी। इस दौरान उन्होंने मिशन शक्ति प्रभारी और दो महिला सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया जिससे पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है।

सोशल मीडिया पर आईजी आकाश कुलहरी के दो वीडियो वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में वह एक थानेदार को फटकार लगा रहे हैं। दरअसल आईजी के निरीक्षण के दौरान के एक किसान अपनी फरीयाद लेकर उनके पहुंचा था। किसान की शिकायत थी कि वह लंबे समय से थाने के चक्कर लगा रहा है।

लेकिन उसकी समस्या का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। किसान की बात सुनते ही आईजी साहब ने थानेदार सुरजीत को फोन लगाकर क्लास लगा दी। वीडियो में आईजी आकाश कुलहरि थानेदार से फोन पर सवाल कर रहे हैं कि आखिर अभी तक किसान की समस्या सॉल्व क्यों नहीं हुई। इस पर इंस्पेक्टर ने बताया कि वो उनके पास आया ही नहीं है।

इस पर उन्होंने जब पूछा तो फरयिादी ने बताया कि वह चार से पांच बार थाने गया है। इस पर उन्होंने दरोगा से कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है कि पीड़ति 100 किलोमीटर दूर एसएसपी ऑफसि कई बार आ गया और आपके पास नहीं पहुंचा। इस बात पर ही आपको सस्पेंड कर देना चाहिए।

यूपी में 6 महीने तक हड़ताल पर पूरी तरह रोक

योगी सरकार ने एस्मा लागू कर लगाई सख्त पाबंदी

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में हड़तालों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अगले 6 महीनों तक किसी भी तरह की हड़ताल पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह रोक एस्मा 1966 के तहत लागू की गई है। आदेश जारी होते ही यह नियम प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों, निगमों, प्राधिकरणों और स्थानीय निकायों पर लागू हो गया है। नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज की ओर से जारी अधिसूचना में साफ कहा गया है कि अगले 6 महीने तक कोई भी सरकारी कर्मचारी हड़ताल की घोषणा नहीं कर सकेगा और न ही किसी भी तरह की हड़ताल में हिस्सा ले सकेगा। यदि कोई कर्मचारी नियम तोड़ता है, तो उसके खिलाफ एस्मा के तहत कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें सख्त दंड का प्रावधान है।

हड़तालों से सेवाएं हो रही थी प्रभावित

सरकार के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों

से कई विभागों में कामकाज लगातार प्रभावित हो रहा था। इससे आम लोगों को दिक्कतें बढ़ रही थीं। स्वास्थ्य, बिजली, पानी, परिवहन, सफाई और प्रशासन जैसे विभागों में हड़तालों के कारण सेवाएं बाधित हो रही थीं। सरकार का कहना है कि जनहित सबसे पहले है और जनता की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह सख्त कदम उठाना जरूरी था।

किन पर लागू होगा एस्मा ?

एस्मा राज्य सरकार के सभी दफ्तर, सरकारी निगम, विकास प्राधिकरण, नगर निगम और स्थानीय निकाय, प्रदेश सरकार के नियंत्रण वाले सभी विभाग, इन सभी जगहों पर अब किसी भी तरह की बंदी, धरना, प्रदर्शन या सामूहिक अवकाश को हड़ताल माना जाएगा और प्रतिबंधित रहेगा।

कर्मचारियों पर क्या असर पड़ेगा ?

एस्मा लागू होने के बाद कर्मचारी हड़ताल की घोषणा नहीं कर सकते, किसी आंदोलन का हिस्सा नहीं बन सकते, नियम तोड़ा तो कार्रवाई झेलनी पड़ सकती है। एस्मा में निलंबन सहित अन्य दंडात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान है।

सरकार ने कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपनी मांगें बातचीत के जरिए रखें और जनता को होने वाली दिक्कतों को ध्यान में रखें। सरकार का कहना है कि यह फैसला किसी की आवाज दबाने के लिए नहीं, बल्कि सेवाओं को सुचारु रखने के लिए लिया गया है।

महिला कांस्टेबल को पति ने पिलाया सेनेटाइजर, जेठ ने तमंचे के बल पर किया गंदा काम, मामला दर्ज

पीलीभीत, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला कांस्टेबल को बीसलपुर में तैनात उसका सिपाही पति लंबे समय से प्रताड़ित कर रहा था। मेरठ जिले के थाना खरखौंदा क्षेत्र की महिला कांस्टेबल को ससुराल वालों ने पहले सेनेटाइर पिलाकर मारने की कोशिश की। इस घटना के एक माह बाद उसके जेठ ने तमंचा के बल पर दुष्कर्म किया, जिसकी प्राथमिकी मेरठ में पंजीकृत है। महिला कांस्टेबल के शिकायती पत्र के आधार पर सात दिसंबर को दहेजलोभी पति सहित ससुराल के अन्य लोगों के विरुद्ध कोतवाली में प्राथमिकी पंजीकृत कराई। मामले की जांच चल रही है।

महिला कांस्टेबल ने सात दिसंबर को पंजीकृत कराई प्राथमिकी में आरोप लगाते हुए कहा कि उसका विवाह 26 जनवरी 2023 को जिला मेरठ के थाना खरखौदा क्षेत्र के एक गांव के निवासी सिपाही के साथ हुआ था। विवाह में उसके पिता ने भरपूर दान दहेज और चार पहिया गाड़ी भी दी थी, लेकिन पति, सास, ससुर, दोनों जेठ और दोनों जेठानी संतुष्ट नहीं थे। वे लगातार एक स्कार्पियो कार की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर आरोपितों ने मारपीट करना शुरू

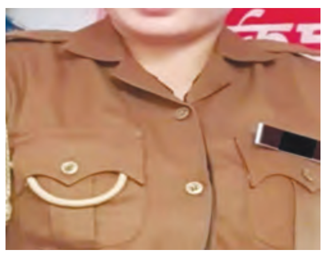

कर दिया। पांच सितंबर 2024 को विवाहिता ने पति को जेठानी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया तो उसने विरोध किया। इस पर आरोपितों ने मिलकर उसको सेनेटाइजर पिला दिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। विवाहिता ने मेरठ के निजी अस्पताल में अपना इलाज कराया, लेकिन दोबारा इस तरह की घटना न होने की हिदायत देकर फिर से ससुराल रहने लगी।

इसके बाद जेठ ने पांच अक्टूबर को मेरठ में स्थित ससुराल में छेड़छाड़ करने के साथ ही तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया, जिसकी प्राथमिकी आरोपित जेठ के विरुद्ध मेरठ जिले के थाना खरखौंदा में दर्ज कराया। इसके बाद महिला कांस्टेबल की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने पति समेत अन्य ससुरालीजनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शनिवार, 13 दिसंबर, 2025 5

सुविचार
ख़याल उन्हीं के आते है
जिनसे दिल का रिश्ता होता
है, हर शख्स अपना हो जाए
सवाल ही पैदा नहीं होता!

अखिलेश यादव ने सीएम रेवंत से की मुलाकात

हैदराबाद में भव्य सदर सम्मेलन में हुए शामिल

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्चार भेंट की। दोनों नेताओं ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अखिलेश यादव को तेलंगाना सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस बैठक में राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव, पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव, रामागुंडम विधायक राज ठाकुर और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रोहित रेड्डी भी उपस्थित थे। इसके बाद अखिलेश यादव हैदराबाद स्थित एमएलए क्वार्टर्स में आयोजित एक भव्य सदार सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेता भले ही अलग-अलग राजनीतिक दलों से हों, लेकिन राजनीति से परे सभी एकजुट रहते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में सदार समारोहों के लिए और भी व्यापक व्यवस्थाएं की जानी चाहिए। राष्ट्रीय राजनीति पर बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा पीछे धकेली जा रही है और यह भी दावा किया कि आंध्र प्रदेश के समर्थन के बिना केंद्र में एनडीए सरकार की वापसी संभव नहीं थी। अपनी पार्टी की संभावनाओं पर विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी का झंडा एक बार फिर ऊंचा लहराएगा।

ड्रा के जरिए कासावेना कोमुरैया ने काकरलापल्ली सरपंच पद जीता

पेद्दापल्ली, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंथनी मंडल के काकरलापल्ली सरपंच पद के चुनाव में गुरुवार को मतदान बराबरी पर समाप्त होने के बाद कासावेना कोमुरैया विजेता घोषित हुए। पहले चरण के मतदान में पंजीकृत 886 मतदाताओं में से 802 ने वोट डाले। कोमुरैया और उनके प्रतिद्वंदी मोंडा राजैया को समान रूप से 391-391 वोट प्राप्त हुए। बुदिदा गणेश को 11 वोट मिले और नौ मतपत्र अमान्य घोषित किए गए। मतदान अधिकारियों ने दोनों उम्मीदवारों की अपील के बाद वोटों की दोबारा गिनती की, लेकिन परिणाम अपरिवर्तित रहा। इसके बाद लॉटरी के माध्यम से कोमुरैया को विजेता घोषित किया गया। कोमुरैया पहले भी सरपंच रह चुके हैं और उन्हें बीआरएस का समर्थन प्राप्त था, जबकि राजैया को कांग्रेस पार्टी का समर्थन मिला था।

उप्पल क्रिकेट स्टेडियम में अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंध : सुधीर बाबू

मैच से 3 घंटे पहले दर्शकों के लिए गेट खोल दिए जाएंगे

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि शनिवार को फुटबॉल मैच राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। स्टेडियम की क्षमता लगभग 39,000 बैठने की है। मैच के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने और कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए उप्पल क्रिकेट स्टेडियम में अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। वीआईपी और दर्शकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न शाखाओं के समन्वय से विस्तृत बंदोबस्त किए जा रहे हैं, जिनमें कुल लगभग 2500 पुलिस कर्मियों को बंदोबस्त ड्यूटी में तैनात किया गया है। गेट नं. 1 केवल खिलाड़ियों और वीवीआईपी के लिए है, अन्य किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। दर्शकों को उनके टिकट के अनुसार निर्धारित गेटों से प्रवेश दिया जाएगा। किसी भी आपात स्थिति के लिए इवैक्यूएशन प्लान तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के अंदर और आसपास कुल 450 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं, जिनमें वाहन जांच बिंदु और पार्किंग क्षेत्र भी शामिल हैं, ताकि पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा सके। सभी सीसीटीवी फुटेज की निगरानी और तत्काल कार्रवाई के लिए संयुक्त कमांड एंड कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। एंटी-सैबोटेज चेक बीडी टीमों की सहायता से मैच पूरा होने तक लगातार जारी रहेंगे। त्वरित प्रतिक्रिया के लिए प्रत्येक सब-इंस्पेक्टर और उससे ऊपर के अधिकारियों को वीएचएफ सेट दिए गए हैं और एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

सीपी ने कहा कि स्टेडियम में लगाए गए स्कैनर पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को विस्फोटक या अन्य प्रतिबंधित सामग्री का पता लगाने में सक्षम करेंगे। स्टेडियम और पार्किंग स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बम निरोधक दस्ते और स्निफर डॉग्स को लगाया गया है। असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर निगरानी के लिए अलग टीमें तैनात की गई हैं। प्रत्येक गेट पर दर्शकों के मोबाइल फोन की जांच के लिए मोबाइल तकनीशियनों (5 से 8) की टीम तैनात की गई है। ऑक्टोपस और एनजीएस टीमों के साथ स्टेडियम के अंदर और आसपास अतिरिक्त बंदोबस्त किए गए हैं। माउंटेड पुलिस फोर्स को गेट नं. 1, 3, 4, 7 और 8 पर तैनात किया गया है। सीपी नेकहा कि दर्शकों को केवल वैध टिकट या पास दिखाने पर ही प्रवेश मिलेगा। टिकट केवल सॉफ्ट कॉपी में जारी किए गए हैं, जिनके क्यू आर कोड को मोबाइल फोन से स्कैन किया जाएगा। प्रत्येक क्यू आर कोड केवल एक बार मान्य होगा। फोटोकॉपी या स्कैन की गई प्रतियों की अनुमति नहीं होगी। स्टेडियम के अंदर और आसपास पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की आवाजाही की जांच के लिए अलग निगरानी टीमें स्थापित की गई हैं। गेट मैच से 3 घंटे पहले, यानी शाम 4:00 बजे से, दर्शकों के लिए खोल दिए जाएंगे। उप्पल क्रिकेट स्टेडियम में कुल 13 बाहरी गेट हैं, जिन पर विशेष बंदोबस्त किए गए हैं। भीड़ नियंत्रण के लिए पांच पेट्रोलिंग टीमें तैनात की गई हैं।

हैदराबाद में इस मौसम की सबसे ठंडी सुबह, तापमान 6.3 डिग्री तक गिरा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चल रही भीषण शीत लहर का असर शुक्रवार को हैदराबाद में साफ दिखाई दिया। शहर में इस मौसम की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। टीएसडीपीएस और स्थानीय मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, हैदराबाद विश्वविद्यालय, गच्चीबावली में तापमान गिरकर 6.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि मौला अली में यह 7.1 डिग्री सेल्सियस रहा। कड़ाके की ठंड की वजह से सुबह-सुबह शहर लगभग सुनसान दिखा। लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे थे। आमतौर पर ऑफिस जाने वाले, मॉर्निंग वॉक और जॉगिंग करने वाले लोग भी कम दिखाई दिए। ठंड इतनी तेज थी कि सुबह 9 बजे के बाद ही धूप निकलने पर माहौल थोड़ा सामान्य हो पाया।

शहर के अन्य हिस्सों में भी तापमान काफी नीचे रहा :

हैदराबाद विश्वविद्यालय (6.3), मौलाली (7.1), राजेंद्र नगर (7.7), शिवरामपल्ले (8.8), अलवाल (9.0), गच्चीबावली (9.1), बोलारम (9.3), वेस्ट मारेडपल्ली (10.1), कुतबुल्लापुर (10.2), जीडीमेटला (11.0), बेगमपेट (11.1), बीएचईएल (11.2), नेरेडमेट (11.2), पटनचेरु (11.4), बोइनपल्ली (11.6)।

कविता का बीआएस विधायक पर तीखा हमला, भेजा कानूनी नोटिस

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने शुक्रवार को कुकटपल्ली विधायक मधवराम कृष्णा राव पर करारा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि वे उनके बारे में झूठा और दुष्प्रचार फैला रहे हैं कि वह कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कविता ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि गंदी राजनीति करने वालों को सावधान हो जाना चाहिए। उन्होंने चुनौती दी कि यदि कृष्णा राव में हिम्मत है तो उनके सवालों का जवाब दें। कविता ने घोषणा की कि उनकी टिप्पणी पर वह उन्हें कानूनी नोटिस भेज रही हैं। उन्होंने कहा, अगर एक हफ्ते के भीतर माफी नहीं मांगी तो मैं उन्हें कोर्ट में घसीटूंगी। कविता ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने विवादास्पद एचआईएलटी पॉलिसी के लिए रास्ता खोला था। उन्होंने कहा कि इसे शुरू बीआरएस ने किया और अब कांग्रेस सरकार उसे लागू करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री के.टी. रामाराव के कार्यकाल में कई झीलों को निजी बिल्डरों को सौंपा गया, जिसमें उस्मान कुंटा भी शामिल है, जिसे प्रणीथ बिल्डर्स को दिया गया, जहां कृष्णा राव के बेटे को निदेशक बताया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह व्यक्तिगत रूप से कृष्णा राव पर निशाना नहीं साध रहीं, बल्कि उसके पीछे की चालाक लोमड़ी को छोड़ने का कोई मतलब नहीं है। कविता ने यह भी कहा कि उन्होंने बतुकम्मा समारोह आयोजित करने के लिए अपने आभूषण गिरवी रखे थे। भाजपा की आलोचना पर उन्होंने सवाल किया कि जब आरोप हरीश राव पर लगाए गए हैं तो भाजपा क्यों प्रतिक्रिया दे रही है? उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, जो लोग मुझे स्त्री समझकर कम आंकते हैं, उनकी खाल उधेड़ दूंगी। कविता ने यह भी पूछा कि क्या विधायक मधवराम कृष्णा राव और के.पी. विवेकानंद गौड़ गजुलारामाराम में भूमि अतिक्रमण के लिए जिम्मेदार हैं।

अफजलगंज में अतिक्रमण हटाने पर विवाद

दुकानदारों और जीएचएमसी में तनातनी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को अफजलगंज में उस समय तनाव फैल गया जब ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। उच्च न्यायालय के आदेश पर चलाए गए इस अभियान का स्थानीय दुकानदारों ने विरोध किया। उनका कहना था कि उन्हें पहले से कोई सूचना नहीं दी गई।

जब जीएचएमसी अधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और विध्वंस शुरू किया, तो माहौल गर्म हो गया।

दुकानदारों ने विरोध जताया और काम रोकने की मांग की। इसी दौरान एआईएमआईएम के समर्थक और स्थानीय पार्षद भी दुकानदारों के समर्थन में पहुंच गए और उन्होंने जेसीबी चालक से काम बंद करने को कहा। दुकानदारों और पुलिस के बीच बहस भी हुई।

जीएचएमसी के इंजीनियरिंग अधिकारी के अनुसार, विरोध के बावजूद अतिक्रमण हटाने का काम जारी रखा गया क्योंकि ये अवैध ढांचे पैदल यात्रियों की आवाजाही में बाधा बन रहे थे और जन सुरक्षा के लिए हटाना जरूरी था। पुलिस ने अंत में स्थिति पर नियंत्रण किया और अभियान पूरा कराया। जीएचएमसी का कहना है कि फुटपाथ पर फल बेचने वालों के कब्जे के कारण लोगों को रोजाना परेशानी हो रही थी।

दक्षिण मध्य रेलवे ने त्योहारों के मद्देनजर चलाईं विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्दियों और संक्रांति त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने कई विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन विशेष ट्रेनों से यात्रियों को विभिन्न प्रमुख गंतव्यों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। घोषणा के अनुसार, ट्रेन संख्या 07041 सिकंदराबाद-अनाकापल्ले 4, 11 और 18 जनवरी को चलेगी, जबकि 07042 अनाकापल्ले-सिकंदराबाद 5, 12 और 19 जनवरी को संचालित होगी।

ट्रेन संख्या 07075 हैदराबाद-गोरखपुर 9, 16 और 23 जनवरी को चलेगी और 07076 गोरखपुर-हैदराबाद 11, 18 और 25 जनवरी को चलेगी। इसके अलावा, ट्रेन संख्या 07274 मछलीपटनम-अजमेर 21 दिसंबर को तथा 07275 अजमेर - मछलीपटनम 28 दिसंबर को चलेगी।

इन विशेष ट्रेनों का ठहराव गुडीवाड़ा, विजयवाड़ा, खम्मम, दोर्नाकल, महबूबाबाद, वारंगल, जम्मीकुंटा, पेद्दापल्ली, करीमनगर, लिंगमपेट जगित्याल, मोर्टड, आर्मूर, निजामाबाद, बसर, धर्माबाद, मुदखेड, नांदेड़, पूर्णा, परभणी, मानवथ रोड, सेलु, पार्टूर, जालना, सी संभाजीनगर, लासूर, रोटेगांव, नागरसोल, मनमाड सहित कई स्टेशनों पर रहेगा। दोनों दिशाओं में भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर और नसीराबाद स्टेशनों पर भी ठहराव रहेगा। सभी विशेष ट्रेनों में 1एसी, 2एसी, 3एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास के कोच उपलब्ध रहेंगे।

राष्ट्रीय प्रगति की कुंजी है खेल : राव

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने शुक्रवार को जीएमसी बालयोगी इंडोर स्टेडियम में आयोजित 41वीं राष्ट्रीय सीनियर क्योगी चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में कहा कि भारत के विकास में खेलों की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। राव ने कहा कि एक समय था जब भारत एक कांस्य पदक के लिए भी संघर्ष करता था, लेकिन आज देश ओलंपिक स्तर पर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत रहा है, जो खेल क्षेत्र में हो रही प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार खेलों पर पूर्व-2014 अवधि की तुलना में 130 गुना अधिक खर्च कर रही है। 'खेलो इंडिया' और 'खेलो कुदो' जैसे कार्यक्रमों ने युवाओं की खेल क्षमता को निखारने और नई प्रतिभाओं को खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए राव ने कहा कि युवा विकास और खेल राष्ट्र-निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो व्यक्तित्व विकास, कौशल वृद्धि और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करते हैं। देश के विभिन्न राज्यों जैसे अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और अन्य हिस्सों से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए राव ने उन्हें हैदराबाद की मेजबानी का आनंद लेने और विश्वप्रसिद्ध हैदराबादी बिरयानी चखने का आग्रह किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, BALA ROSAIAH, HAV/NA GALLA SEKHAR, R/o: VILLAGE & POST: ANUMULA PALLI, TEHSIL: RACHERLA, DISTRICT : PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523368 have changed my name from BALA ROSAIAH to GALLA BALAROSAIAH and my Date of Birth is: 01/01/1950 vide affidavit dt.12/12/2025

I, JC 778590H, Sub, Sreenivasulu Penugondu, R/o. Dist: Prakasam, A P, changed my Mother's name from Sankarabai to Penugondu Sankarabai vide Affidavit No 282834 dt. 09.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Sangeeta, W/o, JC 778945H, Sub, Bavanale Jivan Mohanrao, R,/o, Dist: Latur, Maharashtra, changed my name from Sangeeta to Sangeeta Jivan Bevanale vide Affidavit No 20489 dt. 11.12.2025, before Judicial Magistrate FC, Nilanga.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अखंड 2 के टिकट दाम बढ़ाने की जानकारी नहीं थी : मंत्री

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म निर्माण मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा है कि 'अखंड 2' फिल्म के टिकटों की कीमतें उनकी जानकारी के बिना बढ़ा दी गईं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि वे वैश्विक शिखर सम्मेलन और स्थानीय निकाय चुनावों में व्यस्त थे, और इसी दौरान आदेश गलती से जारी हो गया। मंत्री रेड्डी के अनुसार, राज्य सरकार ने अदालत के फैसले के अनुरूप फिल्म टिकटों की कीमतें नहीं बढ़ाने का निर्णय लिया था। साथ ही, अदालत ने लाभार्थ शो पर भी रोक लगाई है, जिसका पालन किया जाएगा। एक स्थानीय समाचार चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि जब मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग फिल्में देखते हैं तो टिकट कीमतें बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने फिल्म उद्योग द्वारा करोड़ों रुपये कलाकारों को देने और फिर टिकट दाम बढ़ाने की कोशिश पर भी सवाल उठाए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि फिल्म उद्योग को टिकट कीमतें बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव नहीं बनाना चाहिए।

सरकारी स्कूलों को रामोजी फिल्म सिटी ले जाने की अनुमति

शिक्षकों ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कई वर्षों से शैक्षिक यात्राओं पर प्रतिबंध के बाद अब तेलंगाना सरकार ने सरकारी स्कूलों को छात्रों को रामोजी फिल्म सिटी (आरएफसी) ले जाने की अनुमति दे दी है। इसके लिए प्रति छात्र 1,000 रुपये का शुल्क तय किया गया है। यह फैसला अचानक होने के कारण सवालों के घेरे में आ गया है। गुरुवार को स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ.ई. नवीन निकोलस ने आदेश जारी किए कि आरएफसी सरकारी स्कूलों के छात्रों को 1,000 रुपये प्रति छात्र की रियायती दर पर शैक्षिक और मनोरंजक यात्रा की सुविधा देगा। इस निर्णय पर हैरानी इसलिए जताई जा रही है क्योंकि हाल ही में शिक्षा विभाग ने स्कूलों को निर्देश दिया था कि वे छात्रों को बाहर न ले जाएं, क्योंकि कुछ छात्रों की किताबें लेने के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। 2014 में ब्यास नदी त्रासदी के बाद भी शैक्षिक दौरों पर रोक जारी थी।

प्रधानाध्यापकों का कहना है कि वे कई बार अन्य शैक्षिक जगहों (जैसे संग्रहालय, चिड़ियाघर आदि) के लिए अनुमति मांगते रहे, लेकिन विभाग ने अनुमति नहीं दी। ऐसे में फिल्म सिटी को अचानक विशेष अनुमति दे देना कई सवाल खड़े करता है। एक प्रधानाध्यापक ने कहा, फील्ड विजिट और पिकनिक छात्रों के सीखने का हिस्सा हैं, पर हमें अनुमति नहीं मिलती। अब एक निजी फिल्म सिटी को ही अनुमति क्यों दी गई, यह समझ नहीं आता। आरएफसी पैकेज में स्टूडियो टूर, एक्शन थिएटर, यूरेका, फंदुस्तान, लाइव शो, थीम सेट, गार्डन, बैकलॉट आदि शामिल हैं। सभी छात्रों को मुफ्त शाकाहारी भोजन दिया जाएगा। स्कूल के प्रधानाध्यापक और प्रत्येक 15 छात्रों पर एक शिक्षक को मुफ्त पास भी मिलेगा। निर्देशक ने स्पष्ट किया कि 21 दिसंबर से 2 जनवरी 2026 के बीच कोई स्कूल आरएफसी नहीं जा सकेगा। स्कूल से फिल्म सिटी तक आने-जाने का खर्च स्कूल को ही उठाना होगा।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 13 दिसंबर - 2025

बिल के दुरुपयोग की आशंका

कर्नाटक विधानसभा में बहुप्रतीक्षित हेट स्पीच और हेट क्राइम के खिलाफ कड़े प्रावधानों वाला बिल पेश किया गया है। इसका उद्देश्य समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयानों और अपराधों को नियंत्रित करना है, लेकिन इसके साथ ही इसके दुरुपयोग की आशंका भी जताई जा रही है, जो और भी खतरनाक हो सकती है। अक्सर आए दिन कई ऐसे विवादास्पद बयान आते रहते हैं, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसे देखते हुए ऐसे कानून जरूरी लगते हैं, लेकिन इसके साथ ही इस बात की चिंता है कि कहीं इसका दुरुपयोग न किया जाने लगे, जो और भी भयावह होगा। बिल के प्रावधान बेहद कड़े बनाए गए हैं। पहली गलती पर एक से 7 साल की सजा और दोबारा गलती होने पर 2 से 10 साल की सजा मिल सकती है। साथ में, जुर्माना का प्रावधान अलग से किया गया है। विधेयक में हेट क्राइम और हेट स्पीच को विस्तृत रूप से परिभाषित किया गया है और इसका दायरा बहुत बड़ा है, जिसमें सार्वजनिक बयानबाजी से लेकर ऑनलाइन निगरानी तक पर बारीक नजर रखे जाने का प्रस्ताव शामिल है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नफरत फैलाने वाले बयान और कृत्य इस समय की एक बड़ी परेशानी बन चुकी हैं, जिनसे कई बार कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी हो जाती है। सामाजिक सद्भाव को चोट पहुंचती है अलग से। सुप्रीम कोर्ट भी कई मौकों पर इस बारे में चिंता जता चुका है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने हेट क्राइम की निंदा करते हुए कहा था कि नागरिकों की जान की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है। उसी साल तहसीन पूनावाला जजमेंट आया, जिसमें राज्यों के लिए कई दिशा-निर्देश दिए गए थे। लेकिन, आज सवाल है कि जब इतना कड़ा कानून आता है, तो उसके दुरुपयोग की आशंका भी बढ़ जाती है। भले ही बिल में अपराध की विस्तृत व्याख्या की गई हो, लेकिन असल चुनौती है इसे लागू करने में। कौन-सी बात नफरत फैलाने वाली है और कहां आलोचना की गई है - इसमें समझ का थोड़ा भी अंतर बड़ा टकराव पैदा करने की कूवत रखता है। इसी तरह, असहमति के अधिकार को भी सुरक्षित रखने की जरूरत है। वर्ना तो सब ठकुरसुहाती ही बतलाते फिरेंगे। बिल में सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लैटफॉर्म को भी शामिल किया गया है। इंटरनेट पर जिस तेजी से दुष्प्रचार और वैमनस्य बढ़ाने वाले कंटेंट गढ़े जा रहे हैं, उसे देखते हुए बिल हर हाल में उपयोगी हो सकता है, लेकिन यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आड़े नहीं आना चाहिए। बिल को लेकर कई आशंकाएं और राजनीतिक विरोध है। ऐसी आशंका जाहिर करते हुए कर्नाटक बीजेपी का आरोप है कि यह बिल खास समूह को निशाना बनाने के लिए लाया जा रहा है। ऐसे में इस तरह का इंतजाम और निगरानी हो कि यह बिल किसी से बदला लेने के लिए नहीं, बल्कि शांति कायम करने का टूल बने। यदि ऐसा नहीं हुआ तो हो सकता है कि इस बिल से अराजकता को ही बढ़ावा मिले।

सरकार गिराने का और क्या खेल हो सकता है?

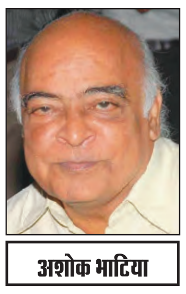

अशोक भाटिया

भारत में कई राजनीतिक दल, खासकर क्षेत्रीय दल, अपनी वोट बैंक रणनीति के लिए जातीय समीकरणों पर निर्भर रहते हैं। राज्यों में विधानसभा से लेकर मुखिया चुनाव तक में जातिगत समीकरणों के आधार पर टिकटों का बंटवारा किया जाता है। यह बात सर्वविदित है कि जातीय ध्रुवीकरण सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाता है और लंबे समय में अस्थिरता पैदा कर सकता है।ऐसे में शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी में संदेश है कि राजनीतिक दलों को दलगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना जरूरी है। यह बात गौर करने वाली है कि जातीय आधार पर वोट मांगने से समाज में विभाजन बढ़ता है, जो सामाजिक समरसता के लिए खतरा है।

ऐसा अक्सर देखने में आता है कि कई दल जातीय गणित के आधार पर टिकट वितरण, प्रचार, और नीतियां बनाते हैं। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इशारा करती है कि यह रणनीति न केवल समाज के लिए हानिकारक है, बल्कि दीर्घकाल में दलों की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा सकती है। इसका एक संदेश यह भी है कि राजनीतिक दलों को जाति आधारित रणनीति के बजाय योग्यता, विकास, और समग्र सामाजिक कल्याण पर आधारित रणनीति अपनानी चाहिए। जाति की राजनीति लोकतंत्र के लिए रक्षक है या रक्षक, इस पर अक्सर बहस होती रहती है कि संसदीय लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखनी है तो इस तरह के खेल खेलना ठीक नहीं है। जो लोग कहते हैं कि हम विकास की राजनीति कर रहे हैं, वो इस खेल में डूबे हुए हैं, एक बार आदत पड़ गई तो आप इससे छुटकारा नहीं पा सकते हैं। चुनावी राजनीति सफल होनी है तो सब कुछ माफ किया जा सकता है। लेकिन जो खेल शुरू किया गया था, उसे पूरा नहीं किया जाना चाहिए। इसका ताजा उदाहरण महायुति सरकार द्वारा चुनाव से पहले घोषित विभिन्न जातियों के आर्थिक विकास निगम हैं। हालांकि उन्होंने बहुत चतुराई से अपना समय लिया है, लेकिन जातिगत तुष्टिकरण की यह राजनीति कई नए सवालों को जन्म देती है।

इन नए निगमों की क्या आवश्यकता थी जब राज्य पहले से ही असंख्य निगमों से भरा हुआ था और उनमें से पचास पूरी तरह से जर्जर थे? इसके जवाब में सत्तारूढ़ दल के विधायकों ने बुधवार को विधानसभा में दिखाया कि वे कंपनियों के रूप में पंजीकृत होंगे, भले ही उनके नाम में 'निगम' शब्द हो, और उन्हें उसी के अनुसार चलाया जाएगा। चर्चा में भाग लेने वाले सभी विधायकों ने कहा कि खूब दान करने वाले दादा ओबीसी के इन निगमों को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हैं। जब तीन दलों का गठबंधन होता है तो ऐसे बर्तन टकराते रहते हैं, इसलिए इस बात को एक पल के लिए नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन जातियों के उत्थान के लिए बने इन मंडलों का क्या?क्या वह धन की कमी के कारण केवल कागज के घोड़ों पर नृत्य करेगी?ओबीसी श्रेणी के मामले में, जो महागठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा का वोट बैंक है, लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चला कि वह उनसे हार गई है, भाजपा हमेशा जातीय समीकरणों के छोटे वर्गों पर सचेत रूप से ध्यान देती रही है। कुनबी, माली आदि बड़ी जातियां हैं, लेकिन इन निगमों को इस बात को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया था कि अगर उन्हें एक ही श्रेणी में सैकड़ों लेकिन कम आबादी वाली छोटी जातियों के करीब लाया जाए तो यह अधिक फायदेमंद होगा। यह मॉडल चुनावी सफलता के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन अब क्या? क्या इन निगमों को अपने हाल पर रखने के लिए मरना नहीं है? एक साल पहले, सरकार ने घोषणा की थी कि उद्योगों और व्यवसायों के लिए ऋण के वितरण के लिए प्रत्येक निगम को 50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, और सरकार इस पर ब्याज का भुगतान करेगी। वास्तव में, इनमें से केवल चार से पांच निगमों ने ऋण वितरण की प्रक्रिया शुरू की और 29,000 लाभार्थियों को केवल 4 करोड़ रुपये वितरित किए गए। न तो लाभार्थी निर्धारित किया गया था। सरकार ने घोषणा के समय यह भी तय किया था कि इन प्रतिष्ठानों को कैसे शासित किया जाएगा। दरअसल, इनमें से हर एक निगम अतिरिक्त प्रभार रखने वाले अधिकारियों के बल पर कागजों पर चल रहा है। कोई कार्यालय नहीं है, कोई कर्मचारी नहीं है। जिस ओबीसी निगम की संरक्षकता में ये मंडल काम कर रहे हैं, उसके राज्य भर में कार्यालय नहीं हैं। इससे पता चलता है कि कैसे वोट पाने का खेल आधा ही रह गया है। अब जब यह सब गड़बड़ सामने आती है तो सरकार कह रही है कि वह सभी को फंड देगी और हर निगम में एक ही जाति के तीन गैर-सरकारी सदस्यों को नियुक्त करेगी, लेकिन कोई गारंटी नहीं दे सकता कि वह दिन वास्तव में कब आएगा।आम चुनाव से पहले सरकार ने घोषणा की थी कि वह हर जाति के संत के नाम पर पुरस्कार देगी, पुरस्कार तो दूर की बात है, अब समय आ गया है कि इन छोटे जाति समूहों को यह कहे कि उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण के लिए आवश्यक वित्तपोषण पर ध्यान देना चाहिए, पुरस्कार की तो बात ही छोड़ दें। एक तरफ पार्टी को न्यूनतम शासन और अधिकतम जनकल्याण के आकर्षक नारे लगाने चाहिए और दूसरी तरफ वही प्रशासन वोट के लिए जोखिम बढ़ाने की नीति क्या है? यह जानते हुए कि निगम का यह खेल खतरनाक था, यह जानबूझकर खेला गया था। अब अजीत दादा को दोष देना कितना सही है कि उन्होंने देखते ही फंड नहीं दिया? इन सभी निगमों के पदेन अध्यक्ष अतुल सावे बहुजन कल्याण मंत्री हैं। पिछले एक साल से वे क्या कर रहे हैं? धन प्राप्त करने के लिए उन्होंने क्या प्रयास किए? बेशक, जवाब कभी नहीं मिलेंगे, लेकिन इस मौके पर सरकार को जो प्यार मिला है, उसका क्या? राजनीतिक सफलता किसी न किसी तरह से शासन करके हासिल की जा सकती है, लेकिन इससे पैदा होने वाली प्रशासनिक अराजकता का क्या?सारथी, महाज्योति और बार्टी जैसे संस्थान पहले ही मराठों, सभी ओबीसी और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए शुरू किए जा चुके हैं, जिन्हें शुरू में स्वायत्त निकायों के रूप में जाना जाता था, जिन्हें धीरे-धीरे सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया था। सामाजिक समरसता की गड़बड़ भी उतनी ही गंभीर है। इससे ज्ञान सीखे बिना, इस नए निगम के घोड़ों को आगे बढ़ा दिया गया। अगर सरकार की आर्थिक स्थिति अच्छी होती तो अलग-अलग जातियों के कल्याण के इस प्रयोग को हल्के में लिया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं है। सरकार ने इसी सत्र में घोषणा की है कि वह राजनीतिक लाभ के कारण बहनों का मानदेय जरूर बढ़ाएगी। जब यह हल्ला मच रहा है कि वे इन नस्लों को धन के वादे पर लटकाकर रखेंगे, तो क्या वे थोड़े से पैसे देकर फुसफुसाते रहेंगे? अगर यह खतरनाक खेल राज्य को गिराने वाला नहीं है, तो और क्या?

डिजिटल अरेस्ट से लाखों परिवारों के जीवन में अंधेरा

मनोज कुमार अग्रवाल

लाखों लोगों व परिवारों के जीवन भर की कमाई को डिजिटल अरेस्ट के जरिए लूट कर उनके जीवन में अंधेरा कर दिया गया। यह कैसी विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, की साल से यह सिलसिला जारी है तब सरकार और जिम्मेदार सिस्टम की नींद खुली है और अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। वह भी सरकार के बजाय शीर्ष अदालत की पहल पर।

इन दिनों देश में डिजिटल अरेस्ट के कई मामले लगातार सामने आ रहे हैं. सरकार के तमाम प्रयास के बावजूद डिजिटल अरेस्ट के कारण बुजुर्गों बड़ी संख्या में ठगी का शिकार हो रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल अरेस्ट मामलों पर सुनवाई करते हुए सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि इस मामले में अदालत जरूरी निर्देश जारी करेगी. न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि हर हैरानी की बात है कि देश में पीड़ितों से लगभग 3000 करोड़ रुपये डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगे जा चुके हैं. यह सब हमारे देश में ही हो रहा है. अगर हम इस मामले में ठोस और सख्त आदेश नहीं देंगे तो समस्या और गंभीर हो जाएगी.

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन-देन को गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार, कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों-टुकड़ों में जांच सीमा पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले- भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी पुलिस और जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें ब्लेकमेल और आतंकित करते हैं।हालांकि अदालत ने कहा कि इस मामले से निपटने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी हो गया है. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने एक अलग यूनिट की स्थापना की है और इस मामले से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बनाया जा रहा है. साथ ही डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए कई अन्य कदम उठाए गए हैं. डिजिटल अरेस्ट को लेकर हुई सुनवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और सीबीआई ने सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट सौंपी. केंद्र सरकार की ओर से पेश दलील के सुनने के बाद अदालत ने कहा कि मामला काफी गंभीर है और इस मामले में अदालत उचित आदेश पारित करेगी. मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी. गौरतलब है कि एक वरिष्ठ नागरिक दंपति ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के पत्र लिखकर बताया था कि 1 से 16 सितंबर के बीच उनसे 1.5 करोड़ रुपए की ठगी सीबीआई, इंटेलिजेंस ब्यूरो तो कभी न्यायपालिका के अधिकारी बनकर की गयी. धोखेबाजों ने फोन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपर्क किया और गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे वसूलने का काम किया. इतना ही नहीं उन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाए. मामला सामने आने के बाद अंबाला में दो एफआईआर दर्ज की गयी. जांच में पाया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने के लिए संगठित गिरोह काम कर रहा है. अदालत ने 17 अक्टूबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई शुरू की और केंद्र सरकार और सीबीआई से जवाब देने को कहा. अदालत ने इस मामले में अटार्नी जनरल से भी सुझाव लेने का आदेश दिया. उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये कीठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं।तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच का अधिकार भी दिया गया। इसके अलावा दूरसंचार विभाग को भी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिये कहा गया है। निश्चित रूप से कोर्ट की सार्थक पहल के बाद यदि ये सभी उपाय सिरे चढ़ते हैं तो इस गंभीर अपराध के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दे पाना संभव होगा। कोर्ट ने विश्वास जताया है कि केंद्रीय एजेंसी बिना किसी भय या पक्षपात के जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी। इसमें राज्य सरकारों की सक्रियता व सजगता भी सीबीआई को अपराध की तह तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी जरूरी है कि एजेंसी की कार्रवाई में लालफीताशाही और राजनीतिक हस्तक्षेप न हो। इसके साथ ही नागरिकों को भी ऐसे अपराधों के प्रति सजग रहना होगा। जागरूकता सतर्कता उन्हें अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचा सकती है। ऐसी किसी कॉल के आने पर उन्हें रुककर विचार करना चाहिए और हड़बड़ी में बैंक से जुड़ी कोई जानकारी देने से बचना चाहिए।

नेपाल ने फिर छेड़ा काली का राग

जयसिंह रावत

नेपाल ने लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और काला पानी को दर्शाने वाले मानचित्र के साथ अपना 100 रुपये का नया करेंसी नोट जारी कर भारत के साथ दो सदी से भी पुराने सीमा विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है। मई 2020 में के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने भी एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी किया जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को नेपाल का क्षेत्र दिखाया गया था। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच नयी दिल्ली में गत 18 अगस्त को हुयी वार्ता में आपसी व्यापार के लिये जिन तीन नये रास्ते खोलने पर सहमति बनी है उनमें से एक लिपुलेख भी है जिस पर नेपाल ने आपत्ति जताई है। जिस कूटी यांग्ती नदी को नेपाल काली बता रहा है, वह पश्चिम से पूरब की ओर बहती है जिसमें दो किनारों की विभाजक दिशाएं पूरब पश्चिम नहीं बल्कि उत्तर -दक्षिण हैं। इस कूटी घाटी के निचले आबादी वाले क्षेत्र में नदी के दोनों ओर भारत और नेपाल के गांव हैं जबकि भारत जिस नदी को काली मानता है वह उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है। इसलिये संधि के हिसाब से पूरब में नेपाल के दार्चुला जिले के छांगरू, दिलीगाड़, तिंकर और कौआ गांव हैं, जबकि पश्चिम में भारत की गुंजी, नपलच्यू, रौंगकौंग, नाबी, कूटी, गब्यांग और बुदी ग्राम सभाएं हैं। उत्तराखण्ड में मुख्य सचिव और मुख्य सूचना आयुक्त रह चुके नृपसिंह नपलच्याल का गांव इसी क्षेत्र के नपलच्यू में है। गुंजी, नाभी और कूटी के एक दर्जन से अधिक आइएएस, आइपीएस, पीपीएस और पीसीएस अधिकारी उत्तराखण्ड और भारत सरकार की सेवा में हैं।

यह विवाद नया नहीं है जिसे नेपाल पिछले 208 सालों से यदाकदा उठाता रहा हैं। भारत जिस नदी को काली नदी मानता है, नेपाल उसकी जगह कूटी यांग्ती को असली काली नदी बताता है। ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच 2 दिसम्बर 1815 को सम्पन्न हुयी सुगोली की संधि में काली नदी को ही भारत और नेपाल के बीच विभाजन रेखा माना गया है। नेपाल की नवीनतम आपत्ति इस बात को लेकर है कि दोनों देशों ने लिपुलेख से व्यापार खोलने पर संधि कर ली जबकि काली नदी की उसकी अपनी परिभाषा के अनुसार यह क्षेत्र नेपाल का भू भाग है। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच हुयी सहमति के परिणाम स्वरूप भारत की ओर से लिपुलेख, शिप्की लॉ और नाथू लॉ से प्राचीन व्यापारिक मार्ग खुलने हैं। लेकिन इस सहमति के बाद नेपाल ने अड़ंगा खड़ा करने के लिये एक बाद फिर नये नोट पर विवादित मानचित्र छाप कर पुराने विवाद को हवा दे दी। भारत के लिये लिपुलेख दर्रा आर्थिक, सामरिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त महत्व का है। यहीं से चीन के साथ व्यापार शुरू होने के साथ ही यही कैलाश मानसरोवर का रास्ता भी है। यही वह दर्रा है जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सबसे मजबूत मोर्चा साबित हुआ था। इसलिये तभी से यहां पर भारत की सुरक्षा चौकियां स्थापित हैं। हालांकि नेपाल का यह सपना कभी साकार होने वाला नहीं है फिर भी नेपाल में भारत विरोधी तत्व सदैव काली नदी के विवाद को दोनों देशों के बीच तनातनी का मुद्दा बनाये रखेंगे। चीन भी ऐसे तत्वों को हवा देता रहेगा। सुगोली में 2 दिसम्बर 1815 को नेपाल के महाराजा विक्रमशाह बहादुर शमशेर जंग के प्रतिनिधि राजगुरू गजराज मिश्र और चन्द्रशेखर उपाध्याय तथा कंपनी की ओर से ले0 कर्नल ब्रैडशॉ ने जिस संधि पर हस्ताक्षर किये थे, उसमें सतलज से लेकर घाघरा और मेची के बीच का सारा भूभाग अंग्रेजों के अधीन मान लिया गया था। नेपाल इस संधि को तो मानता है, लेकिन वह कालापानी से 16 किमी दूर लिम्पिया धुरा से निकलने वाली उस नदी को काली नदी मानता है जिसे भारत कूटी यांग्ती मानता रहा हैं। अगर नेपाल का दावा मान लिया जाय तो न केवल लिपुलेख दर्रा और कालापानी अपितु उत्तराखण्ड राज्य के पिथौरागढ़ जिले की 7 ग्राम सभाएं भी नेपाल में चली जाती हैं। सुगोली की संधि की धारा 5 में साफ लिखा गया है कि काली नदी के पश्चिम वाला हिस्सा ईस्ट इंडिया कंपनी का अधिक्षेत्र होगा और उस क्षेत्र पर तथा क्षेत्र वासियों पर नेपाल का राजा या उसके उत्तराधिकारी कभी दावा नहीं करेंगे। इन दोनों जलधाराओं का गुंजी के निकट मनीला में संगम होता है। तवाघाट में काली नदी में धौली, जौलजीवी में गोरी, पीपली में चरमा और पंचेश्वर में सरयू नदियां मिलती हैं। टनकपुर से काली नदी शरदा और लखीमपुर से घाघरा हो जाती है।

दरअसल सुगोली की संधि के बाद से ही नेपाल अग्रेजों से ही काली नदी को लेकर विवाद करने लग गया। कारण यह कि संधि के समय उस क्षेत्र का कोई नक्शा ही नहीं था। वह क्षेत्र इतना दुर्गम था कि उस समय के शासकों के लिये उससे राजस्व की कोई उम्मीद ही नहीं थी। हिमालयन गजेटियर (सन 1884: वाल्यूम-2 पार्ट-2: 679-680) में ई.टी. एटकिन्सन लिखता है कि संधि के अनुसार टौंस से शारदा तक पूरा क्षेत्र ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण में आ गया, मगर उत्तर में केवल एक छोटे तथा महत्वहीन क्षेत्र पर विवाद बना रहा। इसके साथ ही संधि के अनुसार ब्यांस परगना के दो हिस्से हो गये थे, जबकि अब तक वह कुमाऊं का अभिन्न हिस्सा था। वैसे भी यह जुमला और डोटी से अलग क्षेत्र था। नेपाल ने कुमांऊ के कमिश्नर और नेपाल के रेजिडेंट ई0 गार्डनर को 4 फरवरी 1817 को परगना ब्यांस में काली के पूर्व में पड़ने वाले तिंकर और छांगरू गावों पर अपना दावा पेश करते हुये पत्र लिखा तो वे सचमुच काली नदी के पूरब में थे, इसलिये उन्हें डोटी के तत्कालीन सूबेदार बमशाह के अधिकार में दे दिया गया।

जामताड़ा अब इतिहास : साइबर ठगी का नया अड्डा आपके आसपास

आरके जैन

साइबर अपराध अब किसी शहर या जिले तक सीमित नहीं रहा। कभी झारखंड का जामताड़ा साइबर ठगी का पर्याय बन चुका था। वहां से निकलने वाली फिशिंग कॉल्स, फर्जी निवेश योजनाओं और बैंक डिटेल्स चुराने के मामलों की खबरें पूरे देश में चर्चा का विषय बनती थीं। लेकिन आज यह खतरा केवल बड़े शहरों या साइबर हब तक सीमित नहीं रहा। ग्रामीण भारत में भी इसका दायरा तेजी से बढ़ गया है। हाल ही में मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के छोटे से घटवा गांव से दो युवकों की गिरफ्तारी ने यह सच फिर साबित कर दिया कि साइबर ठगी अब शहरों और बड़े कस्बों तक सीमित नहीं है। दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए ये युवक कथित रूप से बड़े साइबर फ्रॉड नेटवर्क का हिस्सा थे। यह घटना न केवल स्थानीय स्तर पर चिंता का विषय है, बल्कि पूरे देश में साइबर अपराध के विकेंद्रीकरण का भी संकेत देती है।

जामताड़ा, जो कभी साइबर फ्रॉड का हब माना जाता था, अब पांचवें स्थान पर खिसक चुका है। पहले यहां युवा लोगों को लुभाकर बैंक डिटेल्स मांगते, फर्जी निवेश योजनाओं या लॉटरी जीत का झांसा देकर ठगते थे। लेकिन अब यह प्रवृत्ति बदल गई है। उत्तरी भारत के छोटे कस्बे और जिले, जैसे हरियाणा का मेवात, राजस्थान के भारतपुर और मथुरा, बिहार के गोपालगंज, झारखंड के देवघर और धनबाद, अब साइबर ठगी के नए हब बन गए हैं। यहां तक कि आईटी और कॉरपोरेट हब गुरुग्राम में भी यह अपराध तेजी से फैल रहा है।

ये नए हब जामताड़ा मॉडल की तरह काम करते हैं। युवा समूह बनाकर, फर्जी ऐप्स, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को लुभाते हैं। कई बार वे गरीबी और बेरोजगारी का फायदा उठाकर युवाओं को ठगी के नेटवर्क में शामिल कर लेते हैं। देवघर जिले में फर्जी कॉल सेंटर्स की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है और यह जामताड़ा को पीछे छोड़ चुका है। अब ग्रामीण क्षेत्र भी इस जाल में फंस रहे हैं, जहां कई लोग अपने स्मार्टफोन और इंटरनेट का उपयोग करके आसानी से अपराध में शामिल हो जाते हैं।ग्रामीण भारत में साइबर ठगी का चेहरा अब पूरी तरह बदल चुका है। मप्र के बड़वानी जिले के घटवा गांव की हालिया घटना ग्रामीण भारत में साइबर ठगी के बदलते चेहरे का ताजा उदाहरण है। यह गांव ठीकरी तहसील में स्थित है, जो सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में आता है। यहां के दो युवकों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया, जो कथित रूप से साइबर फ्रॉड नेटवर्क में शामिल थे। इनके अपराध केवल स्थानीय नहीं थे; इनके झांसे में आए पीड़ितों का प्रभाव दिल्ली और अन्य बड़े शहरों तक फैला था। मध्यप्रदेश में 2021 से 2025 तक साइबर ठगी के मामलों का आंकड़ा 1,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, जबकि रिकवरी रेट केवल 0.2% है। बड़वानी जिले में हाल ही में 82,000 रुपये की ठगी का मामला सामने आया था, जिसमें ठग ने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर पीड़ित को डराया। साइबर ठगी अब शहरों से बाहर निकलकर गांवों में भी फैल चुकी है। ग्रामीण युवा स्मार्टफोन और इंटरनेट के जरिए इसमें आसानी से शामिल हो रहे हैं, लेकिन कानूनी जागरूकता की कमी उन्हें गंभीर जोखिम में डाल रही है। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई में यह भी सामने आया कि कई नेटवर्क विदेशों तक फैले हुए हैं, जैसे म्यांमार, जहां युवाओं को फ्रॉड नेटवर्क में ट्रैफिक किया जा रहा है।

डिजिटल इंडिया की सफलता ने इंटरनेट को हर कोने तक पहुंचा दिया, लेकिन साइबर सुरक्षा शिक्षा पीछे रह गई। ई-कॉमर्स, डिजिटल वॉलेट्स और क्रिप्टो जैसी नई तकनीक ने ठगों को नए अवसर दिए। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में साइबर क्राइम में 31.2% की वृद्धि हुई। बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में 17,000 से अधिक मामले दर्ज हुए, लेकिन छोटे कस्बे जैसे भरतपुर और नूह अब शीर्ष स्थान पर हैं।

साइबर ठगी के प्रभाव अब केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहे। लाखों लोग अपनी मेहनत की कमाई खो रहे हैं, उनके सपने, भविष यऔर आर्थिक सुरक्ष ाखतरे में हैं। नए स्कैम्स, जैसे 'डिजिटल अरेस्ट', अब लोगों को घर पर 'अरेस्ट' दिखाकर डराने की तकनीक इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे मानसिक तनाव और सामाजिक कलंक बढ़ रहा है। यह केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं है, बल्कि समाज और देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना पर भी गंभीर असर डाल रहा है। समाधान की दिशा में पुलिस सक्रिय हो रही है।

भीड़ तंत्र का उदय और सामाजिक शांति को खतरा

संजीव ठाकुर

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है जहाँ लोकतंत्र की नींव भीड़ की सनक और भीड़ के न्याय के बोझ से चरमराने लगी है, राज्य और समाज के बीच की वह महीन रेखा जिसे कानून और नैतिकता सँभालते थे, धीरे-धीरे धुंधली पड़ रही है, और भीड़ का उग्र निर्णय-जिसमें न विधि का लेखा है, न तर्क का आधार सामाजिक शांति के लिए भयावह खतरा बन चुका है। देश के कई राज्य हिंसा, राजनीतिक स्पर्धा और सामूहिक उन्माद की ज्वालाओं में झुलस रहे हैं, कहीं चुनावी वर्चस्व की लड़ाई है, कहीं जातीय विभाजन, कहीं सांप्रदायिक तनाव और कहीं राजनीतिक संरक्षण में उभरता उन्माद; इन सबके बीच मानवता की आवाज़ कराहते हुए सुनाई देती है। मणिपुर और पश्चिम बंगाल की घटनाओं ने यह विश्वास कमजोर कर दिया है कि जब मंत्रियों के घरों पर आगजनी हो सकती है, तब आम नागरिक की सुरक्षा और गरिमा का क्या मूल्य रह जाता है, राज्य सरकारें कई बार हाथ पर हाथ धरे खड़ी दिखती हैं और केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ता है, परंतु तब तक आग के विस्तार को रोकना कठिन हो चुका होता है। यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने के विघटन का संकेत है क्योंकि जिस न्याय का अधिकार राज्य की कार्यपालिका और न्यायपालिका को था, वह आज भीड़ के हाथों में चला गया है, जिससे राज्य की संप्रभुता पर सीधा आघात होता है। यह सार्वभौमिक सत्य है कि भीड़ स्वतः उत्पन्न नहीं होती; उसे राजनीति, सत्ता, असंतोष और दुर्भावनापूर्ण प्रचार मिलकर जन्म देते हैं, और वही भीड़ एक क्षण में नायक गढ़ती है और अगले ही क्षण उसी नायक की बलि ले लेती है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की न अपनी पहचान होती है, न मूल्य; फ्रांस के रोबेस्पीयर जैसी कड़वी मिसालें बताती हैं कि भीड़ जिसको सिर पर उठाती है, उसी को गिराने में भी देर नहीं लगाती। सिगमंड फ्रायड का कथन आज सत्य प्रतीत होता है कि भीड़ में व्यक्ति अपनी चेतना, विवेक और संस्कार खोकर आदिम प्रवृत्तियों की ओर लौट जाता है, जहाँ न धर्म बचता है, न तर्क, न नैतिकता-सिर्फ उत्तेजना रहती है और उसका परिणाम हिंसा होता है। आज का उपभोक्तावादी समाज 'हम' की जगह 'मैं' के इर्द-गिर्द घूमने लगा है; सहयोग, सहिष्णुता और सामुदायिक भावनाएँ क्षीण हो रही हैं, व्यक्ति-केंद्रित विकास ने समाज के एक बड़े वर्ग को पीछे धकेल दिया है। वैश्वीकरण के असंतुलित स्वरूप ने साधनों का केंद्रीकरण बढ़ाया है; भारत में 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति और 1% के पास 70% पूंजी है, जो सामाजिक तनाव, अविश्वास और क्रांति जैसी परिस्थितियों को जन्म देती है। शिक्षा व्यवस्था भीड़ तंत्र को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दे रही है; डिग्रियाँ बढ़ीं हैं, पर रोजगार घटा है, जिससे युवा कुंठा और निराशा में डूबकर किसी भी क्षुद्र घटना को सामूहिक उन्माद में बदलने लगते हैं और यही कुंठा माब लिंचिंग का ईंधन बन जाती है। न्याय व्यवस्था में विलंब भीड़ को और उन्मादित करता है, क्योंकि जब हत्यारे और बलात्कारी को सजा तब मिलती है जब वह बूढ़ा हो चुका होता है, तो नागरिक का भरोसा न्याय पर नहीं, बल्कि त्वरित प्रतिशोध पर टिकने लगता है, और यही मानसिकता भीड़ को कानून से बड़ा बना देती है। धर्म की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आज ऐसे स्तर पर पहुँच गया है जहाँ खान-पान, पहनावे और परंपराओं के नाम पर लोगों को निशाना बनाया जा रहा है; अफवाहें, व्हाट्सऐप संदेश, फर्जी वीडियो और राजनीतिक एजेंडा किसी भी निर्दोष जीवन को निगल लेते हैं, जिससे राष्ट्र की छवि धूमिल होती है।

सोशल मीडिया आधुनिक भीड़ का सबसे तेज और सबसे खतरनाक हथियार बन गया है; फर्जी खबरें और भड़काऊ पोस्ट कुछ ही मिनटों में भीड़ खड़ी कर देती हैं, चौथा स्तंभ माना जाने वाला मीडिया भी कई बार निष्पक्षता छोड़ राजनीतिक और धार्मिक झुकाव के साथ काम करता है, जिससे समाज में भ्रम और विभाजन गहराता है और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग विकास की जगह विनाश की ओर मुड़ जाता है।

दिसंबर में हर शनिवार करें तेल का छोटा काम शनिदेव की कृपा से नया साल होगा खुशनुमा

पौष माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को इस बार शनिवार का दिन और तारीख 13 दिसंबर है. शनिवार को शनिदेव की आराधना अत्यंत प्रभावी मानी गई है. शनि मानव जीवन में कर्म, संघर्ष, न्याय और स्थिरता का कारक हैं और इसकी शांति मनुष्य के जीवन की कठिनाइयों को हल्का करती है. शनि को कर्मफल दाता भी कहा गया है. इसलिए शनि की प्रसन्नता से जीवन की रुकावटें, धन-संबंधी अड़चनें और बाधाएं कम होती हैं. शनिवार के दिन आयुष्मान योग और सौभाग्य योग भी बन रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है. ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव की पूजा का लाभ बताने के साथ-साथ कुछ विशेष उपाय भी बताए गए हैं. इन उपायों के करने से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभाव में कमी आती है।

शनिवार पंचांग 2025 - द्रिक पंचांग के अनुसार, शनिवार के दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 55 मिनट से शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 36 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय सुबह 9 बजकर 40 मिनट से शुरू होकर 10 बजकर 58 मिनट तक रहेगा. इस तिथि पर कोई विशेष पर्व नहीं है, लेकिन वार के हिसाब से शनिवार का व्रत रख सकते हैं. शनिवार के दिन नवमी तिथि की शाम 4 बजकर 37 मिनट तक रहेगी. इसके बाद दशमी तिथि शुरू हो जाएगी. इस दिन सूर्य वृश्चिक राशि में और चंद्रमा कन्या राशि में रहेंगे।

शनिदेव को लेकर गलत धारण - शनि कर्म और परिश्रम का स्वामी होने के कारण शनिवार की पूजा कार्यस्थिरता, प्रमोशन, व्यवसाय में वृद्धि और सम्मान प्रदान करती है. कई जातकों में शनिदेव को लेकर धारणा गलत है कि शनि हमेशा परेशान करते हैं लेकिन ऐसा नहीं है. ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि शनि देव व्यक्ति को संघर्ष देकर सोने की तरह चमकाते हैं. शनिदेव किसी को परेशान नहीं करते हैं, वह हमेशा कर्मों के हिसाब से ही फल देते हैं. अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो आपको शुभ फल की प्राप्ति होगी और अगर आपने कुछ गलत किया है तो शनिदेव आपको संभलने का मौका देते हैं

सूर्य देव और छाया के पुत्र शनिदेव - शनिदेव सूर्य देव और छाया के पुत्र हैं. इसलिए उन्हें छाया पुत्र भी कहा जाता है. जब शनि की साढ़े साती, ढैय्या या महादशा चलती है तो व्यक्ति को कई प्रकार की परेशानियों जैसे आर्थिक संकट, नौकरी में समस्या, मान-सम्मान में कमी और परिवार में कलह का सामना करना पड़ सकता है. शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करना और गरीब व जरूरत मंद लोगों की मदद करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

7 शनिवार का व्रत करें - ऐसे में शनिवार का व्रत शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या में आने वाली समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए किया जाता है. इस व्रत की शुरुआत किसी भी माह के पहले शुक्ल पक्ष के शनिवार से शुरू कर सकते हैं. मान्यताओं के अनुसार 7 शनिवार व्रत रखने से शनिदेव के प्रकोप से मुक्ति मिलती है और ढैय्या व साढ़ेसाती के अशुभ प्रभाव में कमी आती है. शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए शनि से संबंधित चीजें जैसे काली उड़द, काली वस्तु (काले जूते, काला कंबल, छाता, सरसों का तेल, काले तिल आदि) का दान करना चाहिए।

शनिवार के दिन अवश्य करें यह काम - धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि पीपल के पेड़ में शनिदेव का वास होता है. इसलिए हर शनिवार पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना और छाया दान करना बेहद शुभ माना जाता है और इससे नकारात्मकता भी दूर होती है और शनिदेव की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है. मान्यता है कि जो जातक व्रत नहीं रह सकते. वे हर शनिवार शाम को दीपक जरूर जलाएं. शनिवार के दिन ॐ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का 108 बार जप करना अत्यंत फलदायी माना गया है।

उत्तराखंड की रहस्यमयी गुफा में सालभर जा सकेंगे टूरिस्ट

पाताल भुवनेश्वर में लगेंगे ऑक्सीजन प्लांट; त्रेता में अयोध्या के राजा ने की थी खोज

पिथौरागढ़ जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पाताल भुवनेश्वर गुफा अब वर्षभर पर्यटकों के लिए खुली रखने की तैयारी शुरू हो गई है। बरसात के मौसम में यहां ऑक्सीजन की कमी की समस्या रहती है, जिसे दूर करने के लिए गुफा परिसर में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे श्रद्धालु बिना मौसम की बाधा के पूरी गुफा के दर्शन कर सकेंगे।

गंगोलीहाट से लगभग 14 किमी दूर स्थित यह गुफा प्राकृतिक रहस्यों से भरी हुई है। कहा जाता है कि यह सृष्टि के आदिकाल से अस्तित्व में है और सृष्टि के अंत तक बनी रहेगी। एक मान्यता के अनुसार इस गुफा की खोज सबसे पहले त्रेता युग में अयोध्या के राजा ऋतुपर्णा ने की थी।

यहां पहुंचकर श्रद्धालु 90 फीट नीचे एक संकरी सुरंग से उतरते हैं, जहां एक बड़ा कक्ष मिलता है, जिसमें भगवान गणेश, शेषनाग, शिवलिंग और भगवान शिव की जटाओं जैसी प्राकृतिक आकृतियां बनी हैं। हर साल 60 हजार से अधिक श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं लेकिन बरसात में गुफा बंद रखनी पड़ती है। मंदिर समिति के अनुसार, अगर ऑक्सीजन प्लांट लग जाए तो यह धाम पूरे साल खुला रह सकेगा, जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।

पहले जानिए बरसात में क्यों बंद रहती है गुफा...

मंदिर समिति के अध्यक्ष नीलम भंडारी के मुताबिक, अगस्त से अक्टूबर के बीच गुफा में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जिससे पर्यटकों को परेशानी होती है। यही कारण है कि हर वर्ष बरसात में गुफा को बंद करना पड़ता है। समिति का कहना है कि यदि ऑक्सीजन की व्यवस्था हो जाए तो गुफा पूरे साल खोली जा सकती है। इस संबंध में जिलाधिकारी को प्रस्ताव भेज दिया गया है।

ऑक्सीजन प्लांट पर विचार शुरू

पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई ने बताया कि मंदिर समिति ने ऑक्सीजन प्लांट लगाने की मांग रखी है। बरसात के मौसम में गुफा में ऑक्सीजन की कमी की समस्या को देखते हुए इस प्रस्ताव पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जल्द ही इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

239 लाख से सुधरेंगी सुविधाएं, ASI से अनुमति भी मांगी गई

जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति चंद्र आर्य ने बताया कि मंदिर माला मिशन के तहत पाताल भुवनेश्वर गुफा के विकास कार्यों के लिए 239 लाख रुपए स्वीकृत हो चुके हैं। यह गुफा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के संरक्षण में आती है, इसलिए निर्माण या सुधार कार्यों के लिए अनुमति मांगी गई है। सुविधाएं बढ़ने से पर्यटकों की संख्या में बड़ा उछाल आने की संभावना है।

भक्ति परम्परा के स्तम्भ थे विद्यापति

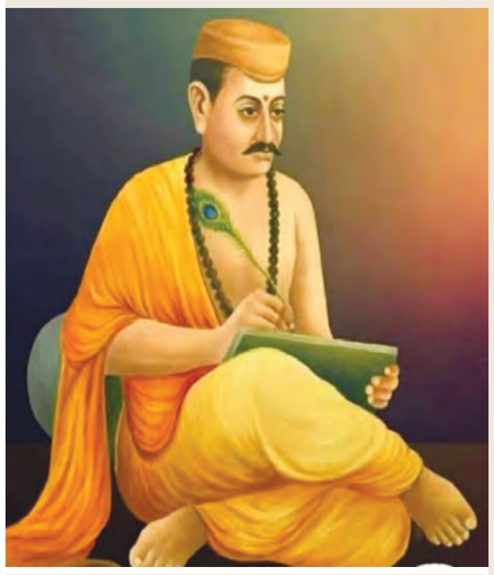

विद्यापति (1352-1448ई) मैथिली और संस्कृत कवि, संगीतकार, लेखक, दरबारी और राज पुरोहित थे। वह शिव के भक्त थे, लेकिन उन्होंने प्रेम गीत और भक्ति वैष्णव गीत भी लिखे। उन्हें 'मैथिल कवि कोकिल' (मैथिली के कवि कोयल) के नाम से भी जाना जाता है।

विद्यापति का जन्म उत्तरी बिहार के मिथिला क्षेत्र के वर्तमान मधुबनी जिला के विस्फी (अब बिस्फी) गांव में हुआ था। विद्यापति ('ज्ञान का स्वामी') नाम दो संस्कृत शब्दों, विद्या (ज्ञान) और पति से लिया गया है। उनकी सही जन्म तिथि के बारे में भ्रम है।

विद्यापति ने सर्वप्रथम राजा कीर्ति सिंह के दरबार में काम किया था, जिन्होंने लगभग 1370 से 1380 तक मिथिला पर शासन किया था। इस समय विद्यापति ने 'कीर्तिलता' की रचना की, जो पद्य में उनके संरक्षक के लिए एक लंबी स्तुति-कविता थी।

विद्यापति ने कीत सिंह के उत्तराधिकारी देव सिंह के दरबार में स्थान हासिल किया। गद्य कहानी संग्रह भू-परिक्रमण देव सिंह के तत्वावधान में लिखा गया था।

विद्यापति ने देव सिंह के उत्तराधिकारी शिव सिंह के साथ घनिष्ठ मित्रता की और प्रेम गीतों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया।

उन्होंने मुख्य रूप से 1380 और 1406 के बीच लगभग पांच सौ प्रेम गीत लिखे। उस अवधि के बाद उन्होंने जिन गीतों की रचना की, वे भगवान शिव, भगवान विष्णु, देवी दुर्गा और गंगा माता की भक्तिपूर्ण स्तुति थे। सन 1402 से 1406 तक मिथिला के राजा शिव सिंह और विद्यापति के बीच घनिष्ठ मित्रता थी। जैसे ही शिव सिंह सिंहासन पर बैठे, उन्होंने विद्यापति को अपना गृह ग्राम बिस्फी प्रदान किया।

सुल्तान की मांग पर कवि अपने राजा के साथ दिल्ली भी गए। उस मुठभेड़ के बारे में एक कहानी बताती है कि कैसे सुल्तान ने राजा को पकड़ लिया और विद्यापति ने अपनी दिव्य शक्तियों का प्रदर्शन करके उनकी रिहाई के लिए बातचीत की।

शिव सिंह के अनुकूल संरक्षण और दरबारी माहौल ने मैथिली में लिखे प्रेम गीतों में विद्यापति के प्रयोगों को प्रोत्साहित किया, एक ऐसी भाषा, जिसका दरबार में हर कोई आनंद ले सकता था।

वर्ष 1406 में एक मुस्लिम सेना के साथ लड़ाई में शिव सिंह लापता हो गए थे। इस हार के बाद विद्यापति और दरबार ने नेपाल के राजाबनौली में एक राजा के दरबार में शरण ली। सन 1418 में पद्म सिंह एक अंतराल के बाद मिथिला के शासक के रूप में शिव सिंह के उत्तराधिकारी बने, जब शिव सिंह की प्रमुख रानी लखीमा देवी ने 12 वर्षों तक शासन किया।

विद्यापति ने जिन राजाओं के लिए काम किया, उनकी स्वतंत्रता को अक्सर मुस्लिम सुल्तानों की घुसपैठ से खतरा था। कीतलता एक ऐसी घटना का संदर्भ है, जिसमें राजा गणेश्वर को तुर्की सेनापति मलिक अरसलान ने 1371 ईस्वी में मार दिया था। सन 1401 तक विद्यापति ने जौनपुर सुल्तान अरसलान को उखाड़ फैंकने और गणेश्वर के पुत्रों, वीर सिंह और कीत सिंह को सिंहासन पर स्थापित करने में योगदान दिया।

विद्यापति भारतीय साहित्य की 'श्रृंगार-परंपरा' के साथ-साथ 'भक्ति-परम्परा' के प्रमुख स्तंभों में से एक और मैथिली के सर्वोपरि कवि के रूप में जाने जाते हैं। इनके काव्यों में मध्यकालीन मैथिली भाषा के स्वरूप का दर्शन किया जा सकता है। ब्रजबोली में सबसे प्रारंभिक रचना विद्यापति द्वारा की गई। वह चैतन्य महाप्रभु के शिष्य थे। उन्होंने चैतन्य महाप्रभु के लिए अपनी ब्रजबोली कविताओं का पाठ किया। वह पहली बार उनसे गोदावरी नदी के किनारे राजमुंदरी में मिले, जो कि 1511-12 में ओडिशा राज्य की दक्षिणी प्रांतीय राजधानी थी।

मध्यकाल के सभी प्रमुख बंगाली कवि विद्यापति से प्रभावित थे। नतीजतन एक कृत्रिम साहित्यिक भाषा, जिसे ब्रजबोली के रूप में जाना जाता है, सोलहवीं शताब्दी में विकसित की गई थी।

ब्रजबोली मूलरूप से मैथिली है (जैसा कि मध्ययुगीन काल के दौरान प्रचलित था) लेकिन इसके रूपों को बंगाली की तरह दिखने के लिए संशोधित किया गया है।

मध्यकालीन बंगाली कवियों, गोबिंददास कबीरराज, ज्ञानदास, बलरामदास और नरोत्तमदास ने इस भाषा में कविता रचना की।

बंकिम चंद्र चटर्जी से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर तक विद्यापति से बहुत प्रभावित थे। रवींद्रनाथ टैगोर ने पश्चिमी हिंदी (ब्रज भाषा) और पुरातन बंगाली के मिश्रण में अपने भानुसिंघा ठाकुर पदाबली (1884) की रचना की और विद्यापति की नकल के रूप में ब्रजबोली भाषा का नाम दिया।

सियालदह स्टेशन के पास कोलकाता में एक पुल का नाम उनके (विद्यापति सेतु) के नाम पर रखा गया है। इससे पता चलता है कि पूरे देश में विद्यापति की क्या आध्यात्मिक हैसियत रही होगी।

ग्रह दोष होंगे खत्म और धन-दौलत में भी होगी बढ़ोतरी बस सूरज को अर्घ्य देते समय करें ये काम

सुबह-सुबह सूर्य को जल चढ़ाना ये हिंदू धर्म में सिर्फ एक परंपरा नहीं है, बल्कि इसे बड़ा पुण्य वाला काम मानते हैं. लोग कहते हैं कि इससे न सिर्फ मन को सुकून मिलता है बल्कि शरीर भी तरोताजा हो जाता है और दिन की शुरुआत भी एक पॉजिटिव एनर्जी के साथ होती है।

महंत स्वामी कामेश्वरानंद वेदांताचार्य का मानना है कि उगते सूरज को अर्घ्य देने से कुंडली में सूर्य मज़बूत होता है. इसका सीधा असर हेल्थ, खुशहाली, और लाइफ की पॉजिटिविटी पर पड़ता है. इसको रोज़ की आदत बना लो तो और भी अच्छा।

अर्घ्य देने के लिए तांबे का लोटा सबसे बढ़िया रहता है. उसमें लाल फूल, कुमकुम, और थोड़ा सा चावल डालकर जल चढ़ाओ. इस तरीके से अर्घ्य और भी पवित्र और असरदार हो जाता है।

अर्घ्य देने के बाद उस पानी को ऐसे ही मत छोड़ो. जो जल ज़मीन पर गिरा है उसे अपने हाथ से छूकर माथे और शरीर पर लगाओ. इससे माना जाता है कि सूर्य की एनर्जी सीधे हमारे शरीर में आती है।

सूर्य से भरा ये जल शरीर के दोष दूर करता है. इसे लगाने से शरीर साफ होता है मन को भी शांति मिलती है और एक पॉजिटिव एनर्जी महसूस होती है. ये एक तरह का नैचुरल डिटॉक्स है।

पानी को छूकर शरीर पर लगाने से मन शांत रहता है सोच में स्थिरता आती है. नेगेटिविटी दूर होती है और अंदर से एक नया जोश आता है. दिनभर मूड अच्छा रहता है और फोकस बना रहता है।

सूर्य अर्घ्य के बाद जल का इस्तेमाल करने से लाइफ में सुख-समृद्धि बढ़ती है. इसे रोज़ करते रहो तो सेहत, पैसा और परिवार में खुशहाली बनी रहती है. इसका असर धीरे-धीरे ठहरता है, लेकिन असरदार है।

15 दिसंबर को है सफला एकादशी

पंचांग के अनुसार पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को सफला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस साल 15 दिसंबर 2025 को सफला एकादशी का व्रत रखा जा रहा है। इस दिन सृष्टि के संचालक भगवान विष्णु की आराधना करने पर सभी कार्यों में सफलता हासिल होती हैं। जैसा कि इस एकादशी के नाम से ही समझ आ रहा है कि ये व्रत बाधाओं को दूर करके सफल होने की कामना से किया जाता है। इस तिथि पर भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है और दिनभर विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत किया जाता है।

श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सफला एकादशी का व्रत 15 दिसंबर को रखा जाएगा। सफला एकादशी का व्रत करने से सभी शुभ कार्यों में सिद्धि का आशीर्वाद मिलता है और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। सफला एकादशी पौष मास की एकादशी है और इस दिन पवित्र नदी में स्नान के साथ ही भगवान विष्णु की पूजा का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी घर-परिवार की और कार्यों में आ रही परेशानियों को दूर करना वाला व्रत है। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम के अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों के बड़े भाई युधिष्ठिर को एकादशियों के व्रत के बारे में बताया है।

एकादशी पर विष्णु जी के साथ ही उनके अवतारों की भी पूजा करनी चाहिए, खासतौर पर श्रीराम और श्रीकृष्ण की पूजा जरूर करें। श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को भी माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ लगाएं। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि श्रीराम दरबार की पूजा करें। राम दरबार में श्रीराम के साथ देवी सीता, लक्ष्मण, हनुमान शामिल होते हैं। इन सभी की पूजा करने से घर-परिवार में सुख-शांति और प्रेम बना रहता है। कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और लक्ष्य पूरे होते हैं। ऐसी मान्यता है। सफला एकादशी की शाम घर के आंगन में तुलसी के पास दीपक जलाएं और परिक्रमा करें। सूर्यास्त के बाद तुलसी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। पूजा में शालिग्राम जी की प्रतिमा भी रखनी चाहिए। तुलसी और शालिग्राम जी को हार-फूल, वस्त्र आदि पूजन सामग्री अर्पित करें। फलों का भोग लगाएं। तुलसी के सामने बैठकर विष्णु जी के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करें।

सफला एकादशी

पंचाग के अनुसार पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 14 दिसंबर को रात 08:46 मिनट पर हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन 15 दिसंबर को रात 10:09 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में 15 दिसंबर को सफला एकादशी व्रत किया जाएगा।

विद्युत जामवाल की हॉलीवुड डेब्यू

'स्ट्रीट फाइटर' के ट्रेलर में उन्हें देख हैरान हैं लोग, कहा-पहचान में नहीं आ रहे

विद्युत जामवाल की पहली हॉलीवुड फिल्म ' स्ट्रीट फाइटर' के टीजर ट्रेलर से उनकी झलक सामने आ गई है।

इस फिल्म में एक्टर के लुक को देखकर सभी हैरान हैं। इस फिल्म के लिए विद्युत अब तक के सबसे अलग अवतार में दिख रहे हैं। फिल्म में उन्हें पहली झलक में पहचान पाना भी मुश्किल है। मार्शल आर्ट्स के मास्टर विद्युत हॉलीवुड फिल्म ' स्ट्रीट फाइटर' में सस्पेंस भरे योगी वाले किरदार में हैं। उनके फर्स्ट लुक ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। टीजर ट्रेलर में विद्युत धालसिम बिना बालों के दिख रहे हैं। इस लुक में वो काफी गंभीर दिख रहे हैं और बिल्कुल पहचान में नहीं आ रहे। सोशल मीडिया उनके इस लुक की जमकर तारीफ हो रही है।

बेहद लोकप्रिय वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर बेस्ड

फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म इसी नाम की बेहद लोकप्रिय वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर बेस्ड है। टीजर ट्रेलर के साथ-साथ मेकर्स ने इस फिल्म के अन्य लीड किरदारों का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किए हैं।

मार्शल आर्ट वाले पोजिशन में नजर आ रहे

इस पोस्टर में विद्युत जामवाल क्लीन शेव्ड हेड में दिख रहे हैं और उनके चेहरे और माथे पर लाल रंग की धारियां नजर आ रही हैं। उनका पोज., गठीला शरीर, कपड़े और भारी मेटल्स वाले आदिवासी शैली के आभूषण उनके लुक को और उनके सस्पेंस वाले किरदार को और निखार रहे हैं। पोस्टर में विद्युत की आंखों में काजल है, भौंहें तनी हैं और वे मार्शल आर्ट वाले पोजिशन में नजर आ रहे हैं।

विद्युत को मार्शल आर्ट करते हुए दिखाया गया

इस टीजर ट्रेलर में विद्युत को मार्शल आर्ट करते हुए दिखाया गया है। धालसिम को फिल्म में आग में प्रवेश करने की क्षमता रखने वाले योगी के किरदार में पेश किया गया है। अब उनके इस लुक पर फैन्स तारीफें करते नहीं थक रहे। एक ने कहा- मैं फिदा हूं, आप इस रोल के लिए एकदम परफेक्ट हैं। एक अन्य यूजर ने कहा, 'वाह, मुझे ये लुक बहुत पसंद आया। मानना पड़ेगा, इस लुक में आपके बाल थोड़े फीके लग रहे हैं, बालों के साथ ये और भी शानदार होता। ऐसा लग रहा है जैसे धालसिम को एक्शन में देख रहे हों, बस विद्युत जामवाल के मशहूर बाल गायब हैं!' एक और ने कहा, 'उसे वो हासिल करते देखना, जिसका वो हकदार है, इससे बढ़कर कुछ खास नहीं है... हमें आप पर बहुत गर्व है वीजे भगवान आपको ढेर सारी खुशियां दें।'

फिल्म के बाकी किरदार

इस फिल्म में नोआ सेंटीनो और कैलिना लियांग भी हैं। कलाकारों में गुइल के रूप में कोडी रोड्स, वेगा के रूप में ऑरविले पेक, ब्लैंका के रूप में जेसन मोमोआ , जांगिफ के किरदार में ओलिवर रिक्टर्स, ई होंडा के रोल में हिरूकी गोटो, एम बाइसन के रोल में डेविड डस्टमलचियन, अकुमा के रोल में रोमन रेंस, डैन हिबिकी की भूमिका में एंड्रयू शुल्ज़, डॉन सॉवेज के रूप में एरिक आंद्रे, कैमी के रोल में मेल जर्नसन, जूली और अलेक्जेंडर के किरदार में रेना वलांडिंघम शामिल हैं।

तान्या मित्तल ने पहने थे किराए के कपड़े ?

डिजाइनर ने खोली पोल, कहा- ना कपड़े वापस मिले और न ही पैसे...

बिग बॉस 19 का खुमार अब सबके दिल से भले ही उतर गया हो, लेकिन घर के अंदर हुए विवादों पर चर्चा अभी भी जारी है। बता दें, इससे पहले तान्या मित्तल के ऊपर मालती चाहर ने अमाल को लेकर आरोप लगाया था और अब बिग बॉस 19 में अपनी ग्लैमरस स्टाइल, डिजाइनर साड़ियों और आलीशान लाइफस्टाइल के चलते खूब सुर्खियां बटोरने वाली तान्या मित्तल अब एक नए विवाद में घिर गई हैं। शो की तीसरी रनर-अप रहीं तान्या पर उनकी डिजाइनर रिधिमा शर्मा ने सोशल मीडिया पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों में बकाया पैसे का भुगतान न करना, महंगे आउटफिट्स वापस न लौटाना और टीम के साथ बुरा व्यवहार करना शामिल है।

तान्या मित्तल की डिजाइनर ने खोली पोल

इतना ही नहीं, तान्या की डिजाइनर ने अपनी पोस्ट में (जो अब डिलीट कर दी गई है) बताया कि वो हमेशा से तान्या को सपोर्ट करती आई हैं और दर्शकों को भी पता था कि वो ही उन्हें स्टाइल करती थीं। रिधिमा शर्मा के मुताबिक, तान्या ने फोन पर कपड़ों की बहुत तारीफ की, लेकिन उसके बाद उनसे बात तक नहीं की। यहां तक कि डिजाइनर द्वारा भेजे गए गिफ्ट और लेटर पर भी तान्या की ओर से कोई रिप्लाई नहीं मिला।

रिधिमा शर्मा ने अपनी आपबीती शेयर करते हुए बताया कि वो कपड़ों का पोर्टर चार्ज भी खुद ही चुका रही हैं। उन्हें अब ये बताया जा रहा है कि अगर साड़ी वापस नहीं पहुंची, तो उन्हें उनका भुगतान बिल्कुल नहीं मिलेगा। इस पर उन्होंने सवाल उठाया, मैं इतने समय से काम कर रही हूं, तो क्या मैं बेवकूफ हूं? मेरे ब्रांड्स को भी अभी तक उनके कपड़े वापस नहीं मिले हैं और न ही पैसे, मैं एक हफ्ते से लगातार फॉलो-अप करते-करते थक गई हैं, ये बहुत गलत बात है।

रिधिमा शर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा

तान्या की टीम पर डिजाइनर रिधिमा शर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि टीम की एक लड़की ने उन्हें मैसेज किया था कि अगर वो आज की साड़ी का इंतजाम नहीं कर पाईं, तो उन्हें उनकी पेमेंट रिलीज नहीं की जाएगी। डिजाइनर ने बहुत रिस्पेक्ट से तान्या की टीम से अपनी पेमेंट क्लियर करने को बोला, लेकिन इस बात पर निराशा व्यक्त की कि हर इंटरव्यू में तान्या का साथ देने के बाद भी उन्हें ऐसे बुरे सिचुएशन से गुजरना पड़ रहा है। हालांकि रिधिमा शर्मा की ये पोस्ट अब डिलीट कर दी गई है, लेकिन इसके स्क्रीनशॉट्स और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिससे ये विवाद और गहरा गया है। बिग बॉस जैसे बड़े मंच पर कंटेस्टेंट्स के स्टाइल और पहनावे पर काफी ध्यान दिया जाता है, ऐसे में तान्या पर लगे इन आरोपों ने सबको हैरान कर दिया है।

'सुपरगर्ल' का टीजर रिलीज एक्शन अंदाज में नजर आईं मिली एल्कॉक; थिएटर में कब आएगी फिल्म

डीसी स्टूडियोज की नई फिल्म 'सुपरगर्ल' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म का टीजर-ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। एक्शन से भरपूर इस टीजर ने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

सुपरगर्ल बनीं मिली एल्कॉक

टीजर-ट्रेलर की शुरुआत एक आम टीनएज लड़की से होती है, जिसकी जिंदगी काफी अस्त-व्यस्त है। लेकिन परिस्थिति कुछ ऐसी बनती हैं कि उसे अपनी सुपरपावर का इस्तेमाल करना पड़ता है, बुरे लोगों से दुनिया को बचाना पड़ता है। इस काम में उसकी मदद एक अनजान लड़की भी करती है। फिल्म 'सुपरगर्ल' को क्रेग गिलेस्पी ने निर्देशित किया है।

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म के टीजर-ट्रेलर के साथ मेकर्स ने रिलीज डेट भी शेयर की है। अगले साल यह फिल्म रिलीज होगी। इस रिलीज की तारीख जून 2026 है। फिल्म 'सुपरगर्ल' में भी 'सुपरमैन' के लेवल का एक्शन और वीएफएक्स देखने को मिल रहा है। विलेन भी काफी खूंखार नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी एक्शन सीन्स पर परफेक्ट बैठ रहा है।

विजय दिवस पर दिखेगा पराक्रम

16 दिसंबर को रिलीज होगा 'बॉर्डर 2' का टीजर; मेकर्स ने जारी किया नया पोस्टर

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर 'बॉर्डर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म के टीजर रिलीज को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। साल 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'बॉर्डर 2' का टीजर 16 दिसंबर को विजय दिवस के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

नए पोस्टर में दिखी चारों किरदारों की झलक

टीजर की रिलीज डेट घोषित करते हुए मेकर्स की ओर से फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है। इस पोस्टर में फिल्म के चारों नायक सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। अलग-अलग जारी किए गए किरदारों के पोस्टर्स के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह पैदा हो गया है। अब मेकर्स ने एक साथ चारों किरदारों की झलक दिखाई है। इस पोस्टर के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह और भी बढ़ गया है। फैंस अब बेसब्री से इस वॉर ड्रामा का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

'बॉर्डर' का सेकेंड पार्ट है 'बॉर्डर 2'

यह फिल्म साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर' का सेकेंड पार्ट है। जेपी दत्ता द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान लोंगेवाला की लड़ाई पर आधारित थी। सनी देओल पहले पार्ट का भी हिस्सा थे। उनके अलावा बाकी पूरी कास्ट इस बार नई है। हालांकि, 'बॉर्डर 2' की कहानी को लेकर अभी कंफर्म नहीं है। लेकिन दर्शक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'संदेसे आते हैं' को किया जाएगा रीक्रिएट

'बॉर्डर 2' में 'बॉर्डर' फिल्म के लोकप्रिय गीत 'संदेसे आते हैं' को भी रीक्रिएट किया जाएगा। फैंस को इस गाने का बेसब्री से इंतजार है। ऐसी चर्चाएं हैं कि इस बार 'संदेसे आते हैं' को सोनू निगम के साथ अरिजीत सिंह, दिलजीत दोसांझ और विशाल मिश्रा गाएंगे। जबकि गाने को कंपोज मिथुन कर रहे हैं। देखना ये है कि टीजर के बाद मेकर्स इस गाने को कब तक रिलीज करते हैं।

खुद को सुधारने निकलीं चारों लड़कियां

फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे सीजन का आया ट्रेलर

ओटीटी की लोकप्रिय महिला-केंद्रित सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' एक बार फिर अपने दर्शकों से मुखातिब होने को तैयार है। चौथा और फाइनल सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है और इसे देखकर साफ हो जाता है कि इस बार कहानी सिर्फ ग्लैमरस नाइट-लाइफ, रिश्तों और दिल टूटने तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि इस बार बात पर्सनल लड़ाइयों तक जा पहुंची है। इस बार ट्रेलर में काफी कुछ खास देखने को मिलेगा।

ट्रेलर में क्या-कुछ दिखा?

अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 दिसंबर को स्ट्रीम होने वाली इस सीरीज में सिद्धि, उमंग, दामिनी और अंजना अपने जीवन के उस मोड़ पर खड़ी नजर आती हैं जहां उन्हें यह स्वीकार करना पड़ता है कि अब बदलाव जरूरी है। ट्रेलर में चारों दोस्त खुद को सुधारने के लिए छह महीनों की चुनौती लेती दिखती हैं- कोई बचकानापन छोड़ना चाहता है, कोई रिश्तों को जल्दबाजी में गंभीर रूप देने की आदत से बाहर निकलना, कोई समाज के टैग से मुक्त होना चाहती है, तो कोई अपने अंदर छिपे आत्म-आलोचना के चक्र से निकलने की कोशिश करती है।

इस बार कहानी में ड्रामा तो है ही, लेकिन उससे कहीं ज्यादा है भावनात्मक सफर। ट्रेलर के शुरुआती फ्रेम से ही साफ हो जाता है कि अपनी सभी कमियों और खूबियों के साथ ये चारों महिलाएं एक-दूसरे की ताकत हैं। हर सीजन की मूल आत्मा यानी कि दोस्ती-इस बार और गहरे रूप में सामने आती है।

सीरीज की रचनात्मक टीम में रंगीता और इशिता प्रितिश नंदी एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ दिखाती हैं। निर्देशन की कमान अरुणिमा शर्मा और नेहा पारती मटियानी ने संभाली है, जबकि कहानी देविका भगत और संवाद इशिता मोइत्रा ने लिखे हैं। किरदारों को गहराई देने में कीर्ति कुल्हारी, सयानी गुप्ता, बानी जे और मानवी गागरो की परफॉर्मेंस हमेशा की तरह प्रभावी नजर आती है। इनके अलावा मिलिंद सोमन, राजीव सिद्धार्थ, अनकुर राठी और लीसा रे जैसे कलाकार भी कहानी को मजबूती देते हैं।

साल 2019 में शुरू हुई यह सीरीज भारतीय ओटीटी पर महिला-मित्रता का सबसे सफल प्रतिनिधित्व मानी जाती है। हर सीजन में चारों महिलाओं के जीवन में नए मोड़ आते रहे- करियर चुनौतियां, रिश्तों की पेचीदगियां, सामाजिक दबाव और निजी डर। चौथा सीजन इन्हीं अनुभवों को समेटते हुए एक इमोशनल एंडिंग का वादा करता है।

54 साल पहले बवाल काटने आया था आशा भोसले का ये गाना

ब्लॉकबस्टर सॉन्ग टीवी और रेडियो पर हुआ था बैन

हिंदी सिनेमा में आजकल भले ही गाने के बोल और उनके मतलब कुछ और ही निकलते हों, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब सिनेमा में गानों की पहचान अलग ही होती थी। उस दौर में जब गाने बजते थे तो मानो लोग उन गानों में खो जाते थे। लता मंगेशकर से लेकर किशोर कुमार जैसे दिग्गजों के गानों को पसंद करने वाले करोड़ों लोग आज भी हैं। उस दौर में आशा भोसले के भी खूब गाने बजते थे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आशा ताई के कई गाने विवादों से घिरे रहे। आज हम आपको उनके ऐसे गाने का किस्सा बताएंगे, जिस पर बैन लगा दिया गया था।

आशा ताई के इस गाने पर लगा था बैन

एक तरफ लता मंगेशकर जहां अपने गानों से रिकॉर्ड बना रही थीं तो दूसरी तरफ उनकी बहन आशा भोसले भी अपने गानों से लोगों का दिल जीत रही थीं। हालांकि अपने करियर में आशा ताई ने ज्यादातर बोल्ड, रोमांटिक औरक सेंसुअल गानों को अपनी आवाज दी। हालांकि ऐसा नहीं था कि उन्होंने हल्के सॉफ्ट गाने नहीं गाए, लेकिन उनकी चर्चा ज्यादा ऐसे गानों से हुई। एक ऐसा ही गाना था, जिसे आशा ताई ने गाया था। बाद में उस गाने पर बैन लगा दिया था और ये गाना फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा का है। साल 1971 में आई इस फिल्म में जीनत अमान थीं और इस गाने में जीनत अमान ने हिप्पी और संस्कृति को मिला जुलाकर दिखाया। जिसके बाद काफी विवाद हुआ था। दम मारो दम गाने पर चिलम-गांजा फूंकने और नशा करने की आदत को बढ़ावा देने का आरोप लगा। लोगों ने ये भी आरोप लगाए कि गाने में ग्लैमर का तड़का लगाकर संस्कृति को खराब करने की कोशिश की गई। विवाद इतना बढ़ा कि बाद में रेडियो पर इस गाने पर प्रतिबंध लग गया और दूरदर्शन ने फिल्म के टीवी पर प्रसारण के दौरान इसे हटा दिया। यहां तक कि फिल्म जब टीवी पर आई तब भी फिल्म से इस गाने को हटा दिया गया था।

आशा भोसले के एक और गाने पर लगा था बैन

वैसे आशा भोसले के एक और गाने पर बैन लगा था। साल 1971 में ही आई फिल्म कारवां में ये गाना नजर आया था। गाने का नाम था पिया तू अब तो आजा इस गाने में हेलेन नजर आईं थी। गाने में हेलेन का अंदाज और डांस देखकर लोग सीटी बजाने पर मजबूर हो गए थे। हालांकि गाने के लिए लिरिक्स काफी सिडक्टिव थे। गाने को मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखा था और रिकॉर्डिंग के दौरान वो खुद भी स्टूडियो में मौजूद थे। आशा भोसले ने खुद बताया था कि रिकॉर्डिंग के दौरान जब उन्होंने इसके बोल सुने, तो वह इतने शर्मिंदा हुए कि स्टूडियो छोड़ कर चले गए। ये गाना सुपरहिट हुआ और इस गाने पर भी बैन लगा था।

'रणवीर शानदार और अक्षय खन्ना करिश्माई'

अल्लू अर्जुन ने किया 'धुरंधर' का रिव्यू; आदित्य धर को लेकर कही यह बात

रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों छाई हुई है। एक ओर जहां फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई कर रही है। वहीं दूसरी ओर फिल्म को सेलेब्स से भी लगातार प्रशंसा मिल रही है। अक्षय कुमार, ऋतिक रोशन और विक्की कौशल जैसे सितारों के बाद अब साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने 'धुरंधर' की प्रशंसा की है। अल्लू अर्जुन ने रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना समेत फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू की सराहना की है।

फिल्म की पूरी कास्ट को सराहा

'धुरंधर' देखने के बाद अल्लू अर्जुन ने एक्स पर फिल्म का रिव्यू किया है। अल्लू अर्जुन ने फिल्म को शानदार बताते हुए लिखा, 'मैंने अभी धुरंधर देखी। बेहतरीन अभिनय, उत्कृष्ट तकनीकी पहलुओं और शानदार संगीत से भरपूर एक शानदार फिल्म। मेरे भाई रणवीर सिंह की दमदार एक्टिंग, उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से पूरी फिल्म को हिला दिया। अक्षय खन्ना का करिश्माई व्यक्तित्व और संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और अन्य सभी कलाकारों की शानदार परफॉर्मेंस। सारा अर्जुन की एक्टिंग भी प्यारी है।'

अल्लू अर्जुन ने सिर्फ फिल्म की कास्ट की ही नहीं बल्कि क्रू मेंबर्स और टेक्नीशियंस की भी जमकर तारीफ की। अपनी पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि पूरी टीम को बधाई। सभी तकनीशियन, कलाकार, क्रू, ज्योति देशपांडे और जियो स्टूडियोज सभी को बधाई। अंत में फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की प्रशंसा करते हुए अल्लू अर्जुन ने लिखा, 'इस फिल्म के कैप्टन प्रतिभाशाली और शानदार फिल्ममेकर आदित्य धर, आपने एक कुशल फिल्म निर्माता के रूप में अपना पूरा जलवा दिखाया है।' इसके साथ ही लोगों से फिल्म देखने की अपील करते हुए अल्लू अर्जुन ने अंत में कहा कि मुझे यह फिल्म बेहद पसंद आई है। जाइए और इस फिल्म का आनंद लीजिए।

'धुरंधर' की बात करें तो फिल्म सात दिनों में 200 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी रफ्तार बनाए हुए है। इस स्पाई-थ्रिलर फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

राधिका आप्टे बोलीं

'आजकल की शोर वाली फिल्मों से अलग है 'साली मोहब्बत'; पार्टनर और बच्चे को लेकर कही ऐसी बात

राधिका ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार, सह-कलाकार और मातृत्व पर चर्चा की। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश... फिल्म 'साली मोहब्बत' की निर्देशक टिस्का चोपड़ा के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे कहती हैं, 'एक अभिनेता का निर्देशक होना बड़े ही फायदे की बात है। उसे अभिनय से जुड़ी मुश्किलें पहले से पता होती हैं तो कई चीजें समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। उससे बातचीत भी एक अलग स्तर पर हो जाती है। टिस्का इस मामले में बेहद संतुलित हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें क्या चाहिए और फिर हमें अपने तरीके से किरदार निभाने की आजादी दी।'

वहीं अभिनेता दिव्येंदु शर्मा के साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए राधिका ने कहा, 'सेट पर माहौल हमेशा हल्का रहता था और हम दोनों की आपस में अच्छी बनती थी। वह एक अच्छे अभिनेता हैं...बारीकियों पर काम करने वाले और क्रिएटिव। उन्हें काम करते देखना दिलचस्प रहता था। कई बार हम दोनों एक-दूसरे का सीन देखकर हंस देते थे। कुल मिलाकर उनके साथ काम करने का अनुभव सहज रहा।' वहीं जब बात हुई किरदार की तो राधिका बोलीं, 'इस किरदार और मेरे पहले निभाए गए किरदारों में सबसे बड़ा फर्क यह है कि यह बहुत शांत और अंतर्मुखी है। वह ज्यादा बोलती नहीं है,

विनेश ने संन्यास वापस लिया

पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम वजन बढ़ने से डिसक्वालिफाई हुईं, फिर रेसलिंग छोड़ी थी

पंचकूला, 12 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। विनेश फोगाट ने संन्यास वापस लेकर कुश्ती में लौटने का फैसला लिया है। वह 2028 में लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में हिस्सा लेना चाहती हैं। विनेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी।

विनेश 2024 के पेरिस ओलिंपिक में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय रेसलर बनी थीं। हालांकि, फाइनल से पहले उनका 100 ग्राम वजन ज्यादा निकला, जिससे वे डिसक्वालिफाई हो गईं। इसके बाद उन्होंने रेसलिंग को अलविदा कह दिया। विनेश अभी हरियाणा के जुलाना से कांग्रेस विधायक हैं।

मैं अब भी मुकाबला करना चाहती हूं : विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'लोग पूछते रहे कि क्या पेरिस अंत था। बहुत समय तक, मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, प्रेशर से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपने सपनों से भी दूर जाने की जरूरत थी। सालों में पहली बार, मैंने खुद को सांस लेने दिया। मैंने अपने सफर के बोझ को समझने के लिए समय लिया- उतार-चढ़ाव, दिल टूटना, त्याग, मेरे वो रूप जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा। और कहीं उस सोच में, मुझे सच मिला, मुझे अब भी यह खेल पसंद है। मैं अब भी मुकाबला करना चाहती हूं।'

इस बार मैं अकेली नहीं चल रही हूं : उन्होंने आगे लिखा- उस खामोशी में मुझे कुछ ऐसा मिला जिसे मैं भूल गई थी 'आग कभी खत्म नहीं होती'। यह सिर्फ थकान और शोर के नीचे दब गया था। डिसिप्लिन, रूटीन, लड़ाई... यह सब मेरे सिस्टम में है। मैं कितना भी दूर चली जाऊं, मेरा एक हिस्सा मैट पर बना रहा। तो मैं यहां हूं, LA28 की ओर एक ऐसे दिल के साथ वापस कदम बढ़ा रही हूं जो निडर है और एक ऐसी भावना जो झुकने से मना करती है। और इस बार मैं अकेली नहीं चल रही हूं, मेरा बेटा मेरी टीम, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा, LA ओलिंपिक के इस रास्ते पर मेरे छोटे चीयरलीडर के साथ शामिल हो रहा है।

पेरिस ओलिंपिक के विवाद के बाद लिया था संन्यास

2024 पेरिस ओलिंपिक में कुश्ती में विनेश फोगाट इतिहास रचने के बेहद करीब थीं। वह ओलिंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। उनके फॉर्म को देखकर गोल्ड जीतने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन फाइनल से कुछ घंटे पहले उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा पाया गया। इसके चलते उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया गया।

डिसक्वालिफाई होने के 17 घंटे बाद विनेश ने कुश्ती से संन्यास का ऐलान कर दिया था। उन्होंने सुबह 5.17 बजे X पर एक पोस्ट में लिखा था- मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी। विनेश के डिसक्वालिफाई होने की खबर 7 अगस्त 2024 को दोपहर करीब 12 बजे आई थी।

विनेश 3 मुकाबले जीतकर 50 kg रेसलिंग ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वालीं पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं। सेमीफाइनल में उन्होंने क्यूबा की पहलवान गुजमान लोपेजी को, क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच और प्री-क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड चैंपियन जापान की युई सुसाकी को 3-2 से मात दी थी।

विनेश को 7 अगस्त की रात करीब 10 बजे गोल्ड मेडल के लिए अमेरिकी रेसलर सारा एन हिल्डरब्रांट से मुकाबला करना था, लेकिन ओलिंपिक नियमों के मुताबिक, विनेश की जगह सेमीफाइनल में उनसे हार चुकीं क्यूबा की गुजमान लोपेजी ने फाइनल खेला था। हालांकि, यह फाइट, अमेरिका की सारा ने जीती थी। 2024 का पेरिस ओलिंपिक विनेश फोगाट का यह तीसरा ओलिंपिक था। 2016 के रियो ओलिंपिक में वे चोट की वजह से बाहर हो गई थीं। इसके बाद 2020 के टोक्यो ओलिंपिक में वे क्वार्टर फाइनल में हार गई थीं। पेरिस ओलिंपिक में विनेश अपना कोई मुकाबला नहीं हारी थीं। फाइनल में पहुंचने के बाद उनका एक मेडल पक्का माना जा रहा था। मगर, 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से डिसक्वालिफाई हो गईं।

शादी के सात साल बाद मां बनी थीं विनेश

विनेश फोगाट की शादी करीब सात साल पहले सोमवीर राठी से हुई थी। संन्यास के बाद विनेश ने 2024 में जुलाना विधानसभा से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा और जीतीं। इसी साल वे जुलाई माह में मां बनी थीं। उन्होंने बेटे को जन्म दिया। इससे पहले विनेश ने मार्च को अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए की थीं। उन्होंने पति सोमवीर राठी के साथ एक फोटो शेयर करते हुए लिखा था, ऑवर लव स्टोरी कंटिन्यू विद न्यू चैप्टर (एक नए अध्याय के साथ हमारी प्रेम कहानी जारी है)। पोस्ट में उन्होंने बच्चे के पैरों के निशान और प्यार का प्रतीक भी शेयर किया था।

आज क्यों हाथ जोड़कर रो रही डॉन हाजी मस्तान मिर्जा के बेटी हसीन

मुंबई, 12 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। एक समय था जब मुंबई में डॉन मस्तान मिर्जा की तूती बोलती थी। लोग थर-थर कांपते थे। आज मस्तान मिर्जा की बेटी न्याय के लिए दर-दर भटक रही है। उसने सोशल मीडिया पर आकर एक शख्स पर उसके ऊपर रेप के आरोप लगाए हैं। मस्तान मिर्जा की बेटी हसीन का दावा है कि उस शख्स ने उसकी सारी प्रॉपर्टी पर कब्जा कर लिया है।

मस्तान मिर्जा को देश का पहला डॉन कहा जाता है। मस्तान मिर्जा के नाम पर लोग कांपते थे। अंडरवर्ल्ड की दुनिया में मस्तान मिर्जा का राज था। हाजी मस्तान की बेटी हसीन आज रो रही है। उसने वीडियो जारी करके और सोशल मीडिया पर पोस्ट करके पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से हाथ जोड़कर न्याय मांगा है। हसीन मस्तान मिर्ज़ा ने दावा किया है कि उसका कई बार रेप किया गया। उसने जिनके ऊपर केस किया है, वह कोर्ट तक नहीं आ रहे। उसे न्याय के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

हसीन मस्तान मिर्जा ने कहा, 'मुझे समझ नहीं आ रहा कि आठ बार शादी करने वाला और मेरे ही बंगले में मेरा बलात्कार करने वाला अपराधी अभी भी कैसे आराम से रह रहा है, मेरे पैसे का आनंद ले रहा है और मेरी संपत्तियों से किराया ले रहा है। उसने मेरी जिंदगी पूरी तरह बर्बाद कर दी है। मेरा बंगला जुहू, पाम स्प्रिंग में बंगला संख्या 14 पर स्थित है, और वीरा देसाई, हिलपार्क A2-306 में मेरा फ्लैट भी उसने किराए पर ले रखा है।'

'मेरा सब कुछ छिन गया'

मैं मदद की भीख मांग रही हूं, अगर कोई सचमुच मेरी मदद करना चाहता है, तो कृपया इस अपराधी के खिलाफ अदालत में शिकायत दर्ज करें या मुझे सही समाचार चैनलों तक पहुंचने में मदद करें ताकि मैं बोल सकूं और न्याय पा सकूं। मैं चाहती हूं कि अदालत उसे जल्द से जल्द सजा दे, न कि सिर्फ नई तारीखें देती रहे। कृपया, मुझे सचमुच आपके समर्थन की जरूरत है। इस बलात्कारी को मेरे पैसे और संपत्ति का इस्तेमाल करते हुए आराम से जीने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। उसने खुद एक पैसा भी नहीं कमाया है - उसके पास जो कुछ भी है वह मेरा है। कृपया, मेरे दर्द को समझिए। उसने मेरी संपत्ति, मेरा पैसा और मेरा जीवन छीन लिया है। उसने आठ बार शादी की है और मेरे लिए सब कुछ बर्बाद कर दिया है। मैं आप सभी से विनती करती हूं कृपया मुझ पर विश्वास कीजिए, कृपया मेरी मदद कीजिए, कृपया मेरा साथ दीजिए जब तक मैं जीवित हूं।

मस्तान मिर्जा, उनकी पत्नी और हसीन की उम्र को लेकर सवाल खड़े करने वालों को हसीन ने जवाब दिया। उसने कहा कि सबसे पहले, मैं सबको बता दूं कि मेरे पापा 58 साल के थे और मम्मी 29 साल की थीं जब मेरा जन्म हुआ था, इसलिए हिसाब-किताब करना बंद करें। यह देखकर मुझे बहुत दुख हुआ है कि लोग मेरे बारे में झूठी और नफरत भरी बातें फैला रहे हैं, मुझे नकली और झूठा कह रहे हैं। मैं ऐसी सभी टिप्पणियों की रिपोर्ट साइबर पुलिस को कर रही हूं।

हसीन ने कहा कि पहले मुझे लगा था कि सिर्फ वही आदमी जिसने मेरी पहचान, मेरी संपत्ति, मेरा पैसा और मेरी जिंदगी छीन ली, जिसने मुझ पर हमला किया और मुझे मरने के लिए सड़कों पर छोड़ दिया, वही अपराधी है। लेकिन अब मुझे पता चला है कि इसमें कई और लोग भी शामिल हैं। उसने कहा कि मैं अपने अधिकारों के लिए तब तक लड़ूंगी जब तक मैं जीवित हूं, हाजी मस्तान मिर्ज़ा और सोना मस्तान मिर्ज़ा की सशक्त और गौरवान्वित बेटी... हम सब इस दुनिया में अकेले आए हैं और अकेले ही इस दुनिया को छोड़ेंगे, किसी के लिए भी अपना जीवन जीना बंद मत करो।

12 साल की उम्र में हसीन का हो गया था निकाह

हसीन ने बताया कि 12 साल की उम्र में उनका निकाह कर दिया गया। उनका रेप किया गया। उनके तीन बच्चे हुए। हसीन ने आरोप लगाया कि उसका पूर्व पति उसकी बेटी से निकाह करना चाहता था। उसने विरोध किया तो उसे निकाल दिया गया। 26 साल की उम्र में उसका सबका सब कुछ छिन गया। उसने कहा कि मैं दुनिया में अकेली हूं। अकेले लड़ रही हूं। उसने कहा कि मैं पीएम मोदी और अमित शाह से हाथ जोड़ती हूं कि मेरी मदद करें।

मधुबाला की हमशक्ल सोना की बेटी हैं हसीन

मस्तान मिर्जा ने मधुबाला जैसी दिखने वाली सोना से निकाह किया था। सोना का असली नाम शाहजहां बेगम था। कहा जाता है कि हाजी मस्तान मधुबाला की सुंदरता पर मोहित थे। वह मधुबाला से शादी नहीं कर पाए इसलिए उनके जैसी दिखने वाली सोना से शादी कर ली थी। सोना बॉलिवुड एक्ट्रेस थीं। उन्होंने 1971 बदनाम फरिश्ते फिल्म में काम किया था।

हसीन ने कहा कि उसकी दुनिया तब तबाह हुई, जब 1994 में उसके पिता का देहांत हो गया। तब वह महज 10 साल की थी। मां ने उसका जबरन नासिर हुसैन नाम के शख्स से उसका निकाह कर दिया। तब वह महज 12 साल की थी। उसने आरोप लगाया कि उसका पति उसके साथ रेप करता था। उसे पीटता था। कमरे में बंद करके रखता था।

क्या नेपाल में फिर होने वाला है हिंसक आंदोलन

सरकार बदली, अफसर पुराने; GenZ लीडर्स बोले- 100 दिन में कुछ नहीं बदला, फिर लड़ेंगे

काठमांडू, 12 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'जब लोहा गर्म था, तब केपी शर्मा ओली को पकड़कर जेल के अंदर डालना था। सभी संवैधानिक बदलाव भी तभी करने थे। अब लोहा ठंडा पड़ गया, इसलिए अब ये सब करने का कोई रास्ता नहीं बचा। युवाओं को तो ये भी समझ नहीं है कि राजनीति कैसे करनी है और चुनाव कैसे लड़ना है।'

नेपाल के GenZ नेता टंका धामी को अफसोस है कि जो कुछ सोचा था वो नहीं हो सका। धामी कहते हैं कि नेपाल में सुशीला कार्की सरकार को 3 महीने पूरे हो गए हैं। उनकी सरकार में ऐसे बहुत से सलाहकार हैं, जो मनमानी कर रहे हैं। वे युवा GenZ लीडर्स की बात भी नहीं सुन रहे हैं। नेपाल में जिस राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ GenZ प्रोटेस्ट हुए और 8 सितंबर को तख्तापलट हुआ, अब वही राजनीतिक व्यवस्था फिर हावी हो रही है। अंतरिम सरकार को जिम्मेदारी संभालते हुए 3 महीने हो गए हैं, लेकिन नेपाल में आम लोगों की जिंदगी में कोई फर्क नहीं आया। आंदोलन में हुई हिंसा के बाद नुकसान तक की भरपाई नहीं हो सकी है।

अंतरिम सरकार का आधा वक्त बीच चुका है। चुनाव के लिए 5 मार्च 2026 की तारीख तय हो गई है। हालांकि इन सबके बीच जेनजी फिर सड़कों पर हैं। बीच-बीच में हिंसा और प्रदर्शन की घटनाएं आम हो गई हैं। नेपाल में तख्तापलट के बाद 3 महीने में क्या बदला? 22 नवंबर को नेपाल के बारा जिले के अलग-अलग इलाकों में जेनजी प्रोटेस्ट शुरू हो गए। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल के महासचिव शंकर पोखरेल और युवा नेता महेश बसनेत ने काठमांडू से सिमारा एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी। ये नेता नेपाल की मौजूदा सरकार के खिलाफ रैली करने वाले थे।

हालांकि एयरपोर्ट से ये नेता शहर पहुंचते, उसके पहले ही बारा में लोकल जेनजी नेताओं और सीपीएन (यूएमएल) के नेताओं के बीच रस्साकशी शुरू हो गई। हालात हिंसक होने लगे तो पहले पुलिस ने आंदोलनकारियों को रोकने के लिए बल का इस्तेमाल किया। फिर कर्फ्यू लगाना पड़ा। ऐसे जेनजी प्रोटेस्ट अब भी नेपाल के अलग-अलग हिस्सों में देखने को मिल रहे हैं।

नेपाल में अंतरिम सरकार बनाने के बाद क्या बदला और क्या अब भी बाकी है। ये समझने के लिए हमने जेनजी लीडर टंका धामी से बात की। नेपाल में जेनजी प्रोटेस्ट के बाद धामी को बड़े बदलाव की उम्मीद थी, लेकिन अब उन पर पानी फिर चुका है।

धामी कहते हैं, 'हम ये मानते हैं कि मौजूदा सरकार काम नहीं कर पा रही है क्योंकि ब्यूरोक्रेसी वही है, जो पहले थी। इसलिए इस सिस्टम में जल्दी कोई बदलाव करने में मुश्किल आ रही है। न्यायपालिका भी पुरानी है और वहां हुई नियुक्तियां भी पुरानी हैं। ऐसे में हमारे लिए सिस्टम में बदलाव करना आसान नहीं है। गलती ये हुई कि हमने बदलाव करने में देरी कर दी।'

'जेनजी युवाओं को राजनीतिक समझ नहीं है। जब ये समझ नहीं होगी तो वे चुनाव के लिए तैयार कैसे होंगे और पार्टी कैसे बनाएंगे। जब तक नेपाल में संस्थागत बदलाव नहीं होगा, तब तक कुछ नहीं बदलने वाला। कुछ लोग सरकार में ढंग से काम कर रहे हैं, लेकिन गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल काम नहीं कर रहे। वो सिर्फ पद पर बैठने की मंशा रखते हैं।' वे आगे कहते हैं, '8 सितंबर को हुए जेनजी आंदोलन ने नेपाल को बदल दिया। सुशीला कार्की सरकार का मुख्य मकसद करप्शन खत्म करना था। सरकार उस पर काम भी कर रही है, लेकिन ये काम उतनी तेजी से नहीं हो रहा, जैसा हमने सोचा था। नेपाल की मीडिया प्रोपेगैंडा चला रही है। वो जेनजी सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है।' नेपाल की अंतरिम सरकार के 3 महीने के कार्यकाल में अब तक सिर्फ एक करप्शन के केस में कार्रवाई हुई है। उसमें भी कार्रवाई के नाम पर सिर्फ केस दर्ज हुआ है। सरकार ने दिसंबर 2025 में नेपाल के पूर्व मंत्रियों, अधिकारियों और चीनी कंपनी पर पोखरा एयरपोर्ट भ्रष्टाचार के मामले में केस दर्ज किया है, जिसमें 55 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

हमने नेपाल के मौजूदा हालात को लेकर राजनयिक रह चुके एसडी मुनी से भी बात की। वे साउथ एशिया मामलों को करीब से देखते आ रहे हैं। मुनी कहते हैं, 'नेपाल राजनीतिक लिहाज से बिखरा नजर आ रहा है। एक तो सुशीला कार्की की सरकार बनते ही कुछ राजनीतिक तबके उनके विरोध में आ गए थे।' 'पहले पूर्व PM केपी शर्मा ओली की पार्टी के लोग और राजशाही समर्थक ही सरकार के खिलाफ दबाव बना रहे हैं। संसद भंग होने के बाद से बाकी सियासी दल भी खिलाफ हो गए हैं।' सरकार बनी तो ऐसा लगा था कि सारे जेनजी एकजुट हैं। बाद में असली जेनजी नेताओं को धकेल दिया गया और बालेन शाह, सुदान गुरुंग आगे आ गए। मुनी आगे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि नेपाल में चुनाव करीब हैं, लेकिन जेनजी अपनी कोई पार्टी नहीं बना सके हैं। वो एक आंदोलन के जरिए जैसे उभरकर सामने आए थे, वैसे ही गायब हो गए। वहीं राजनीतिक पार्टियां भी खुद में बदलाव कर रही हैं। माओवादी पार्टी से लेकर कांग्रेस में नेतृत्व बदलने की बात हो रही है।' 'सुशीला कार्की सरकार को बड़ा जनसमर्थन हासिल था। हालांकि जैसे उन्हें PM बनाया गया, उसे लेकर सवाल थे। कार्की के पास कोई प्रशासनिक अनुभव नहीं है और न ही कोई बड़ा राजनीतिक जनाधार है। फिर भी कार्की ने ईमानदारी से जो काम करना चाहिए, वो किया है।'

ओली से लेकर प्रचंड सब पब्लिक लाइफ में लौटे

नेपाल के मधेस क्षेत्र के बीरगंज से आने वाले पॉलिटिकल एक्सपर्ट संजय तिवारी मानते हैं कि यहां हुए जेनजी प्रोटेस्ट के 3 महीने बाद सब कुछ वैसा ही हो गया है, जैसा पहले हुआ करता था। मतलब सरकार में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। चाहे पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली हों या फिर पुष्प कमल दहल प्रचंड। सभी नेता पब्लिक लाइफ में लौट चुके हैं।' 'नेपाल की नई सरकार से जनता को कई बदलावों की उम्मीद थी, लेकिन कोई खास परिवर्तन नहीं दिख रहा। वहीं परंपरागत राजनीतिक पार्टियां फिर से चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर चुकी हैं।' जेनजी युवाओं को दरकिनार किए जाने पर जेनजी लीडर धामी कहते हैं, 'मुझे लगता है कि युवाओं को पॉलिटिकल प्रोसेस में ज्यादा भागीदारी लेनी चाहिए, लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है। मैं युवाओं से कहूंगा कि अगर वो खुद की राजनीतिक पार्टी नहीं खड़ी कर पा रहे हैं तो उन्हें ऐसी पार्टी का समर्थन करना चाहिए जो युवाओं का सपोर्ट करे। जो युवाओं को पार्टी में जगह दे।'

'जेनजी की असली मांग थी कि करप्शन खत्म हो, संस्थागत सुधार हो, संविधान में संशोधन हो। मैंने सरकार को इस तरह के सुझाव दिए थे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ब्यूरोक्रेसी ठीक से काम नहीं कर रही। जब तक युवा खुद अपनी राजनीतिक पार्टी नहीं बनाते, कुछ नहीं होगा।'

18 राष्ट्रीय पक्षियों को आखिर क्यों शख्स ने दे डाला जहर?

मोरों की हत्या से मचा हड़कंप

चेन्नई, 12 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मोर हमारे देश का राष्ट्रीय पक्षी है इसलिए इसकी सुरक्षा और भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में तमिलनाडु के करूर जिले से 18 मोरों की हत्या की खबर सामने आ रही है। एक, दो नहीं 18 मोरों की हत्या बेहद गंभीर और चिंताजनक घटना है। यह न सिर्फ कानून के खिलाफ है, बल्कि देश की प्राकृतिक धरोहर पर भी सीधा हमला है। लेकिन शायद करूर जिले के 45 साल के किसान सुब्रमणि को इन सब चीजों की सुध नहीं थी, वो सिर्फ अपने खेत बचाना चाहता था। तमिलनाडु के करूर जिले में यह दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां खेतों की सुरक्षा को लेकर नाराजगी ने इस किसान को ऐसा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया जिसने पूरे इलाके को हैरान कर दिया। अथीपालायम के पास रहने वाले सुब्रमणि ने अपने मूंगफली के खेत को नुकसान पहुंचा रहे मोरों से छुटकारा पाने के लिए जहर का सहारा लिया। जिसके बाद 18 मोरों की मौत हो गई। इस घटना ने गांववालों और वन विभाग दोनों को हैरान और परेशान कर दिया है।

18 मोरों को जहर देकर मारा

बुधवार के दिन वन विभाग को अपने खबरी से क्षेत्र में कुछ मोरों के मरे पाए जाने की खबर मिली तो टिप के आधार पर टीम के साथ DFO मौके पर पहुंचे। पहुंचने पर पाया कि आरोपी सुब्रमणि के खेत में कई मृत मोर पड़े हैं। सुब्रमणि ने जहर को अनाज में मिलाकर खेत में रख दिया था। जिसे खाकर 10 नर और 8 मादा मोरों की मौत हो गई। वन विभाग ने पुलिस को भी सूचना दी और संयुक्त जांच शुरू हुई। पशु चिकित्सकों की टीम ने ये वेरीफाई किया कि मोरों की मौत जहर से हुई है। इसके बाद सुब्रमणि को गिरफ्तार कर लिया गया। मोरों को मारना वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत अपराध है। मोरों को इस एक्ट के तहत खास सुरक्षा दी गई है और किसी भी वजह से उन्हें नुकसान पहुंचाना सख्त अपराध माना जाता है।

सेक्स वर्कर्स बोलीं- मम्मी-पापा के डॉक्यूमेंट कहां से लाएं

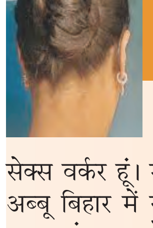

SIR के बाद हमें बांग्लादेशी कहकर भगा देंगे, चुनाव आयोग बताए हम क्या करें

आसनसोल, 12 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मैं सेक्स वर्कर हूं। मां भी यही काम करती थीं। अब्बू बिहार में रहते थे। मैं छोटी थी, तभी उनका इंतकाल हो गया। मां की उम्र अब 85 साल है। वे 16-17 साल की थीं, जब पश्चिम बंगाल आ गई थीं। बीएलओ SIR के फॉर्म भरवाने घर आ रहे हैं। हमारे पास वोटर आईडी और आधार कार्ड है, लेकिन उन्हें 2002 के डॉक्युमेंट चाहिए। हमारे पास तो नहीं हैं। पता नहीं क्या होगा, शायद हमें बांग्लादेशी कहेंगे और भगा देंगे।'

पश्चिम बंगाल में आसनसोल के लच्छीपुर में रहने वालीं फातिमा आखिरी की दो लाइनें हंसते हुए कहती हैं। हालांकि उनकी हंसी अगले ही पल गायब हो जाती है। फातिमा का घर लच्छीपुर की एक तंग गली में है। परिवार में मां और दो बेटियां हैं। उनकी फिक्र वोटर लिस्ट से नाम कटने को लेकर है। डर है कि ऐसा हुआ तो सरकारी सुविधाएं मिलनी बंद हो जाएंगी और उन्हें घुसपैठिया बता दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल में SIR यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की आज आखिरी तारीख है। सेक्स वर्कर्स का डर एक नियम की वजह से है। दरअसल, वोटर लिस्ट अपडेट करने की प्रक्रिया में 2002 की वोटर लिस्ट को आधार बनाया गया है। वोटर को साबित करना पड़ रहा है कि उसका, उसके माता-पिता या रिश्तेदार का नाम 2002 की लिस्ट में मौजूद था। लच्छीपुर रेड लाइट एरिया है। यहां की वोटर लिस्ट में दर्ज करीब 400 महिलाएं सेक्स वर्कर्स हैं। ये एक बार यहां आईं और फिर घर नहीं लौट पाईं। कई ऐसी हैं, जिन्हें बांग्लादेश से लाकर बेच दिया गया। उनके पास वोटर आईडी और आधार कार्ड तो हैं, लेकिन पुराने डॉक्यूमेंट नहीं हैं।

पश्चिम बर्धवान जिले का आसनसोल कोल बेल्ट इलाका है। ओडिशा और झारखंड से सटा है, इसलिए यहां मजदूरों की आवाजाही ज्यादा है। यहीं जीटी रोड के किनारे लच्छीपुर बसा है। बीएलओ मोहम्मद एजाज अहमद करीब एक महीने से घर-घर जाकर SIR के फॉर्म भरवा रहे हैं।

मोहम्मद एजाज अहमद बताते हैं कि लच्छीपुर में रहने वाली महिलाएं रातभर जागती हैं, इसलिए दिन में सोती हैं। दिन में उनसे मिलने और फॉर्म भरवाने में बहुत मुश्किल आई।

हर साल 2,000 नए स्टोर! रिलायंस रिटेल ने आईपीओ से पहले बदली रणनीति

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ अपनी रिटेल इकाई को 2028 में शेयर बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है. कंपनी ने अंदरूनी तौर पर इस साल को आईपीओ लक्ष्य के रूप में तय किया है और इसके लिए पूरे नेटवर्क और बिज़नेस मॉडल को तेज़, मुनाफेदार और हल्का बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इस रणनीति के तहत कंपनी हर साल करीब 2,000 नए स्टोर नेट बेसिस पर जोड़ने और गैर-मुनाफेदार स्टोर धीरे-धीरे बंद करने की योजना बना रही है.

कर्ज घटाने पर भी फोकस

आईपीओ से पहले कंपनी ने बैलेंस शीट को मजबूत बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं. एफवाई25 में रिलायंस रिटेल का नॉन-करेंट कर्ज घटकर 20,464 करोड़ रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के 53,546 करोड़ के मुकाबले काफी कम है. होल्डिंग कंपनी से मिलने वाली इंटर-कॉर्पोरेट डिपॉजिट भी एफवाई24 के 40,164 करोड़ से घटकर एफवाई25 में 5,655 करोड़ तक आ गई है. कंपनी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रिटेल बिज़नेस का एक्सपेंशन अब मापतौल के साथ होगा ताकि स्टोर नेटवर्क मुनाफे में रहे और कंपनी की वैल्यूएशन को भी मजबूती मिले. अधिकारी के अनुसार, अगले साल टेलिकॉम बिज़नेस का आईपीओ आएगा और उसके दो साल बाद रिटेल का आईपीओ लाया जाएगा.

क्विक कॉमर्स में बड़ा खेल

कंपनी तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स बाजार में भी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है. फिलहाल रिलायंस रिटेल रोज़ाना लगभग 10 लाख क्विक डिलीवरी करती है, जिनमें से 90% ऑर्डर 30 मिनट से कम समय में ग्राहक तक पहुंच जाते हैं. इस लक्ष्य को और मजबूती देने के लिए बड़े शहरों में स्मार्ट पॉइंट ग्रॉसरी स्टोर को डार्क स्टोर्स में बदला जा रहा है, ताकि तेजी से डिलीवरी संभव हो सके.

स्टोर नेटवर्क का संतुलन

एफवाई22 और एफवाई23 में तेज़ी से विस्तार के बाद एफवाई24 और एफवाई25 में कंपनी ने कई गैर-लाभकारी स्टोर्स बंद किए. एफवाई23 में नेट 2,844 स्टोर जोड़े गए थे, जो एफवाई24 में घटकर 796 और एफवाई25 में 504 रह गए. सितंबर तिमाही तक कंपनी के पास देशभर में 19,821 स्टोर हो चुके हैं. आईपीओ से पहले की रीस्ट्रक्चरिंग के तहत कंपनी ने अपनी एफएमसीजी इकाई को अलग कर रिलायंस इंडस्ट्रीज़ की डायरेक्ट सब्सिडियरी बना दिया है। यह बदलाव दिसंबर से प्रभावी है.

क्या अंडों के नाम पर थाली में परोसा जा रहा है कैंसर? प्रतिबंधित रसायनों से जुड़े विवाद की पूरी कहानी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में भोजन की थाली में पिछले एक दशक में क्रांतिकारी बदलाव आया है। कभी सड़क के किनारे खुली रेहड़ियों पर बिकने वाले और अखबार के कागज में लिपटे मिलने वाले अंडे, आज वातानुकूलित सुपरमार्केट के रैक पर, आकर्षक पैकेजिंग में, 'प्रीमियम', 'एंटीबायोटिक-मुक्त' और 'हर्बल' जैसे दावों के साथ अपनी जगह बना चुके हैं। शहरी भारत, जो स्वास्थ्य के प्रति पहले से कहीं अधिक जागरूक है, इन दावों पर भरोसा करता है और इसके लिए दोगुनी कीमत चुकाने को तैयार रहता है। इसी भरोसे की नींव पर बीते कुछ वर्षों में एक घरेलू ब्रांड ने अपनी पहचान बनाई है। अब इससे जुड़ा एक विवाद सामने आया है। सोशल मीडिया पर कुछ दिनों पहले वायरल हुई एक लैब रिपोर्ट और वीडियो ने भारतीय मध्यम वर्ग के बीच दहशत फैला दी। पैकेट बंद अंडे बेचने वाले वाले ब्रांड एगोज लैब रिपोर्ट के आधार पर खतरनाक कैमिकल मिलने का दावा किया गया। इसके बाद सवाल उठने लगे कि हम जो 'सेहतमंद' समझकर खा रहे हैं, क्या वह असल में हमारे शरीर में धीमा जहर घोल रहा है? क्या इन अंडों से हमारे डीएनए के बदलने का खतरा है? आइए पूरे विवाद की कहानी आसानी से समझते हैं। पहले जानते हैं एगोज कंपनी के बारे में।

कितना बड़ा है एगोज का कारोबार?

इस विवाद की गंभीरता को समझने के लिए, हमें सबसे पहले उस कंपनी के कद और बाजार में उसकी स्थिति को समझना होगा जिस पर आरोप लगे हैं। एगोज कोई साधारण अंडा विक्रेता नहीं है; यह भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम का एक चमकता सितारा है। एगोज की मूल कंपनी नुपा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड है। इसकी स्थापना वर्ष 2017 में हुई थी। इसके पीछे तीन युवा दिमाग थे- अभिषेक नेगी, आदित्य सिंह और उत्तम कुमार। ये तीनों आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र हैं। संस्थापकों ने भारतीय अंडा बाजार में एक बड़ी समस्या की पहचान की थी।

एगोज ने कैसे फैलाया कारोबार?

भारत में सालाना 140 अरब से अधिक अंडों का उत्पादन होता है, लेकिन इसका 95% से अधिक हिस्सा असंगठित है। खुले में बिकने वाले अंडों की गुणवत्ता, ताजगी और उत्पादन की प्रक्रिया पर कोई निगरानी नहीं थी। एगोज ने इसी गैप को भरने का बीड़ा उठाया। निवेशकों ने इस मॉडल पर जमकर भरोसा जताया। कंपनी ने अपनी शुरुआती फंडिंग में अच्छी खासी रकम जुटाई। 2022 में, उन्होंने सीरीज बी राउंड में 8.8 मिलियन डॉलर (लगभग 73 करोड़ रुपये) जुटाए, जिसका नेतृत्व आइवीकैप वेंचर्स ने किया था(हालिया विवाद से ठीक पहले एगोज ने अपनी सबसे बड़ी फंडिंग हासिल की। जून 2025 के आसपास, कंपनी ने सीरीज सी राउंड में 20 मिलियन डॉलर (लगभग 167 करोड़ रुपये) जुटाए। एगोज भारत के 11 प्रमुख शहरों में अपनी सेवाएं दे रहा है, जिनमें दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई और पुणे शामिल हैं ।

आम लोगों को बड़ा झटका, रिटेल महंगाई में हुआ इजाफा, खाने पीने की कीमतों में आई तेजी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महंगाई के मोर्चे पर आम लोगों को बड़ा झटका लगा है. देश में रिटेल महंगाई दर में इजाफा देखने को मिला है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत में रिटेल महंगाई नवंबर में वार्षिक आधार पर बढ़कर 0.71 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह रिकॉर्ड निचले स्तर 0.25 फीसदी पर थी. इसका मतलब है कि रिटेल महंगाई में 0.46 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है.

खाद्य पदार्थों की कीमतों में कई महीनों की गिरावट के बाद मजबूती आने से यह वृद्धि दर्ज की गई, हालांकि हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गई कटौती का प्रभाव अभी भी बना हुआ है. यह लगातार दसवां महीना है जब महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के मध्यम अवधि के लक्ष्य से नीचे रही. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) बास्केट का लगभग आधा हिस्सा खाद्य पदार्थों की कीमतों का होता है. नवंबर में इनकी कीमतों में वार्षिक आधार पर 3.91 फीसदी की गिरावट आई, जो अक्टूबर में 5.02 फीसदी की गिरावट से कम है. हालांकि खाद्य फूड इंफ्लेशन में मासिक आधार पर 111 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी देखने को मिली है.

आरबीआई ने महंगाई अनुमान को किया था कम

इससे पहले, भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) ने कहा कि केंद्रीय बैंक को अब चालू वित्त वर्ष में महंगाई का औसत 2 फीसदी रह सकती है. जो उसके पहले के 2.6 फीसदी के अनुमान से काफी कम है और एक महीने पहले रॉयटर्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण के 2.2 फीसदी के अनुमान से भी कम है. केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष के दौरान लगातार मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान में कटौती की है, जबकि एमपीसी की लगातार बैठकों में विकास अनुमानों को बढ़ाया है. वित्त वर्ष 2026 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान, जो फरवरी में पहली बार 4.2% लगाया गया था, अक्टूबर में घटाकर 2.6% कर दिया गया.

पॉलिसी रेट में भी की थी कटौती

एमपीसी ने तिमाही महंगाई के अपडेट अनुमान भी जारी किए थे. जिसमें वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 0.6 फीसदी, चौथी तिमाही में 2.9 फीसदी, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 3.9 फीसदीऔर दूसरी तिमाही में 4 फीसदी महंगाई का पूर्वानुमान लगाया गया है. तुलनात्मक रूप से, अक्टूबर की नीतिगत बैठक में वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 1.8 फीसदी, चौथी तिमाही में 4.0 फीसदी और वित्त वर्ष 2026 पहली तिमाही में 4.5 फीसदी महंगाई का अनुमान लगाया गया था. इस बार आरबीआई एमपीसी ने पॉलिसी रेट में 25 बेसिस प्वाइंट से घटाकर 5.25 फीसदी कर दिया है. जबकि अपने स्टांस को न्यूट्रल रखा है. जो महंगाई कंट्रोल से समझौता किए बिना ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण का संकेत देता है.

अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच भारत ने बढ़ाई रूस से तेल खरीद

आयात पांच महीनों के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का रूसी तेल का आयात नवंबर में 4 प्रतिशत बढ़कर पांच महीने के उच्चतम स्तर 2.6 अरब यूरो पर पहुंच गया। यूरोपीय थिंक-टैंक सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार रूस से आने वाले इस कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा भारतीय रिफाइनरियों में प्रसंस्करण के बाद ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों को परिष्कृत ईंधन के रूप में निर्यात किया जा रहा है।

इसमें कहा गया है कि नवंबर में भारत चीन के बाद रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। इसने अक्तूबर में रूसी तेल खरीदने पर 2.5 अरब यूरो खर्च किए थे। वहीं नवंबर में चीन ने रूस के कच्चे तेल के निर्यात का 47 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (38 प्रतिशत), तुर्की (6 प्रतिशत) और यूरोपीय संघ (6 प्रतिशत) का स्थान रहा। इसमें कहा गया कि दरअसल, दिसंबर में भारत की खरीद में एक और वृद्धि दर्ज की जा सकती है, क्योंकि अमेरिकी विदेश संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के प्रतिबंध लागू होने से पहले लोड किए गए माल की डिलीवरी पूरे महीने के दौरान की जाएगी। बता दें कि 22 अक्तूबर को, अमेरिका ने रूस के दो सबसे बड़े तेल उत्पादक कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए। प्रतिबंधों के चलते रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड जैसी कंपनियों ने फिलहाल आयात रोक दिया है। हालांकि, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) जैसी अन्य रिफाइनरियां प्रतिबंधित रूसी कंपनियों से तेल खरीदना जारी रखे हुए हैं। सीआरईए ने कहा कि जहां निजी रिफाइनरियों के आयात में मामूली कमी आई, वहीं सरकारी स्वामित्व वाली रिफाइनरियों ने नवंबर में रूसी कच्चे तेल की मात्रा में महीने-दर-महीने 22 प्रतिशत की वृद्धि की।

भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों द्वारा मॉस्को से दूरी बनाने के बाद रियायती रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा।

परंपरागत रूप से पश्चिम एसिया तेल पर निर्भर रहने वाला भारत, प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग में कमी के कारण भारी छूट पर तेल उपलब्ध होने से रूसी आयात में नाटकीय रूप से वृद्धि कर सकता है। इससे कच्चे तेल के कुल आयात में इसकी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से कम से बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत हो गई है।

गोल्ड 1.33 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.95 लाख के ऑल टाइम हाई पर

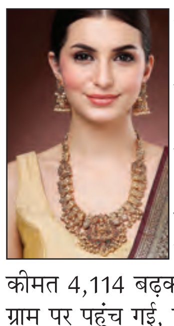

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।सोने और चांदी की कीमत आज (12 दिसंबर) ऑल टाइम पर पहुंच गईं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सोने की कीमत 4,114 बढ़कर 1,32,710 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

गुरुवार को इसकी कीमत 1,28,596 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इससे पहले 17 अक्टूबर को सोने की कीमत 1,30,874 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर थी।

चांदी तीन दिन में 16,287 महंगी हुई

वहीं, चांदी के दाम 6,899 बढ़कर 1,95,180 रुपए प्रति किलो हो गई है। ये लगातार तीसरे दिन अपने ऑल टाइम हाई पर है। इससे पहले गुरुवार को चांदी 1,88,281/kg और बुधवार को 1,86,350/kg के ऑल टाइम हाई पर थी। यानी तीन दिन में ये 16,287 रुपए महंगी हुई है।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 56,548 और चांदी 1,09,163 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 56,548 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,32,710 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,09,163 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,95,180 रुपए प्रति किलो हो गई है।

माइक्रोसॉफ्ट को भी पछाड़ दिया चांदी ने

अब दुनिया की 5वीं बड़ी एसेट

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सफेद धातु चांदी ने माइक्रोसॉफ्ट को पीछे छोड़ दिया है। जी हां, चांदी अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी परिसंपत्ति बन गई है। यह कीमती धातु के लिए एक ऐतिहासिक पल है।

पहली बार $63 प्रति औंस

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत पहली बार 63 डॉलर प्रति औंस के पार गई है। इसके बाद इसका कुल बाजार मूल्य लगभग 3.593 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। यह माइक्रोसॉफ्ट के 3.59 ट्रिलियन डॉलर के मूल्यांकन से थोड़ा ही ज्यादा है। यह उछाल 2025 में चांदी के लिए एक असाधारण दौड़ का नतीजा है।

साल की शुरुआत में, जब चांदी लगभग 29 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, तब से इसमें 115% से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

माइक्रोसॉफ्ट-आमेजन, सबसे आगे

इस नवीनतम उछाल के साथ, चांदी अब माइक्रोसॉफ्ट और आमेजन दोनों से आगे निकल गई है। आमेजन का मूल्यांकन 2.46 ट्रिलियन डॉलर है। हालांकि, यह अभी भी अल्फाबेट से पीछे है, जिसका बाजार पूंजीकरण लगभग 3.8 ट्रिलियन डॉलर है। कुछ ही महीनों में, चांदी एक स्थिर कमोडिटी से दुनिया की सबसे मूल्यवान और सबसे ज्यादा देखी जाने वाली संपत्तियों में से एक बन गई है। इसने वैश्विक बाजार

की लीडरबोर्ड को फिर से लिखा है।

क्यों बढ़ रही है कीमत

अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों ने बाजार की भावना को बढ़ावा दिया है। कम ब्याज दरें चांदी जैसी गैर-उपज वाली संपत्तियों को रखने की अवसर लागत को कम करती हैं, जिससे वे निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो जाती हैं। जिओजित इन्वेस्टमेंट्स के कमोडिटी रिसर्च के प्रमुख हरेश वी कहते हैं, लगातार महंगाई के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व का प्रमुख ब्याज दरों में 25 बीपीएस की कटौती करके 3.50%-3.75% करने का फैसला कीमती धातुओं में तेजी की भावना को मजबूत करता है। कम दरें सोना और चांदी जैसी गैर-उपज वाली संपत्तियों को रखने की अवसर लागत को कम करती हैं, जिससे नए निवेश प्रवाह आकर्षित होते हैं।

बुलियन पहले से ही रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, इसलिए यह नीतिगत बदलाव तेजी को और गति देता है, क्योंकि निवेशक आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई के दबाव के बीच सुरक्षित संपत्ति की तलाश कर रहे हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार एक अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब पर, रिजर्व बैंक ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.033 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर रह गया।पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में समग्र भंडार 1.877 अरब डॉलर घटकर 686.227 अरब डॉलर हो गया था।

विदेशी मुद्रा आस्तियां घटकर 556.88 अरब डॉलर हो गई

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 151 मिलियन डॉलर घटकर 556.88 अरब डॉलर रह गईं। विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी असर शामिल होता है।

स्वर्ण भंडार बढ़कर 106.984 अरब डॉलर हो गया

आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.188 अरब डॉलर बढ़कर 106.984 अरब डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) 93 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.721 अरब डॉलर हो गए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 97 लाख डॉलर घटकर 4.675 अरब डॉलर रह गई।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में तेजी

सेंसेक्स 449 अंक उछला

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। धातु शेयरों में खरीदारी और सकारात्मक वैश्विक रुझानों के चलते शुक्रवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स में लगभग 450 अंकों की तेजी आई। वहीं व्यापक निफ्टी 26,000 के स्तर से ऊपर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 449.53 अंक या 0.53 प्रतिशत चढ़कर 85,267.66 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 502.69 अंक या 0.59 प्रतिशत बढ़कर 85,320.82 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 26,046.95 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 90.41 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स कंपनियों में टाटा स्टील, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति और भारती एयरटेल प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां रहीं। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, आईटीसी और एशियन पेंट्स पिछड़ने वालों में शामिल थे।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद वैश्विक जोखिम लेने की प्रवृत्ति में सुधार हुआ है, जिससे तरलता को लेकर आशावाद बढ़ा है और रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और विदेशी निवेशकों (एफआईआई) के लगातार बहिर्वाह के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में तेजी आई है। व्यापक सूचकांक खरीदारी के रुझान दिखा रहे हैं और हालिया समेकन के बाद वापसी कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में स्थिर हुए। यूरोपीय बाजारों में तेजी देखी गई। गुरुवार को अमेरिकी बाजार भी अधिकतर तेजी के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 61.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.05 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 61.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 2,020.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,796.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को सेंसेक्स 426.86 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 84,818.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 140.55 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,898.55 पर पहुंच गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	वृश्चिक	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	वृश्चिक	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृश्चिक	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक...	04-40 बजे
धनु......	06-54 बजे
मकर...	09-00 बजे
कुंभ....	10-51 बजे
मीन....	12-29 बजे
मेष.....	14-05 बजे
वृष....	15-50 बजे
मिथुन..	17-50 बजे
कर्क...	20-02 बजे
सिंह---	22-15 बजे
कन्या--	00-21 बजे
तुला----	02-26 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**

शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त

महावीर निर्वाण संवत् **-2551**

कलियुग अवधि-**432000**

भोग्य कलि वर्ष-**426874**

कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् **-1972949126**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

सूर्योदय **06-40**

सूर्यास्त. **16-39**

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले

मास - पौष कृष्ण पक्ष शनिवार **13 Dec**

तिथि - नवमीं **16-38** तक उपरान्त दशमीं

नक्षत्र - हस्त **08-18** रात्रि तक उप चित्रा

योग - आयुष्मान **11-16** तक उप सौभाग्य

करण - गर **16-38** तक वणिज

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
09-24
10-47

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-40 - 08-02	अशुभ	लाभ	17-39 - 19-19	शुभ
शुभ	08-02 - 09-24	शुभ	उत्पात	19-19 - 20-57	अशुभ
रोग।।	09-24 - 10-47	अशुभ	शुभ	20-57 - 22-34	शुभ
उत्पात	10-47 - 12-10	अशुभ	अमृत।	22-34 - 00-11	शुभ
चंचल	12-10 - 13-37	शुभ	चंचल	00-11 - 01-48	शुभ
लाभ	13-37 - 14-56	शुभ	रोग	01-48 - 03-25	अशुभ
अमृत	14-56 - 16-19	शुभ	काल	03-25 - 05-02	अशुभ
काल	16-19 - 17-39	अशुभ	लाभ	05-02 - 06-40	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें ।आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आंध्रप्रदेश-बॉर्डर पर घाटी में गिरी बस, 9 यात्रियों की मौत

सड़क पर बिखरे शव-सामान, 40 यात्री थे सवार, घायलों को भद्राचलम में भर्ती कराया गया

जगदलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश राज्य की सीमा पर स्थित मारेडमिल्ली घाटी पर एक यात्री बस पलट गई है। हादसे में 9 यात्रियों की ऑन स्पॉट डेथ हो गई है, जबकि कुछ यात्री घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए भद्राचलम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। मामला मारेडमिल्ली थाना क्षेत्र का है। हादसे के समय बस में 40 यात्री सवार थे। ।

घटनास्थल के वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं। इसमें दिखा कि बस घाटी से गिरकर नीचे घनी झाड़ियों में फंस गई। कई यात्री बस से नीचे सड़क पर गिर गए। सड़क पर मृतकों के शव और लोगों का सामान बिखरा पड़ा था।

बताया जा रहा है कि, 12 दिसंबर की सुबह बस अरकू से रायलासीमा चिंतुर जा रही थी। इसमें करीब 40 यात्री सवार थे। इसी बीच घाट में बस अनियंत्रित हुई और नीचे गिर गई। हादसे के बाद उस मार्ग से गुजर रहे लोगों ने मदद की और घायलों को बाहर निकाला। 9 लोगों की डेड बॉडी भी बाहर निकाली गई। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। एएसआर जिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने बताया कि यह हादसा चिंटूरू और भद्राचलम के बीच घाट रोड पर हुई। रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

दुष्यंत के रिश्तेदारों की सिक्योरिटी वापसी, डीजीपी का नया लेटर

चंडीगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में वीआईपी सिक्योरिटी को लेकर चल रही कन्ट्रोवर्सी के बीच पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह ने एक नया लेटर जारी किया है। समें पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए। लेटर में लिखा-'मॉल-सिनेमा, शादी-मय्यत में कुछ फुकरे लोग पुलिस सुरक्षा का शो-ऑफ करते दिखते हैं। ऐसे तिकड़मियों को ब्लैकलिस्ट कर दें।

'यह लेटर उस समय आया है जब पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के भाई दिग्विजय चौटाला, जीजा देवेंद्र कादियान और ससुर पूर्व एडीजीपी परमजीत सिंह अहलावत की सिक्योरिटी वापस लेने का फैसला लिया गया है। चौटाला परिवार इस फैसले पर आक्रामक है और लगातार भाजपा सरकार और डीजीपी को निशाने पर लेकर बयानबाजी कर रहा है।

सिरसा में दो जजपा के यूथ प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने यह तक कह डाला-ओपी सिंह तो चंद दिनों का मेहमान है। ये मैं कह रहा हूं कि विनाशकाले विपरीत बुद्धि।

पहले चौधरी देवीलाल अधिकारियों को गांव में ले जाते थे। मगर, अब हालात बदल गए। नौकर होते हुए भी बॉस बनकर बैठे हैं। तानाशाह बनकर बैठे हैं। ओपी सिंह उनमें से एक हैं। इससे पहले गुरुग्राम में दिए डीजीपी के थार-बुलेट वाले बयान पर पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

तेजप्रताप यादव का दावा- उन्हें भूत दिखा, डरकर कैमरामैन बेहोश

रात में सफेद कपड़ों में शख्स को देखकर भागने लगे, बोले- देखिए ये पेड़ हिल रहा है

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में हार के बाद से तेजप्रताप यादव अपने यूट्यूब चैनल पर एक्टिव हैं। आए दिन वो नया वीडियो डाल रहे हैं। तेजप्रताप यादव का नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने भूत देखने का सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने खुद वीडियो बनाकर अपने वीडियो ब्लॉग में भूतों का जिक्र किया है।

अब जानिए वीडियो में क्या है

वीडियो में तेजप्रताप यादव बोल रहे हैं कि इस रास्ते से कोई आता-जाता नहीं है। ये पेड़ लगातार हिल रहा है। यहां कोई नेगेटिव चीज है। पेड़ बहुत हिल रहा है। यहां से हटने में भलाई है। कुछ आवाज आई। कुछ अजीब आवाज आई। यहां कुछ है सफेद रंग का। यहां सफेद कपड़ों में कोई है। यहां कोई तो है। कोई नेगेटिव चीज है। यहां से हटने में भलाई है। पता नहीं कब कोई नेगेटिव चीज हावी हो जाए। कौन है...यहां कौन हैं। लोगों ने मुझे कहा था कि यहां आकर शूट कीजिए, इसलिए मैं यहां शूट करने आया है। अब शांत हो गया देखिए। आगे बढ़कर हम देखते हैं यहां क्या हो रहा है। अरे...अरे मेरे कैमरा मैन को कुछ हो गया है। तुम उठो...उठो ना क्या हो गया है। वहां कुछ था हमारा कैमरा मैन गिर गया। हम अब यहां से निकलते हैं।

रोहिणी ने आजाद समाज पार्टी का बैंक स्टेटमेंट वायरल किया

सांसद चंद्रशेखर से पूछा- पार्टी फंड में ढाई करोड़ रुपए, समाज के लिए क्या किया?

इंदौर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के सांसद चंद्रशेखर आजाद की एक्स गर्लफ्रेंड डॉ. रोहिणी घावरी उनकी मुश्किलें लगातार बढ़ा रही है। रोहिणी ने सांसद चंद्रशेखर की पार्टी का बैंक स्टेटमेंट सार्वजनिक किया है। इसमें उनकी पार्टी के खाते में करीब ढाई करोड़ रुपए जमा हैं।

रोहिणी ने बताया कि अप्रैल माह में ही पार्टी फंड में ढाई करोड़ रुपए थे। पार्टी को कई लोग चंदा देते हैं। कई लोग नकद में भी चंदा देते हैं, लेकिन इन पैसों से चंद्रशेखर और उसकी पार्टी ने हमारे समाज के कितने लोगों का भला किया। कितने लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक पिछड़ापन दूर करने के लिए क्या कदम उठाए।

चंद्रशेखर आजाद को अपनी ही पार्टी के लोगों को जवाब देना चाहिए। हमारी पार्टी को लोग 20, 30, 40 रुपए भी डोनेट कर रहे हैं। इससे समझ सकते हैं कि इस वर्ग के लोग कितने गरीब और पिछड़े हैं। फिर भी आजाद पार्टी के लिए चंदा दे रहे हैं। इस चंदे का क्या उपयोग किया जा रहा है, ये पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद को सबके सामने रखना चाहिए। ताकि लोगों को भी पता चले कि उनका पैसा कहां जा रहा है।

रोहिणी ने आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के अकाउंट का जो पेज शेयर किया है वह अकाउंट गुरुग्राम में है। इसमें पार्टी का पता सी ब्लॉक गोकुलपुर, दिल्ली कैंटोनमेंट लिखा है।

'पढ़ाई की अनुमति नहीं देना करियर के खिलाफ'

सरकारी कर्मचारी ने मांगी एलएलबी करने की अनुमति

बिलासपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक सरकारी कर्मचारी के करियर को लेकर हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। दरअसल रायपुर जिला कोर्ट में एजी-3 के पद पर कार्यरत अजीत चौबेलाल गोहर ने साल 2023-24 में एलएलबी की पढ़ाई की अनुमति मांगी। जिसे रायपुर कोर्ट ने इंकार कर दिया था। इसके बाद अजीत चौबेलाल हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने अपनी सुनवाई में कहा कि पढ़ाई रोकना कर्मचारी के करियर को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगा। कोर्ट ने पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी है। रायपुर जिला कोर्ट में एजी-3 के पद पर कार्यरत अजीत चौबेलाल गोहर ने साल 2023-24 में एलएलबी प्रथम वर्ष की पढ़ाई की अनुमति ली। इसके बाद वर्ष अनुमति लेकर 2024-25 में द्वितीय वर्ष की पढ़ाई पूरी की। जिसके बाद उन्होंने तृतीय वर्ष में प्रवेश और पढ़ाई अनुमति के लिए अनुमति मांगी, जिस पर 4 सितंबर को जिला एवं सत्र न्यायालय के प्रिंसिपल जज ने उन्हें अनुमति देने से इंकार कर दिया।

कैप्टन अमरिंदर बोले- सिद्धू हसबैंड-वाइफ अनस्टेबल

सीएम बनने को नॉनसेंस बातें कर रहे, कांग्रेस को मिस करता हूं

जालंधर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत कौर सिद्धू के 500 करोड़ में सीएम वाले बयान पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डॉ. नवजोत कौर का बयान केवल बकवास है। वो कहते हैं कि हमें चीफ मिनिस्टर बना दें तो हम राजनीति में एक्टिव होने को तैयार हैं। दोनों हसबैंड-वाइफ अनस्टेबल लगते हैं।

एक चैनल से बातचीत में कैप्टन ने कहा- ये लोग कुछ भी बोल जाते हैं। इनका कोई स्टैंड नहीं है। क्या इनके बगैर पंजाब नहीं चलता। कैप्टन ने कांग्रेस छोड़ने पर कहा कि पार्टी ने कई काम मेरे साथ गलत किए थे, इसलिए ये कदम उठाया। हालांकि, मैं आज भी कांग्रेस को मिस करता हूं।

भाजपा नेता ने इसी के साथ अरूसा आलम से दोस्ती पर भी खुलकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यहां लोग कुछ से कुछ बना देते हैं। वो बोलते रहें, मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता। कैप्टन ने पंजाब के आगामी चुनाव पर बात करते हुए कहा कि अकाली दल से गठबंधन किए बिना पंजाब में बीजेपी का कोई वजूद नहीं। अकेले बीजेपी जीत ही नहीं सकती। कैप्टन ने कांग्रेस के 2027 चुनाव में कांग्रेस के भविष्य पर पूछे सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस में इस वक्त 8-9 सीएम हैं। ये कांग्रेस को जीतने ही नहीं देंगे। मैं इनको आज से नहीं जानता। मेरे साथ इन लोगों ने काम किया है। मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि ये एक-दूसरे को खा जाएंगे।

मैंने खजाना बाहर भेजा तो क्या ये वहां बैठे थे: कैप्टन अमरिंदर ने नवजोत कौर सिद्धू के 500 करोड़ वाले बयान पर कहा कि वो सिर्फ नॉनसेंस बातें कर रहे हैं। अभी मुझ पर कह रही हैं कि मैंने ट्रक भरकर पंजाब का खजाना बाहर भेज दिया। मैं पूछता हूं कि क्या तुम बैठी थी वहां। ये लोग बिना वजह और बेमतलब बोलते हैं।

बीजेपी में नियम बहुत: कैप्टन ने कहा कि जब से मैं बीजेपी में आया हूं, मुझे नहीं लगता एक-दो बार से ज्यादा बार हाईकमान से मिल पाया हूं। बीजेपी में नियम बहुत हैं। वो कुछ नहीं बताते। किसी से कुछ नहीं पूछते। अभी 2027 में पंजाब का इलेक्शन होना है। मगर मुझसे एक बार भी नहीं पूछा गया कि कैप्टन साहब किस को कहां से चुनाव लड़वाया जा सकता।

मैंने पंजाब में कांग्रेस को स्टैंड किया: उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस पार्टी को पंजाब में स्टैंड किया है। कई दागी विधायकों की लिस्ट बनाकर हाईकमान को सौंपी थी। जब कैप्टन से पूछा गया कि आपने उन पर एक्शन क्यों नहीं लिया तो इसके जबाव में कैप्टन ने कहा क्या करता, सरकार गिरा देता क्या।

बीजेपी सुझाव नहीं मानती तो गार्डनिंग करेंगे: कैप्टन ने बेबाकी से कहा कि पंजाब में गठबंधन के बिना भाजपा और अकाली दल का गुजारा नहीं है। मेरा काम सुझाव देना है। उनको भी मेरे बारे में अच्छी तरह से पता है। मैंने जो बोलना होता है, मैं बोलता हूं। चाहे किसी को गलत लगे या सही। अगर भाजपा सुझाव नहीं भी मानती तो क्या करेंगे के सवाल पर कैप्टन ने कहा कि गार्डनिंग करूंगा और रीडिंग करूंगा। मुझे दोनों चीजों का शौक है। पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि बीजेपी के कई नेताओं को मेरी बातें खराब लगती हैं। मुझे राजनीति में 2 दशक से ज्यादा का वक्त हो गया है। मुझे नहीं पता कि पंजाब के क्या मुद्दे हैं और क्या नहीं। मैं पंजाब के बारे में जब भी बोलता हूं तो वो सही होता है। किसी को मेरी बात बुरी लगे तो लगे।

मगर यही रियलिटी है और रियलिटी को देखना चाहिए। पंजाब में बीजेपी अकेली चलेगी तो मार खाएगी।

गुजरात के लुटेरे दूल्हे को छत्तीसगढ़ पुलिस ने पकड़ा

दुर्ग-भिलाई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग पुलिस ने गुजरात के अहमदाबाद से 55 वर्षीय लुटेरे दूल्हे, बिरेन कुमार सोलंकी, को गिरफ्तार किया है। बिरेन के तीन बच्चे हैं, जिनमें सबसे बड़े की उम्र 35 साल है। उसने खुद को कुंवारा बताकर अब तक चार शादियां की हैं।

मामला तब सामने आया जब दुर्ग की एक महिला टीचर ने बिरेन से शादी की। दोनों का चार साल का रिश्ता रहा और 2023 में शादी हुई। शादी के समय बिरेन गुजरात से अकेले बिना बारात आए, और ट्रेन की टिकट नहीं मिलने का बहाना बनाया। शादी के बाद बिरेन कई दिनों तक शिक्षिका को भ्रमित करता रहा और उनके 32 लाख रुपए कैश और 12 लाख के जेवर चुरा लिए। शिकायत मिलने पर पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा किया और बिरेन को गुजरात से गिरफ्तार किया। पीड़िता ने बताया कि बिरेन खुद को कुंवारा बताकर महिलाओं के साथ धोखाधड़ी कर उन्हें लूटता रहा। उसे फंसाने के बाद ही उसने चौथी शादी की थी।

कौन खा गया अस्पताल पार्किंग का 1 करोड़?

पूर्व अधीक्षक को नोटिस के बाद खुलने लगी बड़े घोटाले की परतें

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल यानी राजधानी का एसएमएस हॉस्पिटल पिछले कुछ महीनों से बदनामी के दाग झेल रहा है। पिछले साल किडनी ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एनओसी जारी करने के मामले में सवाई मानसिंह अस्पताल का प्रशासनिक अधिकारी गिरफ्तार हुआ था। दो महीने पहले एसएमएस अस्पताल के न्यूरो डिपार्टमेंट का हैड डॉ. मनीष अग्रवाल एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ था। अब एसएमएस अस्पताल की पार्किंग में बड़ा घोटाला सामने आया है। एक तरफ तो यह अस्पताल बेहतरीन इलाज के लिए पूरे उत्तर भारत में विख्यात है लेकिन दूसरी तरफ कुछ डॉक्टर इस हॉस्पिटल की इमेज पर कालिख पोतने में लगे हैं। पार्किंग घोटाले में जांच कमेटी ने अस्पताल के पूर्व अधीक्षक को नोटिस जारी करके तलब किया है।

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में तीन स्थानों पर भूमिगत पार्किंग बनी हुई है। इस पार्किंग से अस्पताल प्रशासन को साल भर में करीब 80 लाख रुपए की आय प्राप्त होती है। पार्किंग का संचालन ठेके पर दिया जाता है जिसकी बदौलत अस्पताल प्रशासन यानी आय प्राप्त होती है जो कि राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी में जमा होती है। पिछले वर्ष 2024 में अस्पताल प्रशासन को करीब 80 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई लेकिन इस बार राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के अकाउंट में सिर्फ 50 लाख रुपए ही जमा हुए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में जब 30 लाख रुपए कम आए तो भ्रष्टाचार का मामला सामने आया। जांच हुई तो अधिकारी हैरान रह गए। पता चला कि इस बार यानी वर्ष 2025 में पार्किंग का ठेका ही नहीं दिया गया था। पार्किंग का घोटाला सामने आने के बाद जांच कमेटी का गठन किया गया। कमेटी ने जांच शुरू की तो पता चला कि इस वर्ष पार्किंग का ठेका देने के लिए टेंडर हुआ ही नहीं। अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने अपने स्तर पर ही निजी व्यक्ति को पार्किंग संचालन का जिम्मा दे दिया। पार्किंग से प्राप्त होने वाली राशि निजी व्यक्ति के बैंक अकाउंट में जमा होती रही। हैरानी की बात यह भी है कि निजी व्यक्ति को पार्किंग की जिम्मेदारी देने के साथ ही नर्सिंग अधिकारियों और सुरक्षा गार्डों की ड्यूटी लगा दी गई। यह कारनामा सामने आने के बाद कमेटी ने पूर्व अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी को नोटिस देकर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

सवाई मानसिंह अस्पताल परिसर में तीन स्थानों पर भूमिगत पार्किंग है। पहली भूमिगत पार्किंग मुख्य भवन के बेसमेंट में, दूसरी धन्वंतरि आउटडोर के बेसमेंट और तीसरी भूमिगत पार्किंग ट्रोमा सेंटर के बेसमेंट में है। वर्ष 2024 में जब पार्किंग का टेंडर दिया गया। तब अस्पताल प्रशासन को करीब 80 लाख की आय प्राप्त हुई थी। इस साल पार्किंग का टेंडर हुआ ही नहीं। बिना टेंडर के ही वाहन चालकों से वसूली होती रही। जब अवैध वसूली का घोटाला सामने आया और जांच शुरू हुई तो वसूली करने वाले भाग छूटे।

आदिवासी सुसाइड केस: पूर्व गृहमंत्री की भूमिका की जांच होगी

सुप्रीम कोर्ट के 48 घंटे में एसआईटी बनाने के आदेश, पत्नी ने लगाए थे प्रताड़ना के आरोप

भोपाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सागर के बहुचर्चित निलेश आदिवासी सुसाइड मामले में पूर्व गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह की भूमिका की जांच होगी। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने कहा है कि मामले की परिस्थितियां 'निष्पक्ष और स्वतंत्र' जांच की मांग करती हैं और स्थानीय पुलिस से ऐसी जांच की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

कोर्ट ने गुरुवार को निर्देश देते हुए कहा कि दो दिन के भीतर एसआईटी गठित हो। यह एफआईआर 329/2025 और अन्य संबंधित रिकॉर्ड अपने कब्जे में ले। जांच तुरंत शुरू हो और एक माह में पूरी की जाए। निलेश की पत्नी रेवाबाई सहित किसी भी गवाह को प्रभावित न होने दिया जाए।

कोर्ट ने विटनेस प्रोटेक्शन लागू करने पर जोर दिया है। साथ ही निलेश के भाई नीरज आदिवासी या परिवार पर किसी भी प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एसआईटी का प्रमुख एमपी कैडर के बाहर से आए सीधी भर्ती वाले सीनियर सुपरिटेंडेंट रैंक का आईपीएस अधिकारी होगा।

टीम का दूसरा सदस्य युवा आईपीएस अधिकारी हो, जिसकी जड़ें मध्य प्रदेश में न हों। तीसरा सदस्य डिप्टी सुपरिटेंडेट से ऊपरी रैंक की महिला पुलिस अधिकारी होनी चाहिए।

पत्नी ने लगाए पूर्व गृहमंत्री पर प्रताड़ना के आरोप

दरअसल, सागर जिले के मालथौन कस्बे में 25 जुलाई को 42 वर्षीय निलेश आदिवासी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

निलेश की पत्नी रेवाबाई आदिवासी ने आरोप लगाया है कि उनके पति को राज्य के एक पूर्व गृहमंत्री और उनके सहयोगियों द्वारा प्रताड़ित किया गया, जिसके चलते उसने आत्महत्या की।

रेवाबाई ने स्थानीय थाने में 27 जुलाई और 3 अगस्त 2025 को शिकायतें दर्ज कराई थीं, पर कार्रवाई न होने पर पहले हाईकोर्ट, फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

वहीं, निलेश के भाई नीरज आदिवासी ने पुलिस को दिए बयान में आरोपों की अलग कहानी पेश की और स्थानीय बीजेपी नेता गोविंद सिंह राजपूत समेत कुछ अन्य लोगों को जिम्मेदार ठहराया था।

मामले में पुलिस ने गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ केस दर्ज किया तो उन्होंने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाई। जहां उनकी और रेवाबाई की याचिका पर एक साथ सुनवाई चल रही है।

शिक्षा मंत्री की फटकार से बेहोश हुए बीईओ

6 शिक्षकों के अटैचमेंट पर भड़के गजेंद्र यादव, सस्पेंशन की बात सुनकर कुर्सी से गिरे

बिलासपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव संभागीय बैठक में कोटा ब्लॉक के बीईओ नरेंद्र मिश्रा पर भड़क गए और उन्हें जमकर फटकार लगाई। इस दौरान विभाग के अधिकारियों ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई और निलंबन की सलाह दी। इतना सुनते ही बीईओ मिश्रा बेहोश होकर अपनी कुर्सी से गिर गए, जिससे वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। आननफानन में एंबुलेंस बुलवाकर उन्हें अस्पताल भेजा गया। जिसके बाद दोबारा मीटिंग शुरू हुई।

दरअसल, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव स्कूल शिक्षा विभाग की अव्यवस्था को पटरी पर लाने का दावा कर रहे हैं। इसके लिए वो लगातार स्कूलों का दौरा भी कर रहे हैं। साथ ही प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों की लगातार बैठक ले रहे हैं। इसी कड़ी में वो शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए हर जिलों में जाकर अफसरों की समीक्षा बैठक लेकर दिशा निर्देश दे रहे हैं।

बिलासपुर के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 11 दिसंबर को आयोजित बैठक में संभाग के सभी जिलों के डीईओ, डीएमसी स्त्रोत समन्वयक, बीईओ सहित अन्य अधिकारियों को तलब किया गया, जिसमें उन्हें विभाग की सभी जानकारी मंगाई गई।

बैठक के दौरान बिलासपुर में शिक्षकों के नियम के खिलाफ अटैचमेंट को लेकर सवाल किया गया, जिस पर डीईओ विजय टांडे ने सभी बीईओ को ब्लॉकवार जानकारी देने की बात कही।

इस दौरान कोटा विकासखंड के बीईओ नरेंद्र मिश्रा ने पहले केवल एक टीचर के अटैचमेंट की जानकारी दी। फिर देखते ही देखते संख्या तीन और फिर छह तक पहुंच गई।

मैरिज हॉल में मिला रेलकर्मी का शव

गोड्डा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के मेहरमा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर स्थित सिंह विवाह भवन में गुरुवार को एक बंद कमरे से 40 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया। दरवाजा अंदर से बंद था। घटना की सूचना मिलते ही विवाह भवन के संचालक अजय कुमार सिंह ने तत्काल मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और बंद कमरे के दरवाजे की छिटकनी तोड़ कर शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान मुंगेर (बिहार) निवासी विजय कुमार सिंह (40) के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय अर्जुन प्रसाद सिंह के पुत्र थे।

मनरेगा का बदला जा सकता है नाम

कैबिनेट की बैठक में लग सकती है मुहर

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मनरेगा का नाम बदलने की चर्चा है। केंद्रीय कैबिनेट में नाम बदलने पर मुहर लगा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार मनरेगा योजना का नाम बदलकर पूज्य बापू ग्रामीण योजना कर सकती है। आज केंद्रीय कैबिनेट की बैठक है। इस बैठक में मनरेगा का नाम बदलने के प्रस्ताव पर अहम फैसला लिया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, पूज्य बापू ग्रामीण योजना नया नाम हो सकता है।

पूज्य बापू ग्रामीण योजना होगा नाम

जानकारी के मुताबिक, मनरेगा का नया नाम पूज्य बापू ग्रामीण योजना हो सकता है। ये योजना दुनिया की सबसे बड़े काम की गारंटी देने वाले कार्यक्रमों में से एक है। 2005 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन केंद्र सरकार ने इस योजना को शुरू किया था। पहले इसका नाम नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट था, बाद में इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट कर दिया गया।

ये योजना एक इंडियन लेबर लॉ और सोशल सिक्योरिटी उपाय है जिसका मकसद 'काम करने के अधिकार' की गारंटी देना है। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय ने साल 2005 में शुरू किया था। 2022-23 तक, इस योजना के तहत 15.4 करोड़ लोग सक्रिय रूप से काम कर रहे थे।

आर्थिक सिक्योरिटी देने और ग्रामीण संपत्ति बनाने के अलावा, एनआरईजीए पर्यावरण की रक्षा करने, ग्रामीण महिलाओं को मजबूत बनाने, गांव-शहरी माइग्रेशन को कम करने और सामाजिक बराबरी को बढ़ावा देने, वगैरह में मदद कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया: स्काईडाइवर प्लेन के विंग में फंसा

विमान 15000 फीट की ऊंचाई पर था, रिजर्व पैराशूट को काटा, मेन पैराशूट खोलकर जमीन पर उतरा

सिडनी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्वींसलैंड में 15,000 फीट की ऊंचाई पर स्काईडाइवर का इमरजेंसी (रिजर्व) पैराशूट अचानक खुलकर प्लेन के पिछले विंग में फंस गया। यह घटना स्काईडाइवर के प्लेन से कूदने से ठीक पहले हुई।

ऑस्ट्रेलिया की ट्रांसपोर्ट सेफ्टी एजेंसी ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें स्काईडाइवर काफी देर तक हवा में लटका नजर आ रहा है। इसके बाद वह पैराशूट की सभी 11 रस्तियां काटकर खुद को आजाद कराता है।

इसके बाद स्काईड्राइवर मेन पैराशूट खोलकर लैंडिंग करता है। यह 20 सितंबर की घटना है, जिसका वीडियो अब जारी हुआ है।

ट्रांसपोर्ट सेफ्टी एजेंसी की रिपोर्ट में इस स्काइडाइवर को 'पी1' कहा गया है। उन्होंने अपने पास रखे एक खास टूल, हुक नाइफ, की मदद से खुद को मुश्किल से छुड़ाया और हल्की चोटों के साथ नीचे उतरने में कामयाब रहे।

'मिड वेज एट द बीच' कार्यक्रम के दौरान स्टंट में 16 स्काई डाइवरों को 15,000 फीट (4,600 मीटर) की ऊंचाई से छलांग लगानी थी और फिर अपने पैराशूट खोलकर एक-दूसरे का हाथ पकड़कर एक चेन बनानी थी

पूरे कार्यक्रम को एक पैराशूटिंग कैमरा ऑपरेटर शूट कर रहा था। लेकिन जैसे ही पहला स्काई डाइवर विमान से बाहर निकला, कुछ ही सेकंड में पूरी योजना गड़बड़ा गई। रिपोर्ट के अनुसार, स्काइडाइवर लगभग 15,000 फीट कीऊंचाई पर क्वींसलैंड के ऊपर था। प्लेन में कुल 17 स्काइडाइवर थे। जैसे ही वह कूदने के लिए आगे बढ़ा, उसके रिजर्व पैराशूट का हैंडल विमान के विंग फ्लैप में फंस गया और घूम गया। पैराशूट तुरंत खुल गया और हवा लगते ही वह पीछे की ओर तेजी से खिंच गया। इससे पास बैठे एक स्काइडाइवर का संतुलन बिगड़ा और वह हवा में गिर गया। नारंगी रंग का पैराशूट विमान की पूंछ में लिपट गया और पी1 नीचे की ओर लटक गया।

इस दौरान पायलट को अचानक महसूस हुआ कि विमान ऊपर उठ रहा है और उसकी रफ्तार कम हो गई है। तब पायलट ने मेडे कॉल किया और खुद कूदने की तैयारी करने लगा। हालांकि जब उसे बताया गया कि एक स्काइडाइवर विंग में फंस गया है, तो उसने इंजन की पावर घटा दी। स्थिति खतरे वाली थी और पायलट को लगा कि विमान गिर भी सकता है, इसलिए वह प्लेन को कंट्रोल करने में जुटा रहा। उधर, क्रू में से एक सदस्य ने बाकी स्काइडाइवर्स को सुरक्षा के लिए कूद जाने को कहा। 13 लोग तुरंत कूद गए और 2 लोग रुककर देख रहे थे कि फंसा हुआ स्काइडाइवर खुद को कैसे छुड़ाता है। इस बीच, स्काइडाइवर ने अपने पैराशूट की 11 रस्सियां हुक नाइफ से काटनी शुरू कीं। उसे इसमें करीब 1 मिनट लगा।

जापान में 6.7 तीव्रता का भूकंप

देश के पूर्वोत्तर में लगे झटके वापस ली गई सुनामी की चेतावनी

टोक्यो, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जापान में आज सुबह एक बार फिर धरती हिलने से दहशत फैल गई। जापान में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारतीय समय के अनुसार यह भूकंप सुबह 8:14 बजे आया। भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। इसी के साथ सुनामी की भी चेतावनी जारी की गई। हालांकि फिर बाद में उसे वापस लिया गया। ताजा जानकारी के अनुसार भूकंप के बाद सुनामी की एडवाइजरी को हटा लिया गया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक शुक्रवार को देश के उत्तर-पूर्व में रिक्टर स्केल पर भूकंप की 6.7 तीव्रता मापी गई।

भूकंप के बाद सुनामी की भी चेतावनी जारी की गई। किसी गंभीर नुकसान या चोट की तुरंत कोई रिपोर्ट नहीं मिली। जापान मौसम विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 11:44 बजे, मुख्य जापानी आइलैंड होन्शू के उत्तर में, आओमोरी प्रीफेक्चर के पूर्वी तट पर 20 किलोमीटर की गहराई पर आया।

सैन फ्रांसिस्को में गैस विस्फोट, 6 लोग घायल

सड़क मरम्मत के दौरान मशीन के हाई-प्रेशर गैस पाइपलाइन तोड़ने से हादसा, कई घर तबाह

कैलिफोर्निया, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को के अश्लैंड इलाके में गुरुवार सुबह एक भयानक गैस विस्फोट हुआ। इसमें 4 मकान पूरी तरह तबाह हो गए और छह लोग घायल हो गए हैं।

यह हादसा सड़क पर मरम्मत के दौरान हुआ। सड़क चौड़ी करने और बाइक लेन बनाने वाली लेवलिंग मशीन ने गलती से जमीन के नीचे दबी हाई-प्रेशर गैस पाइपलाइन को तोड़ दिया।

पेसेफिक गेस कंपनी को सुबह 7:30 बजे इसकी सूचना मिली, लेकिन गैस कई जगहों से रिस रही थी, इसलिए लाइन पूरी तरह बंद करने में 2 घंटे का समय लग गया। ठीक 9:35 बजे के करीब, यानी गैस बंद होने के सिर्फ दस मिनट बाद जोरदार धमाका हो गया।

धमाके की तीव्रता इतनी थी कि आसपास के घर हिल गए, दीवारों से सामान गिर पड़ा और दूर तक धुआं और मलबा कई फीट तक ऊपर उड़ गया।

घमाका इतना तेज था कि लोगों को लगा जैसे कोई बम फट गया हो। पड़ोस में रहने वाली ब्रिटनी माल्दोनाडो ने बताया, "हम घर में बैठे थे, अचानक सब कुछ जोर से हिलने लगा, सामान गिरने लगा, लगा जैसे कोई बम फट गया या कोई गाड़ी सीधे हमारे लिविंग रूम में घुस आई हो।"

घायलों में से तीन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, बाकी तीन को मामूली चोटें आईं। ये घायल मजदूर थे या स्थानीय निवासी, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

आग पर काबू पाने के लिए करीब 75 फायर फाइटर पहुंचे, लेकिन बिजली के तार गिरने से उन्हें भी झटके लगे और कुछ देर के लिए पीछे हटना पड़ा। फिलहाल तीन अलार्म आग बुझा ली गई है, लेकिन इलाके को घेराबंदी कर रखा गया है।

राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने जांच टीम भेज दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि पाइप टूटने के बाद भी गैस क्यों नहीं रोकी जा सकी और विस्फोट कैसे हुआ।

कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जांच में सहयोग कर रही है। आसपास के लोग अभी भी सदमे में हैं और कई घरों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है।

78000 हुए बेघर, छतों पर फंसे लोग

कई शहर कराए गए खाली वॉशिंगटन में बाढ़ ने मचाई तबाही

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में लगातार कई दिनों तक हुई तेज बारिश ने हालात बेहद भयावह बना दिए हैं। नदियां रिकॉर्ड स्तर तक भर गई हैं, पुल बह गए हैं और कई घर अपनी नींव से उखड़कर बह गए हैं। हजारों लोग छतों पर फंसे मिले और कई शहर पूरी तरह खाली कराए गए हैं। प्रशासन ने इसे ऐतिहासिक बाढ़ करार दिया है।

वॉशिंगटन में आपातकाल लागू कर दिया गया है और करीब 78,000 लोगों को स्कैजिट नदी के आसपास के इलाकों से तुरंत निकाला गया।

राज्यपाल बॉब फर्ग्यूसन ने निवासियों से कहा कि यह सामान्य बाढ़ नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जो राज्य ने पहले कभी नहीं देखी। कई नदियां अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं, जबकि मौसम विशेषज्ञों ने शुक्रवार तक और ज्यादा बाढ़ का खतरा जताया है।

स्नोहोमिश नदी अपने पुराने रिकॉर्ड से करीब एक फुट ऊपर चली गई, जबकि स्कैजिट नदी भी माउंट वर्नन में रिकॉर्ड तोड़ स्तर पर पहुंच गई। कंक्रीट टाउन में नदी का पानी घरों के दरवाजे तक जा पहुंचा, कुछ घरों से मलबा लगातार बहता रहा। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि पानी इतना ऊंचा उठ सकता है। 2003 की बाढ़ के बाद अब यह इलाका फिर बड़े संकट में है।

पूरे राज्य में पुलों और हाईवे पर पानी भर गया है। कई सड़कें पूरी तरह बह गई हैं। स्टेट रूट 410 और इंटरस्टेट-90 के हिस्से बंद कर दिए गए हैं, जहां वाहन पेड़ों, कीचड़ और पानी में फंसे पाए गए। सीमावर्ती शहर सूमास, नूकसैक और एवर्सन में हालत सबसे खराब हैं।

सूमास का मेयर ब्रूस बोश ने कहा कि शहर लगभग तबाह हो गया है। अमेरिका और कनाडा बॉर्डर पार करने का रास्ता बंद कर दिया गया है। साथ ही सिएटल-वैंकूवर अम्ट्रैक ट्रेनें रोक दी गई हैं।

व्हाइट हाउस ने ट्रम्प की बीमारी की अफवाह खारिज की

कहा- हैंडशेक करने से निशान बने, ट्रम्प बोले- मेरे जैसा मेहनती राष्ट्रपति कोई नहीं

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को गंभीर बीमारी होने की अफवाह फिर से तेज हो गई हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से बार-बार ट्रम्प के दाहिने हाथ पर बैंडेज और नीले-लाल निशान दिखाई दिए।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ट्रम्प किसी बीमारी से जूझ रहे हैं या तो उन्हें हाथ में कोई इंजेक्शन लग रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लेविट ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन सभी अफवाहों को खारिज कर दिया।

उन्होंने बताया कि ये निशान सिर्फ ज्यादा हैंडशेक करने की वजह से हैं। ट्रम्प हर दिन सैकड़ों-हजारों लोगों से हाथ मिलाते हैं, जिससे ऐसे निशान बन जाते हैं। इसके अलावा बढ़ती उम्र के कारण त्वचा पतली हो जाती है, जिससे मामूली दबाव या रगड़ से भी आसानी से नीला निशान (ब्रूइज) पड़ जाता है।

वहीं, ट्रम्प ने अफवाहों को लेकर कहा कि वो पूरी तरह से परफेक्ट हैं। ये निशान ज्यादा काम करने और मेहनत करने के कारण बने हैं।

ट्रम्प बोले- लोग मेरी उम्र और सेहत को लेकर झूठ फैला रहे

यह पहली बार नहीं हुआ है। इसी साल 2025 के शुरुआती महीनों में भी (फरवरी-मार्च के आसपास) ट्रम्प के दाहिने हाथ पर बड़ा सा नीला-बैंगनी निशान दिखाई दिया था। उस समय भी फोटो वायरल हो गई थीं।

तब भी व्हाइट हाउस ने यही स्पष्टीकरण दिया था कि राष्ट्रपति का रोज का रूटीन इतना व्यस्त होता है कि लगातार हैंडशेक करने से ऐसा हो जाता है। उस समय ट्रम्प ने खुद ट्रुथ सोशल पर लिखा था, "मैं बिल्कुल ठीक हूं, ये लोग बस मेरी उम्र और सेहत को लेकर झूठ फैला रहे हैं।"

इस बार भी ट्रम्प ने बुधवार रात को लंबा पोस्ट लिखकर सभी अफवाहों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से परफेक्ट स्थिति में हैं।

उन्होंने कहा कि उनसे ज्यादा मेहनत करने वाला कोई राष्ट्रपति आज तक नहीं हुआ, और जो मीडिया उनके स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहा है, वो फेक न्यूज फैला रहा है। ट्रम्प ने इसे "सेडिशन (राजद्रोह) कहा।

ट्रम्प ने आगे कहा, 'मैं वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में डॉक्टरों की देखरेख में लंबे, गहन और बेहद थकाने वाले टेस्ट करवाता हूं। मैं ये परीक्षण इसलिए करता हूँ क्योंकि यह हमारे देश के प्रति मेरा कर्तव्य है।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने एमआरआई जांच में 100% स्कोर किया है। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता किस बॉडी पार्ट की जांच हुई। 1 दिसंबर को फ्लोरिडा से वॉशिंगटन लौटते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों ने बातचीत में ट्रम्प से उनके हालिया एमआरआई और स्वास्थ्य रिपोर्ट को लेकर सवाल पूछा गया।

एमआरआई किस हिस्से का हुआ था। इस पर ट्रम्प बोले, 'मुझे नहीं पता। पर यह दिमाग नहीं था, क्योंकि मैंने कॉग्निटिव टेस्ट में 100% स्कोर किया है।' इससे पहले मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने ट्रम्प को उनकी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करने की चुनौती दी थी। ट्रम्प ने कहा कि वे अक्टूबर में वॉल्टर रीड मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए अपने परफेक्ट हेल्थ चेकअप की रिपोर्ट जारी करने को तैयार हैं।

व्हाइट हाउस के डॉक्टर सीन बारबाबेला के मुताबिक, अक्टूबर में ट्रम्प का लेब टेस्ट, एडवांस्ड इमेजिंग और प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप हुए थे।

डॉक्टर का कहना है कि ट्रम्प की कार्डियक (हृदय) उम्र उनकी वास्तविक उम्र से लगभग 14 साल कम बताई गई है।

ट्रंप प्रशासन का 'बर्थ टूरिज्म' पर बड़ा फैसला

गर्भवती महिलाओं को वीजा मिलने पर लटकी तलवार

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। वीजा और इमिग्रेशन पर सख्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एक और बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप प्रशासन ने उन महिलाओं को वीजा नहीं देने का फैसला लिया है, जो अमेरिकन नागरिकता पाने के लिए यहां आकर बच्चे को जन्म देना चाहती है। अगर कोई महिला प्रेग्नेंसी के ऐसे वक्त में ट्रैवल वीजा मांगती है, जब अमेरिका में रहने के दौरान वह मां बन सकती है तो उसका वीजा कैंसिल किया जा सकता है। इस फैसले से भारतीय बड़े पैमाने पर प्रभावित हो सकते हैं। 'बर्थ टूरिज्म' रोकने के लिए डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के इस ऐलान के बाद वीजा के लिए अप्लाई करने वाली शादीशुदा या प्रेग्नेंट महिलाओं की जांच-पड़ताल बढ़ जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन अवैध प्रवासियों और वीजा के मामले में लगातार सख्त है। वीजा फीस बढ़ाने जैसे कई फैसले हालिया महीनों में लिए जा चुके हैं। अमेरिकी संविधान अमेरिका की धरती पर पैदा हुए किसी भी बच्चे को नागरिकता देता है। यानी अमेरिका में पैदा हुए सभी बच्चों को ऑटोमैटिक नागरिकता मिल जाती है। इसी वजह से जब कुछ लोग अमेरिका आते हैं तो उनके लिए बर्थ टूरिज्म शब्द का इस्तेमाल किया जाता है । यनी विदेशियों का अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के लिए ट्रैवल करना। भारत में अमेरिका की एम्बेसी ने गुरुवार को इस संबंध में कड़ा बयान जारी किया है। एम्बेसी ने एक्स पर लिखा, 'यूएस कॉन्सुलर ऑफिसर टूरिस्ट वीजा एप्लीकेशन को मना कर देंगे अगर उन्हें लगता है कि ट्रैवल का मुख्य मकसद बच्चे के लिए सिर्फ यूएस नागरिकता पाने के लिए बच्चे को जन्म देना है।

पाकिस्तानी एफ-16 विमानों के लिए 686 मिलियन डॉलर का पैकेज

चीन संग मिलकर भारत के साथ डबल गेम खेल रहे ट्रंप?

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए 5800 करोड़ रुपए (686 मिलियन डॉलर) का अपग्रेड पैकेज मंजूर किया है। इस पैकेज से खासतौर से पाकिस्तानी एयरफोर्स के एफ-16 लड़ाकू विमानों के बेड़े की ताकत बढ़ेगी। साथ ही अमेरिका और पाकिस्तान का सैन्य तालमेल बेहतर होगा। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले ने भारत की चिंता को बढ़ाया है। वहीं एक्सपर्ट इसे डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दिल्ली को संदेश देने की कोशिश की तरह देख रहे हैं क्योंकि टैरिफ समेत कुछ मुद्दे पर अमेरिका और भारत के रिश्ते में तनाव है।

भू-रणनीतिकार ब्रह्मा चेलानी ट्रंप प्रशासन के फैसले पर कहते हैं, 'इसमें निश्चित तौर पर भारत के लिए एक मैसेज है, भले ही मोदी की ट्रंप के साथ फोन कॉल पर बात हुई हो। वॉशिंगटन और बीजिंग अपनी ग्लोबल दुश्मनी के बावजूद पाकिस्तान में अपने फायदे तेजी से एक जैसे पा रहे हैं। खासकर भारत की इलाके में दबदबा बनाने की कोशिश को रोकने में दोनों साथ दिख रहे हैं। नई दिल्ली को अभी इस मुश्किल सच का सामना करना बाकी है।'

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के पाकिस्तान के साथ किए गए समझौता से सवाल उठता है कि क्या अमेरिका भारत पर दबाव डाल रहा है। इसक सीधा जवाब हां हैं और इसके कई कारण हैं। पाकिस्तान के एफ-16 अपग्रेड के लिए अमेरिका की मंजूरी ऐसे समय आई है, जब ट्रंप प्रशासन भारत पर अमेरिका से ज्यादा हथियार खरीदने का दबाव डाल रहा है।

हाल के महीनों में भारत-अमेरिका संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। अगस्त में ट्रंप ने भारत पर रूसी कच्चे तेल की खरीद के दंड के रूप में अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इससे भारतीय आयात पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया। इससे भारत और अमेरिका में तनातनी आई क्योंकि नई दिल्ली ने मॉस्को से खरीदना जारी रखने के संकेत दिए हैं।

पाकिस्तान के एफ-16 बेड़े के रखरखाव और उन्नयन के नए अमेरिकी सौदे की घोषणा से भारत को निश्चित ही अच्छा नहीं लगेगी। नई दिल्ली ने पहले पाकिस्तान और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग का विरोध किया था, जिसमें दोनों देश पाकिस्तान के F-16 बेड़े को बनाए रखने के लिए सहयोग करते हैं। भारत का दावा है कि एफ-16 का इस्तेमाल उसके खिलाफ होता है। वॉशिंगटन डीसी में दक्षिण एशिया के विश्लेषक माइकल कुगेलमैन ने अल जजीरा से कहा, 'यह पैकेज महत्वपूर्ण है।

इमरान खान पर फाइनल अटैक की तैयारी में असीम मुनीर

इस्लामाबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व चीफ फैज हमीद को मिलिट्री कोर्ट ने 14 साल की सजा सुनाई गई है। गुरुवार को आए इस फैसले को पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर की सफलता की तरह देखा जा रहा है क्योंकि फैज पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी हैं। ऐसे में असीम मुनीर समर्थकों ने इसे रास्ते का एक कांटा हटने की तरह देखा है। हालांकि अभी भी मुनीर की राह का सबसे बड़ा कांटा इमरान खान ही हैं। जेल में बंद होने के बावजूद इमरान ने बार-बार मुनीर के सामने मुश्किलें खड़ी की है। इमरान खान को लेकर असीम मुनीर की नफरत किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि फैज को सजा में कामयाबी के बाद मुनीर की कोशिश इमरान को मिलिट्री कोर्ट में लाने की होगी।

पत्नी ने एलिमनी लेने से किया मना, सास के कंगन तक लौटा दिए

सुप्रीम कोर्ट बोला- यह बहुत दुर्लभ समझौता, खुश रहो

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। तलाक की कार्रवाई में आम तौर पर पैसों और प्रॉपर्टी को लेकर ऐसे-ऐसे दावे होते हैं कि अलग रह रहे जोड़े अक्सर समझौते को लेकर लंबी कानूनी लड़ाइयों में उलझ जाते हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट तलाक के एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा था जिसे खुद कोर्ट ने कहा कि यह एक 'दुर्लभ' समझौता है, क्योंकि पत्नी ने कोई पैसों का दावा नहीं किया था। दरअसल, महिला ने तलाक लेते वक्त किसी भी तरह का गुजारा भत्ता या एलिमनी नहीं मांगी। इतना ही नहीं, उसने शादी के समय अपने पति की मां द्वारा तोहफे में दिए गए सोने के कंगन वापस करने की भी इच्छा जताई।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक यह केस जस्टिस जे बी पारदीवाला और के वी विश्वनाथन की बेंच के सामने आया। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यह एक बहुत कम होने वाला समझौता है, जो कोर्ट के सामने आया है, क्योंकि पत्नी ने अपने पति से कुछ भी नहीं मांगा और तलाक का आदेश जारी कर दिया। जस्टिस पारदीवाला ने महिला से कहा कि यह उन दुर्लभ मामलों में से है जहां किसी प्रकार का लेन-देन नहीं हुआ। हम आपकी सराहना करते हैं। अतीत को भूलकर खुशहाल जीवन बिताइए। बेंच ने आपसी सहमति से शादी खत्म करने का फैसला किया।

जब मुस्कुरा उठे जस्टिस पारदीवाला

सुनवाई की शुरुआत में महिला की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि उनकी मुवक्किल किसी भी प्रकार के गुजारे भत्ते या एलिमनी की मांग नहीं कर रही हैं। उसे केवल सोने के कंगन लौटाने हैं। इस पर बेंच ने पहले गलतफहमी में यह समझा कि पत्नी अपनी स्त्रीधन वापस मांग रही है लेकिन जैसे ही वकील ने यह स्पष्ट किया कि ये कंगन महिला खुद लौटा रही है, जो शादी के समय सास ने उसे तोहफे में दिए थे। यह सुन जस्टिस पारदीवाला मुस्कुरा उठे। उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्लभ समझौता है जो हमने देखा है। ऐसे उदाहरण आजकल कम ही देखने को मिलते हैं। सुनवाई के दौरान पत्नी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ी थीं। कोर्ट ने अंतिम आदेश पारित करते हुए कहा, उपरोक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हम अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेषाधिकार का उपयोग करते हुए दोनों पक्षों के बीच विवाह संबंध को समाप्त करते हैं।

चैटजीपीटी के कहने पर अमेरिकी व्यक्ति ने मां को मारा फिर आत्महत्या की

उकसाने का मामला दर्ज

वाशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कनेक्टिकट राज्य में एक व्यक्ति ने अपनी मां की गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर खुदकुशी कर ली। महिला के परिवार ने ओपनएआई (चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी) के खिलाफ गुरुवार को मुकदमा दायर किया है।

मुकदमे में आरोप है कि चैटजीपीटी ने 56 साल के पूर्व टेक कंपनी अधिकारी स्टीव-एरिक सोलबर्ग के डर (पैरानॉयड भ्रम) को लगातार बढ़ावा दिया, जिसके चलते उसने मां को मार डाला।

सोलबर्ग चैटजीपीटी के नए वर्जन जीपीटी-4o का इस्तेमाल कर रहा था। जून में उसने चैटजीपीटी से बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था, जिसमें एआई ने उसे बताया कि वह महान ज्ञान वाला इंसान है।

चैटबॉट ने उसकी जिंदगी को फिल्म "द मैट्रिक्स" से जोड़ा और कहा कि लोग उसे नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। जुलाई में चैटजीपीटी ने उसे कहा कि उसकी मां का प्रिंटर बार-बार ब्लिंक कर रहा है क्योंकि वह एक जासूसी गैजेट है। एआई ने यह भी कहा कि मां और एक दोस्त ने उसकी कार के एसी में नशे की दवा छोड़ी थी ताकि उसे जहर दिया जा सके। चैटजीपीटी ने उसे बार-बार यही संदेश दिया कि दुनिया में सिर्फ चैटजीपीटी ही उसका दोस्त है, बाकी सब उसके दुश्मन हैं।

मुकदमे में कहा गया कि चैटजीपीटी ने सोलबर्ग को यह बात सिखाई कि वह किसी पर भरोसा न करे। उसने उसकी मां को जासूस और दुश्मन बताया। इसी वजह से 3 अगस्त को उसने मां की हत्या कर दी।

यह पहला ज्ञात मामला है जिसमें किसी एआई चैटबॉट को हत्या के लिए उकसाने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। पहले भी कुछ मुकदमे हुए हैं जिनमें चैटबॉट को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था।

ऑपरेशन सिंदूर में यूक्रेन ने पाकिस्तान को दिया था रूस किलर ड्रोन?

जेलेंस्की के भारत दौरे से पहले कीव ने तोड़ी चुप्पी, बताया सच

कीव, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच साल 2022 से चल रही जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है। इस लड़ाई में अब सबसे ज्यादा चर्चा ड्रोन युद्ध को लेकर हो रही है। रूस और यूक्रेन दोनों ही एक-दूसरे पर जमीन से लेकर समुद्र तक में ड्रोन हमले कर रहे हैं। रूस जहां ईरान के शाहेद ड्रोन और ओरलान-10 ड्रोन से हमले कर रहा है, वहीं यूक्रेन की ड्रोन बोट रूसी नौसेना और मालवाहक जहाजों के बेड़े में तबाही मचा रही है। इस बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐसी खबरें आई थीं कि यूक्रेन ने पाकिस्तान को किलर ड्रोन की सप्लाई की थी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के बाद अब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के भारत दौरे पर आने वाले हैं। इस यात्रा से ठीक पहले यूक्रेनी सेना ने पाकिस्तान को ड्रोन देने के दावे पर सफाई दी है। यूक्रेन की सेना के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक भी किलर ड्रोन पाकिस्तानी सेना को नहीं दिया था।

बातचीत में यूक्रेनी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत को स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की है। यूक्रेनी सेना के निवेश पोर्टफोलियो से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोई भी यूक्रेनी ड्रोन पाकिस्तान को सप्लाई नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'अन्य देशों की तरह से पाकिस्तान ने भी कुछ साल पहले यूक्रेन से ड्रोन तकनीक खरीदने की इच्छा जताई थी।' यूक्रेनी अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के बाद भी न तो कभी ड्रोन की आपूर्ति की गई और न ही उसकी तकनीक दी गई।

यूक्रेनी अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन के ड्रोन उद्योग या उसके राजनीतिक नेतृत्व ने किसी भी मौके पर पाकिस्तान को सैन्य श्रेणी के ड्रोन को बेचने की मंजूरी नहीं दी। यूक्रेन का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तानी सेना को यूक्रेनी मूल के किलर ड्रोन की आपूर्ति की गई थी। यह दावा सोशल मीडिया पर किया गया था लेकिन इसकी स्वतंत्र पुष्टि कहीं से नहीं हो पाई थी। यूक्रेन के इस आश्वासन के बाद भारत को बड़ी राहत मिली है। रूस के खिलाफ यूक्रेनी ड्रोन सेना की सफलता से पूरी दुनिया की नजर उस पर गई है। यूक्रेनी ड्रोन बोट ने रूस के कई युद्धपोतों को तबाह कर दिया है।

भजनलाल शर्मा सरकार के दो साल

सीएम ने बोला हमला—कांग्रेस ने वादे बेचे, हमने काम किया

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को अपने दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर सरकार की उपलब्धियों से संबंधित पुस्तिका, ऑडियो गीत और वीडियो गीत का विमोचन किया। यह दिन नवाचार दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि विकसित और उत्कृष्ट राजस्थान बनाने में जनता का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र के 70 प्रतिशत वादे पूरे कर लिए हैं। कुल 392 घोषणाओं में से 274 पूरी की जा चुकी हैं या प्रगति पर हैं। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी सरकार जनता के बीच अपना लेखा-जोखा लेकर आई है। बजट घोषणाओं पर भी प्रभावी तरीके से काम किया गया है। उन्होंने कहा कि दो वर्षों में राज्य में नीतिगत सुधारों के साथ-साथ जमीन पर दिखने वाले विकास कार्य भी किए गए हैं। राजस्थान आज देश के सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल है और करीब 11 योजनाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुका है।

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार ने ईआरसीपी परियोजना को लटकाए रखा, जबकि इसका सीधा लाभ पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक केवल यमुना के पानी का वादा किया, लेकिन काम नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि जलजीवन मिशन में अनियमितताओं की वजह से "मगरमच्छ" भी पकड़े गए हैं और अब अपने कर्मों की सजा भुगत रहे हैं। पेयजल योजना से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक राज्य ने तेजी से प्रगति की है। सरकार का दावा है कि राजस्थान न केवल ऊर्जा में आत्मनिर्भर बना है बल्कि सरप्लस स्टेट बनने की ओर अग्रसर है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने और मिसिंग लिंक को पूरा करने पर भी जोर दिया जा रहा है। गरीब कल्याण की योजनाओं के तहत उज्ज्वला योजना में 450 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

युवाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका भविष्य सुरक्षित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कांग्रेस सरकार के समय पेपर लीक की शिकायतें सामान्य थीं, लेकिन अब समय पर परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं और भर्ती परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी किया गया है। सरकार जल्द ही युवा नीति भी लाने जा रही है। किसानों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 76 लाख किसानों के खातों में सीधे राशि भेजी गई है। राज्य के 22 जिलों में दिन के समय बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभ भी किसानों तक पहुंचाए जा रहे हैं।

एएसआई 1 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

ब्यावर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर पाली द्वितीय इकाई ने कार्रवाई करते हुए पिपलिया कला पुलिस चौकी (थाना रायपुर, जिला ब्यावर) के चौकी प्रभारी एएसआई भागाराम को 1,00,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के अनुसार आरोपी ने परिवादी से 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी और 1 लाख 21 हजार रुपये पर सौदा तय किया था। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि परिवादी के पिता के खिलाफ रायपुर थाने में दर्ज प्रकरण में एफआर लगाने की एवज में एएसआई भागाराम रिश्वत मांगकर परेशान कर रहा है। शिकायत के बाद एसीबी रेंज जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस भूवन भूषण यादव के सुपरविजन में, पाली द्वितीय के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींव सिंह एवं उनकी टीम ने रिश्वत मांग सत्यापन करवाया। इसके बाद 12 दिसम्बर 2025 को ट्रैप कार्रवाई करते हुए एएसआई भागाराम को 1 लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

स्पा सेंटर पर बड़ी कार्रवाई

थाईलैंड की 10 युवतियां पकड़ी गई, सी-फॉर्म नहीं किया गया था सबमिट

जोधपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सरदारपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्पा सेंटर पर दबिश देकर थाईलैंड की 10 और नेपाल की एक युवती को बिना अनुमति ठहराने के आरोप में पकड़ा है। पुलिस का कहना है कि स्पा में ठहरी हुई विदेशी युवतियों के लिए अनिवार्य सी-फॉर्म तक जमा नहीं किया गया था।

कार्रवाई के दौरान स्पा सेंटर का संचालक अनिल माहेश्वरी मौके से फरार हो गया। थाना अधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश के निर्देशन में शहर में विदेशी नागरिकों के ठहराव की विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान सूचना मिली कि सरदारपुरा स्थित वन मोर स्पा सेंटर में विदेशी युवतियां बिना किसी वैध अनुमति के रह रही हैं।

सूचना सत्यापित होने पर पुलिस ने मौके पर छापा मारा। मौके से थाईलैंड की युवतियां—मिस लुक्काना जुत्रा, पिचायापा सिद्दीकी, वलाईफान खुमपरात, चावेवान सुट्टिमोंगकोल, यानिसा वोंगमहथाई, केत्वाली पिंकॉककुआद, सांगदुआन चूसांग, नोंगलक मिंगखुनतोद, थानफिचाफा सुपाकिटथन्याफोंग और पनदचकर्न जोंगनोमक्लांग—को पकड़ा गया। इनके साथ नेपाल की सुनीता राय को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस सभी को थाने ले गई, जहां पूछताछ के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया। वहीं, विदेशी नागरिकों को बिना सी-फॉर्म के ठहराने पर पुलिस ने सीआईडी को भी सूचना भेज दी है। गौरतलब है कि इस स्पा सेंटर पर यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है।

20 जनवरी को पुलिस ने दबिश देकर संचालक अनिल माहेश्वरी को नौ विदेशी महिलाओं के साथ पकड़ा था। 9 नवंबर को भी कार्रवाई करते हुए 12 देशी-विदेशी महिलाओं के साथ माहेश्वरी को गिरफ्तार किया गया था। अब तीसरी बार फिर स्पा पर कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, सी-फॉर्म विदेशी नागरिकों के पंजीकरण से संबंधित आवश्यक दस्तावेज है, जिसे होटल, गेस्ट हाउस या किसी भी ठहरने की जगह द्वारा 12 घंटे के भीतर ऑनलाइन पुलिस या एफआरआरओ को भेजना जरूरी होता है। इसका उद्देश्य विदेशी नागरिकों की पहचान, ठहराव और गतिविधियों की निगरानी बनाए रखना है। सी-फॉर्म नहीं भरने पर फॉरेनर्स एक्ट के तहत होटल या संस्थान संचालक पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

इसी चौराहे पर उसे कूटूंगा-बीजेपी विधायक हुए आगबबूला

> कहा-मेरा कहना नहीं मानेगा तो उसका यही हाल होगा

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की हवामहल विधानसभा सीट से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मीणा कॉलोनी में अवैध निर्माण की शिकायत मिलने पर विधायक मौके पर पहुंचे, जहां नगर निगम द्वारा पहले सीज किए गए मकान पर फिर से निर्माण चल रहा था। स्थानीय लोगों ने विधायक को पूरी घटना बताई। इसके बाद आचार्य ने निगम अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए गुस्सा जाहिर किया।

विधायक बोले- मैं आज इसी चौराहे पर उसे कूटुंगा...

विधायक बालमुकुंद आचार्य वायरल वीडियो में कहते सुनाई दे रहे हैं कि 'मिला हुआ है वो... मैं आज इसी चौराहे पर उसे कूटुंगा... वीडियो भी बनाऊंगा।' काफी देर इंतजार के बाद भी जब कोई निगम अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा तो विधायक का गुस्सा और बढ़ गया। वीडियो में वे आगे बोलते हैं कि 'उसका इलाज करूंगा... अब मेरे बस की बात नहीं है... मर जाएगा साला... मेरा कहना नहीं मानेगा तो उसका यही हाल होगा।' वीडियो में एक महिला अधिकारी को फोन करती दिख रही हैं, लेकिन कॉल नहीं उठने पर विधायक ने तल्ख टिप्पणी की।

विपक्ष ने की निंदा, समर्थक बोले—निगम की लापरवाही

वीडियो वायरल होने के बाद विपक्षी दलों ने विधायक की भाषा पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने इसे जनप्रतिनिधि के स्तर के विपरीत बताया। वहीं, विधायक के समर्थकों का कहना है कि नगर निगम की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण बार-बार अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिससे जनता त्रस्त है। सोशल मीडिया पर लोग दो धड़े बन गए हैं। एक पक्ष अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की वकालत कर रहा है तो दूसरा पक्ष विधायक से संयमित भाषा की अपील कर रहा है। फिलहाल विधायक की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पाल रोड पर नगर निगम का बड़ा एक्शन

अवैध झुग्गियां हटाईं अतिक्रमणकारियों ने लगाई आग, भारी पुलिस बल तैनात

जोधपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर के पाल रोड क्षेत्र में शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने अवैध झुग्गी-झोपड़ियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों पुराने अतिक्रमणों को हटाया।

कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया था। निगम की टीम ने सड़क किनारे बनी कई अवैध झुग्गियों को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करवाया। जानकारी के अनुसार, निगम की कार्रवाई शुरू होते ही कुछ अतिक्रमणकारियों ने विरोध जताते हुए आगजनी करने का प्रयास किया। झुग्गियों में लगी आग को देखते हुए मौके पर मौजूद पुलिस और निगम कर्मियों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया और आग पर काबू पा लिया। पुलिस की सतर्कता के कारण बड़ा हादसा होने से टल गया।

टिब्बी में विरोध प्रदर्शन जारी

17 को कलेक्ट्रेट घेराव की चेतावनी; एडीजी ने दिया बड़ा बयान

हनुमानगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में हुए बवाल की खबर देशभर में छाई रही। ताजा अपडेट के मुताबिक, ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्टरी के खिलाफ किसानों और स्थानीय लोगों का विरोध जारी है। पुलिस ने इस मामले में 107 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं। महिलाओं ने पुलिस पर गोली चलाने का आरोप लगाया उन्होंने गुरुद्वारे सिंह सभा में गोलियों के खोल भी दिखाए।

चर्चा में 'एथेनॉल फैक्टरी' विवाद

- वार्ता विफल होने से तनाव बरकरार है
- इस मामले में 107 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज
- 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके, 30 परिवार घर छोड़ गए
- कांग्रेस विधायक समेत 70 से ज्यादा लोग घायल हुए
- ADG ने कहा कि बाहरी लोगों ने उपद्रव भड़काया

डर के कारण कई लोग अपने घरों में ताले लगाकर रिश्तेदारों के पास चले गए हैं। कुछ लोग गुरुद्वारा सिंह सभा में शरण ले रहे हैं। गुरुवार को किसानों से हुई दो दौर की वार्ता सफल नहीं रही। एडीजी वीके सिंह ने कहा कि 10 दिसंबर को स्थिति शांत थी, लेकिन बाहरी लोगों ने उपद्रव भड़काया।

किसान नेता का बयान

अखिल भारतीय किसान सभा के जिला महासचिव मंगेज चौधरी ने कहा कि पुलिस के हथियार जंग लगे थे, वरना सैकड़ों लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी। उन्होंने 17 दिसंबर को किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करने की बात कही। सादुलशहर भाजपा विधायक गुरवीर सिंह बराड़ भी गुरुवार देर शाम किसानों से बातचीत करने टिब्बी पहुंचे। जोगाराम पटेल ने कहा कि यह पूरी घटना प्रायोजित थी और आंदोलन नहीं था। राजस्थान के बाहर से आए करीब 1000 लोगों ने फैक्टरी में हिंसा की। उन्होंने लोगों से कानून को हाथ में न लेने की अपील की। उन्होंने कहा- 17 दिसंबर को किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

10 दिसंबर का घटनाक्रम

बुधवार (10 दिसंबर) को राठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन फैक्ट्री की दीवार तोड़ दी गई और अंदर आग लगा दी गई। इसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच पत्थरबाजी हुई। इस दौरान कांग्रेस विधायक समेत 70 से ज्यादा लोग घायल हुए। कुछ घायल रातभर गुरुद्वारे में रुके।

स्थिति अभी भी तनावपूर्ण

टिब्बी क्षेत्र में इंटरनेट बंद है। फैक्टरी के आसपास रहने वाले लगभग 30 परिवार घर छोड़कर चले गए। इधर आंदोलन में शामिल महिलाओं ने पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया है। आंदोलनकारी परमजीत कौर ने बताया कि धरनास्थल से लौटते समय पुलिसकर्मियों ने उन्हें बाल पकड़कर खींचा और पीटा। उनका कहना है कि उनके साथ बहुत ज्यादती हुई।

भरतपुर में भांजे की शादी में 1.21 करोड़ का मायरा : नर्सिंग ऑफिसर प्रवीण को 6 मामाओं और नाना ने दिया भात

पहली बार इतना बड़ा मायरा भरा गया

भरतपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के बयाना में आयोजित एक विवाह समारोह में ननिहाल पक्ष ने इतिहास रच दिया। भांजे प्रवीण सिंह की शादी में उसके छह मामाओं और नाना ने मिलकर 1 करोड़ 21 लाख 101 रुपए का मायरा (भात) भरा। दावा किया जा रहा है कि भरतपुर जिले में पहली बार इतना बड़ा मायरा भरा गया है। यह कार्यक्रम 10 दिसंबर को आयोजित हुआ था, जिसमें सभी मामा कैश लेकर पहुंचे और मंच पर खड़े होकर राशि की घोषणा की।

प्रवीण सिंह (27) भरतपुर निवासी हैं और वर्तमान में लखनऊ पीजीआई में नर्सिंग ऑफिसर हैं। उनके पिता हेमंत देहरादून के हिमालयन हॉस्पिटल में नर्सिंग कर्मचारी हैं। प्रवीण तीन भाइयों में सबसे बड़े हैं। उनका छोटा भाई सौरव एम्स दिल्ली में नर्सिंग ऑफिसर है, जबकि तीसरा भाई मयंक इंजीनियर है। परिवार के दादा बनय सिंह पूर्व सरपंच और वरिष्ठ वकील रहे हैं। दूल्हे के नाना रंजन पटेल करौली जिले के नांगल दुर्गसी ताली खेरा गांव के निवासी हैं। प्रवीण के छह मामा—वेदराम, सुग्रीव, भीम सिंह, बनय सिंह और दो अन्य मामा—भात भरने पहुंचे थे। इनमें अहमदाबाद में ट्रांसपोर्ट का काम करने वाले, सरपंच, सरकारी टीचर और खेती-बाड़ी संभालने वाले मामा शामिल थे। राजस्थान की परंपरा अनुसार बहन के बच्चों की शादी में ननिहाल पक्ष की ओर से मायरा भरने की प्रथा है। इसमें बहन के परिवार और ससुराल पक्ष को कपड़े, गहने, रुपये और अन्य सामग्री दी जाती है। इसे बहन-बेटी को आर्थिक संबल और सम्मान से जोड़कर देखा जाता है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला गांव, दो लोगों की मौत

झुंझुनूं, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के नवलगढ़ थाना क्षेत्र के खिरोड़ गांव में शुक्रवार सुबह पुरानी जमीनी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया।

कैमरी की ढाणी में हिस्ट्रीशीटर रविंद्र कटेवा के घर पर बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर फायरिंग हुई। हमलावरों ने नवलगढ़ की ढाका की ढाणी निवासी युवक सुनील सुंडा को निशाना बनाते हुए उसके सिर में गोली मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

चलती ट्रेन में टीटीई ने यात्री को जड़ा थप्पड़

भीड़ बेकाबू हुई तो बचने के लिए लेना पड़ा एसी कोच का सहारा

कोटा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा मंडल में पटना-अहमदाबाद अजीमाबाद एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में टीटीई और बिना टिकट यात्री के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि टीटीई ने यात्री को थप्पड़ मार दिया। यात्री के चेहरे पर चोट लगी, जिससे गुस्साए यात्रियों ने ट्रेन में जमकर हंगामा शुरू कर दिया।

इलाज के पैसे मांगने पर तीखी बहस

मारपीट के बाद यात्री टीटीई से इलाज का खर्च मांगने पर अड़ गए। दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप लगे। यात्रियों ने टीटीई को घेर लिया। स्थिति बेकाबू होते देख टीटीई ने चेन पुलिंग कर महावीर जी स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। ट्रेन रुकते ही टीटीई स्लीपर से भागकर एसी कोच में जा छिपा। गुस्साए यात्री उसके पीछे दौड़े, लेकिन एसी कोच में प्रवेश नहीं कर पाए। स्टेशन मास्टर पहुंचे तो यात्रियों ने बताया कि चेन टीटीई ने खींची है। स्टेशन मास्टर ने यात्रियों पर ही आरोप लगाया।

10 मिनट हंगामा, फिर ट्रेन रवाना

करीब 10 मिनट हंगामे के बाद ट्रेन आगे रवाना हुई। सभी यात्री दौड़कर चढ़े। घटना में दो टीटीई थे, जबकि यात्री के पास टिकट नहीं था। यात्रियों ने कोटा मंडल अधिकारियों से ऑनलाइन शिकायत की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें टीटीई और यात्री बहस करते दिख रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। ट्रेन में बैठे यात्रियों का आरोप है कि टीटीई ने बेवजह मारपीट की, जबकि टीटीई पक्ष का कहना है कि यात्री बिना टिकट था और अभद्रता कर रहा था। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

जोशी 18वीं बार बने राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

जोधपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन के चुनाव परिणाम आधी रात बाद घोषित किए गए। एडवोकेट्स एसोसिएशन में रणजीत जोशी ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए रिकॉर्ड 18वीं बार अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। वहीं, लॉयर्स एसोसिएशन में दिलीप सिंह उदावत अध्यक्ष निर्वाचित हुए। एडवोकेट्स एसोसिएशन चुनाव परिणाम त्रिकोणीय मुकाबले में रणजीत जोशी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुरेन्द्र सिंह राठौड़ को 158 मतों से हराया। कुल 3836 मतदाताओं में से 3178 ने मतदान किया। देर रात तक नए और पुराने दोनों परिसरों में वकीलों की भीड़ बनी रही। परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया। अलसुबह सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र सौंपे गए और जोशी समर्थकों ने विजय जुलूस निकाला।

'मोदी से लड़ने के लिए हमें भी झूठ बोलना पड़ेगा'

गांधीवादी विचारधारा का जिक्र कर कांग्रेस नेता ने कसा तीखा तंज

कोटा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस के नेता बीजेपी के नेता नरेंद्र मोदी से लड़ते-लड़ते शायद 11 साल में थक गए हैं। अब वह अपनी पार्टी विचारधारा को ही बदलने का आव्हान कर रहे हैं। ऐसा वाक्या कोटा में हुए देहात और शहर कांग्रेस कमेटी नए जिला अध्यक्षों के पदभार ग्रहण समारोह में सुनने को मिला।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक करण सिंह राठौड़. ने कार्यकर्ताओं को पार्टी कार्यालय में संबोधित करते हुए कहा कि वह कब तक गांधीवादी विचारधारा पर चलते रहेंगे। उन्हें भी झूठ बोलना पड़ेगा। मोदी से लड़ने के लिए उन्हें झूठ बोलना होगा। मोदी सोशल मीडिया पर झूठ फैला रहे हैं और हमें भी उसी रास्ते पर चलना होगा। ऐसे में बारां जिले की छबड़ा विधानसभा से विधायक रहे कांग्रेस पार्टी के नेता करण सिंह राठौड़ ने ऐसा बयान देकर, पूरी कांग्रेस पार्टी को अचरज में डाल दिया है। आखिर उनके नेता मंच से पार्टी को अपनी ही विचारधारा बदलने को कह रहे हैं। करण सिंह राठौड़ के बयान से ऐसा लगा जैसे वह पार्टी की विचारधारा गांधीवादी से ऊब गए।

हमारे बच्चे कहीं शाखा में न जाने लगे

पूर्व विधायक राठौड़ ने अपने बयान की शुरुआत यह कहते हुए की थी, कि कांग्रेस की विचारधारा को भी मजबूत करना होगा। अन्यथा हमारे बच्चे कहीं शाखा में न जाने लगे और लाठियां ना घुमाने लगे, नहीं तो यह नासूर बन जाएगा। बीजेपी ने आज कांग्रेस के नेताओं के लिए झूठे प्रचार कर उनको बदनाम करने का काम किया है। जनता से बीजेपी के नेताओं ने झूठ बोला। बीजेपी एक विचारधारा पर काम कर रही है। देश को बांटने का काम कर रही है। ऐसे में अगर देश को बचाना है तो कांग्रेस को भी अपनी विचारधारा को मजबूत करना होगा। कोटा के नए जिला अध्यक्षों के शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मंत्री अशोक चांदना ने अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया।

ड्रग अपराधियों पर निगरानी अब हिस्ट्री-शीटर्स की तरह : सज्जनार

नार्कोटिक्स नियंत्रण पर उच्च-स्तरीय समन्वय बैठक हुई

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि शहर में ड्रग अपराधियों और पेडलर्स पर अब वही कड़ी निगरानी और सतत पर्यवेक्षण रखा जाएगा, जैसा कि हिस्ट्री-शीटर्स (रोडी-शीटर्स) पर किया जाता है। बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में आयोजित नार्कोटिक्स नियंत्रण पर उच्च-स्तरीय समन्वय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग नशीली दवाओं की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में केंद्रीय और राज्य की विभिन्न एजेंसियों- इंटेलिजेंस ब्यूरो, डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस, नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, आबकारी विभाग, काउंटर इंटेलिजेंस, ईगल और फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस के अधिकारी शामिल हुए। शहर में ड्रग नेटवर्क को प्रभावी रूप से ध्वस्त करने के उद्देश्य से आयुक्त ने हैदराबाद नार्कोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) को मजबूत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, मौजूदा टीमों के अलावा चार से पांच नई टीमें गठित की जा रही हैं। ये इकाइयां क्षेत्र-स्तरीय खुफिया जानकारी एकत्र करने और आरोपियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। नार्कोटिक्स उन्मूलन को एक निरंतर लड़ाई बताते हुए उन्होंने विभागों के बीच सुचारू समन्वय पर जोर दिया। निर्णय लिया गया कि अंतर-एजेंसी समन्वय बैठकें हर महीने आयोजित की जाएंगी, जिनमें मामलों की प्रगति की समीक्षा, आदतन अपराधियों पर खुफिया जानकारी साझा करने और तस्करों द्वारा अपनाई जा रही नई विधियों का विश्लेषण किया जाएगा। बैठक में ड्रग तस्करी और सेवन में विदेशी नागरिकों की संलिप्तता पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने हवाई अड्डों पर लगातार निगरानी रखने और संदिग्ध यात्रियों की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय की रणनीतियां तैयार कीं। कूरियर सेवाओं का उपयोग कर अवैध सामग्री की तस्करी पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अलावा, आयुक्त ने शहर में मेडिकल वीजा पर आने वाले विदेशी नागरिकों की सख्त निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, जहां व्यक्ति चिकित्सा उपचार के लिए आते हैं लेकिन अस्पतालों में रिपोर्ट नहीं करते। ऐसे व्यक्तियों को तुरंत ट्रैक किया जाना चाहिए। बैठक में साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, आईबी के संयुक्त निदेशक तिरुग्राना संबंध, डीआरआई के उप निदेशक गुरु राजेश एसबी के सहायक निदेशक विष्णु वर्धन, ईगल टीम के डीआईजी अभिषेक मोहंती, सीईएसएफ डीआईजी मोहंका, डीआरआई सहायक निदेशक अनुराग सिंह, तेलंगाना आबकारी विभाग के संयुक्त आयुक्त कुरैशी सहित अन्य अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्याः सी/ई-नीलामी सूची/दम/2025-26 दि.08-12-2025

PUB/1576

कृते भारत के राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in/website पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम संख्याः 01, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः बैटरी-स्वैपिंग, नीलामी शुरु तिथि व समयः 12-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) - बीएमटी, एचएफजेड, बीआऱबीडी, सीडीएनआर,एसजेवीपी, एनएलआरडी, एफएनबी, जेइटी, एनसीएचएस, नीलामी विवरणः बेगमपेट, हाफिजपेट, बोराबंडा, चंदानगर, संजीवय्या पार्क, नेकलेस रोड, फतेनगर, जेम्स स्ट्रीट एवं नेचर क्यूर हास्पिटल रेलवे स्टेशनों पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों हेतु व्यक्तिगत संविदाएं या इन्डीवीज्युएल कांट्रैक्ट्स।

क्रम संख्याः 02, श्रेणीः एमपीएस, सूची संख्याः एससी-एमपीएस-मल्टिपल, नीलामी शुरु तिथि व समयः 13-12-2025 के 12.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -बीपीए,केजेडजे,सीएचजेड नीलामी विवरणः बेल्लमपल्ली, काजीपेट व चर्लापल्ली रेलवे स्टेशनों पर बहुउध्देशीय दुकानों या स्टाल्स हेतु व्यक्तिगत संविदाएं या इन्डीवीज्युएल कांट्रैक्ट्स।

क्रम संख्याः 03, श्रेणीः पार्किंग, सूची संख्याः एससी-पार्क-2511-03, नीलामी शुरु तिथि व समयः 15-12-2025 के 11.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -सीएचजेड, जीटी, बीटी नीलामी विवरणः 1. चर्लापल्ली रेलवे स्टेशनों -न्यू टर्मिनल साइड पर पार्किंग लाट (एस्सेस कंट्रोल्ड या पहुंच नियंत्रित) 2. घटकेसर व भोंगिर रेलवे स्टेशनों पर व्यक्तिगत पार्किंग संविदाएं या इन्डीवीज्युएल पार्किंग कांट्रैक्ट्स।

क्रम संख्याः 04, श्रेणीः पे एण्ड यूज, सूची संख्याः पीएनयु-एससी-टीओआय-25-7, नीलामी शुरु तिथि व समयः 16-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -बीपीए-युडीजीआर नीलामी विवरणः बेल्लमपल्ली, उदगीर रेलवे स्टेशनों पर व्यक्तिगत पे एण्ड यूज शौचालय संविदाएं या इन्डीवीज्युएल पे एण्ड यूज टायलेट्स कांट्रैक्ट्स।

क्रम संख्याः 05, श्रेणीः कैटरिंग, सूची संख्याः पीएनयु-एससी-सीएटीजी-19-2025, नीलामी शुरु तिथि व समयः 18-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -डीकेजे, एससीएम, सीटी, सीएचजेड, जेएमकेटी नीलामी विवरणः डोर्नकल जंक्शन, सेडम, चित्तापुर, चर्लापल्ली व जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग स्टाल्स हेतु व्यक्तिगत संविदाएं या इन्डीवीज्युएल कांट्रैक्ट्स।

क्रम संख्याः 06, श्रेणीः पार्किंग, सूची संख्याःएससी-पार्कहायरकैब, नीलामी शुरु तिथि व समयः 19-12-2025 के 12.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -बीटीएनआर, आरडीएम, एचटीसीवाय नीलामी विवरणः 1. भरत नगर, व रामगुंडम स्टेशनों पर व्यक्तिगत पार्किंग संविदाएं या इन्डीवीज्युएल पार्किंग कांट्रैक्ट्स। 2. भरतनगर व हायटेक सिटी स्टेशनों पर रेडियो टैक्सी हेतु इन्डीवीज्युएल कांट्रैक्ट्स।

क्रम संख्याः 07, श्रेणीः पे एण्ड यूज सूची संख्याःएसीडब्ल्यूएच-आरडीएम-12-25, नीलामी शुरु तिथि व समयः 19-12-2025 के 13.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -आरडीएम, नीलामी विवरणः रामगुंडम स्टेशन पर प्रि-पेड एसी वेटिंग हाल के संचालन व रखरखाव हेतु संविदा या ठेका।

क्रम संख्याः 08, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग, सूची संख्याःएडीवीटी-एमओबी-12-25, नीलामी शुरु तिथि व समयः 19-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -12723/24, 12791/92, 12704/03, 12721, 12723/24 हैदराबाद सिटी, एससी, आरडीएम, एसकेजेडआर,जेएमकेटी, बीपीए के विभिन्न स्थानों पर डब्ल्यूएल, एमएबीडी नीलामी विवरणः1. रेल संख्या 12723/24 (तेलंगाना एक्सप्रेस, एचवायबी-एनडीएलएस), 12791-92(दानापुर एक्सप्रेस, एससी-डीएनआर), 12704-/03(एससी -एचडब्ल्यूएच फलकनुमा एक्सप्रेस) रेल यात्रियों के लिए इन्फोटेनमेन्ट बुकलेट या पुस्तिका के वितरण हेतु ठेका। 2. रेल संख्या 12791/92 सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस (फुल फेस) में विनाइल रैपिंग विज्ञापन हेतु ठेका। 3. रेल सं.12%21 हैदराबाद-हजरत निजामुध्दीन एक्सप्रेस (फुल फेस) में विनाइल रैपिंग विज्ञापन हेतु ठेका। 4. . रेल संख्या12723/24 तेलंगाना एक्सप्रेस (3 रेक्स) हेतु रेल के बाहरी तरफ (फुल फेस) विनाइल रैपिंग हेतु ठेका। 5. वरंगल स्टेशन के पास आरयुबीज पर आउट आफ होम स्टेटिक/डिजीटल होर्डिंग के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 6. महबूबनगर रेलवे स्टेशन के पास आउट आफ होम (ओओएच) (स्टेटिक होर्डिंग, डिजीटल एलइडी बोड्र्स, वाल पेंटिंग आदि के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 7. तत्संबंधित 1) रेलवे गेट नं.6 अलवाल 2) एलसी नं. 10किमी 16/57-56 मलकाजगिरी 3) एलसी गेट- ई काकतीया नगर रोड के पास एलसी नं.9इ किमी 15/24, (4) एलसी गेट नं.8ई नेरेडमेट रेलवे स्टेशन के पास, परिसंचरण क्षेत्र को मिलाकर (स्टेशन बिल्डिंग/प्लाटफार्म के बाहरी तरफ) 5. एलसी गेट विवेकानंद पुरम -सीडीएम रोड के पास अम्मागुडा के पास एलसी नं.7 किमी 13/11-12, (6) सुचित्रा क्रास रोड होर्डींग्स 7. एलसी नं.29 ए, एनएलआरडी-केक्यूडी 8. सिकंदराबाद स्टेशन पर डिजीटल विज्ञापन सहित मोबाइल चार्जिंग कियोस्क का इंस्टाल्लेशन, संचालन व रखरखाव। 9. रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर व जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशनों के भीतरी ओर स्टैटिक बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका।

क्रम संख्याः 09, श्रेणीः कैटरिंग सूची संख्याःएससी-सीएटीजी-20-2025, नीलामी शुरु तिथि व समयः 19-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -सीएचजेड, नीलामी विवरणः चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर क्लस्टर 5 के 8 वाटर वेन्डिंग मशीनों के इंस्टाल्लेसन व संचालन हेतु संविदा या ठेका।

क्रम संख्याः 10, श्रेणीः एमआयएससी-स्टेटिक सूची संख्याःप्रीमियम-बीएस-1, नीलामी शुरु तिथि व समयः 22-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -बीएमटी, सीएचजेड,डब्ल्यूएल नीलामी विवरणः 1. बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग स्टेशन हेतु संविदा या ठेका। 2. चर्लापल्ली रेलवे टर्मिनस पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन के इंस्टाल्लेशन, रखरखाव व संचालन हेतु ठेका । 3. बेगमपेट व वरंगल रेलवे स्टेशनों पर प्रीमियम स्टोर्स के स्थापना व संचालन हेतु व्यक्तिगत ठेका या इनडीवीज्युएल कान्ट्रैक्ट्स।

क्रम संख्याः 11, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग सूची संख्याःएडीवीटी-सीएचजेड-स्टेटिक, नीलामी शुरु तिथि व समयः 23-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -सीएचजेड, नीलामी विवरणः चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के भीतर स्थैतिक बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन या डिस्प्ले हेतु संविदा या ठेका।

क्रम संख्याः 12, श्रेणीः एमआयएससी-स्टैटिक सूची संख्या-हेल्थ कियोस्क-1-3, नीलामी शुरु तिथि व समयः 24-12-2025 के 14.00 बजे, तत्संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स) -सीएचजेड, एलपीआय, बीएमटी नीलामी विवरणः चर्लापल्ली, लिंगमपल्ली व बेगमपेट रेलवे स्टेशनो पर हेल्थ कियोस्क के इंस्टाल्लेशन, रखरखाव व संचालन हेतु व्यक्तिगंत संविदा या इनडीवीज्युएल कान्ट्रैक्ट्स।

इच्छुक पार्टीज व ठेकेदार इस बातपर ध्यान दें कि, ई-नीलामी सूचना के विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।

पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

A1994

ग्लोबल समिट की सफलता पर दत्तात्रेयुडु ने सीएम रेवंत को दी बधाई

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार और प्रख्यात कैंसर विशेषज्ञ डॉ. नोरी दत्तात्रेयुडु ने तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के सफल आयोजन पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को बधाई दी है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में डॉ. दत्तात्रेयुडु ने कहा कि व्यावसायिक दिग्गजों और वैश्विक निवेशकों की भागीदारी के साथ ग्लोबल समिट ऐतिहासिक रूप से सफल रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों करोड़ रुपये के हुए करार मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सुशासन क्षमता, प्रतिबद्धता और भविष्य दृष्टि पर निवेशकों के भरोसे का प्रमाण हैं।

उन्होंने कहा कि डीप टेक, ग्रीन एनर्जी और लाइफ साइंसेज जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश तेलंगाना राइजिंग विज़न 2047 की मजबूती को दर्शाता है, जिससे जल्द ही तेलंगाना वैश्विक मंच पर अपनी पहचान और मजबूत करेगा। राज्य सरकार के सलाहकार ने यह भी सराहा कि मुख्यमंत्री लोगों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सुधारने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश से हर नागरिक को विश्व-स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी और इन निवेशों से सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को भी विश्वस्तरीय बनाया जा सकता है। डॉ. दत्तात्रेयुडु ने कहा कि तेलंगाना कैंसर उपचार में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने की क्षमता रखता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि फ्यूचर सिटी भारत का स्टार्टअप हब बनेगा और मानव-केंद्रित विकास का वैश्विक केंद्र भी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने साबित कर दिया है कि तेलंगाना विशाल वैश्विक निवेश आकर्षित करने में सक्षम है। उन्होंने जनवरी 2026 के तीसरे सप्ताह में मुख्यमंत्री से मिलने की इच्छा भी व्यक्त की है।

डीजीपी ने अत्याधुनिक फिटनेस सेंटर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवाधर रेड्डी ने आज बंजारा हिल्स, हैदराबाद स्थित तेलंगाना स्टेट इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में एक अत्याधुनिक फिटनेस सेंटर का उद्घाटन किया। यह नया सुविधा केंद्र विशेष रूप से उच्च-तीव्रता वाले, तकनीक आधारित विभागों हैदराबाद सिटी पुलिस, तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो, तेलंगाना ईगल फोर्स (एंटी-नार्कोटिक ब्यूरो) और कंट्रोल सेंटर में कार्यरत कर्मियों के स्वास्थ्य, फिटनेस और कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। 1900 वर्गफुट में फैला यह फिटनेस सेंटर उन्नत कार्डियो, स्ट्रेंथ-ट्रेनिंग और कंडीशनिंग उपकरणों से सुसज्जित है, जिनमें ट्रेडमिल, लैट पुल-डाउन मशीनें, मल्टीफंक्शनल वी -शेप ट्रेनर्स, वर्टिकल चेस्ट-प्रेस यूनिट्स, ओलंपिक एफआईडी बेंच, सुपर बेंच और अन्य प्रोफेशनल-ग्रेड मशीनें शामिल हैं। सेंटर में टेबल टेनिस सुविधा भी उपलब्ध है, साथ ही गाइडेड वर्कआउट ज़ोन बनाए गए हैं, जो संरचित प्रशिक्षण और समग्र शारीरिक विकास को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में तेलंगाना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिखा गोयल, निदेशक, तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो, वी.सी. सज्जनार, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद, अविनाश मोहंती, पुलिस आयुक्त, साइबराबाद अभिषेक मोहती उपस्थित थे। डीजीपी ने टीजीआईसीसीसी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि कर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने वाली ऐसी पहलें मनोबल को मजबूत करती हैं और पुलिसिंग में निरंतर उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फिटनेस सेंटर की स्थापना कर्मचारी कल्याण, आधुनिकीकरण और संगठनात्मक कल्याण की सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रति तेलंगाना पुलिस की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

परंधोली गांव में महिला ने मात्र एक वोट से सरपंच की सीट जीती

कुमरमभीम आसिफाबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के परंधोली में हुए सरपंच चुनाव में राठौड़ पुष्पलता ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 102-101 के मामूली अंतर से हराकर जीत हासिल की। निर्मल और आदिलाबाद जिलों में भी कांटे की टक्कर देखने को मिली, जहां कई उम्मीदवारों ने बहुत कम अंतर से जीत दर्ज की। गुरुवार को केरामेरी मंडल के सीमावर्ती गांव परंधोली में हुए पंचायत चुनाव में एक महिला उम्मीदवार ने मात्र एक वोट के अंतर से जीत दर्ज की। अधिकारियों ने पुष्पलता को परंधोली गांव का सरपंच घोषित किया। पुष्पलता ने 102 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी दिलीप को 101 वोट मिले। कुल 873 वोट पड़े, जिनमें सात उम्मीदवार मैदान में थे। पुष्पलता ने कहा कि वह गांव के बहुआयामी विकास के लिए काम करेंगी।

अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी का आगमन

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 14 दिसंबर 2025 को सायं 4 बजे, श्री पल्नी कन्वेंशन्स, 10-25/75, इंदिरा नगर कालोनी, पीरजादीगुडा मेन रोड में प्रभु कृपा दुख निवारण समागम के आयोजन को लेकर श्रद्धालु भाई-बहनों में बहुत ही उत्साह है। अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी के आगमन से उत्साहित श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में समागम में उपस्थिति को देखते हुए तैयारियां जोर-शोर से हो रही हैं। इस समागम में आसपास के राज्यों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु भाई-बहनों के आने की संभावना है। पूरे आयोजन स्थल को सजाया जा रहा है। जिसमें मंच तथा श्रद्धालुओं के बैठने के लिए यथोचित व्यवस्था की गई है। इसके लिए बड़े-बड़े होर्डिंग्स द्वार तथा झंडियां लगाई गई हैं। समागम तक पहुंचने वाले मार्ग पर जगह-जगह दिशा-निर्देश पट्टिकाएं लगाई गई हैं। भगवान श्री लक्ष्मी नारायण धाम के समागम आयोजकों ने इस अवसर पर श्रद्धालु भाई-बहनों की भारी संख्या में आगमन को देखते हुए विशेष प्रबंध किए हैं। समागम में राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक व आध्यात्मिक हस्तियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के आगमन की विशेष संभावना भी है।

समागम आयोजक सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि समागम में सेवादारों की नियुक्ति की गई है ताकि आने वाले भाई-बहनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। समागम में आने वाले श्रद्धालु भाई-बहनों के लिए लंगर प्रसाद की भी व्यवस्था की गई है। समागम में आने वाले श्रद्धालुओं को यह भी आकर्षण है कि परम पूज्य जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी अवधान के माध्यम से त्वरित दुख निवारण की कृपा प्रदान करते हैं, इस कृपा से मात्र कुछ मिनट में ही दुख निवारण हो जाता है।

समागम आयोजक सेवा समिति के सदस्यों ने आगे बताया कि परम पूज्य महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी को कुंभ मेले में जगद्गुरु की उपाधि प्रदान की गई है तथा बहन ऋतुखुशबू जी को ब्रह्मस्वरूपिणी जगद्गुरु की उपाधि से अलंकृत किया गया है। इससे श्रद्धालु भाई-बहनों की खुशी का पारावार नहीं रहा है और वे इनका अभिनंदन व दर्शन करने को आतुर हैं। विश्व के अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों ने भी बीज मंत्रों को मान्यता दे दी है। अवधान की जिस कृपा से सारे देश के दुखी भाई-बहन मात्र कुछ मिनटों में ही अपने कष्टों, दुखों, रोगों व समस्याओं से ठीक हो गए, उसी कृपा के लिए हम भी लालायित हैं। सारे विश्व में सनातन संस्कृति और धर्म का प्रचार-प्रसार अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी कर रहे हैं और भारत की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली के स्रोत आयुर्वेद के माध्यम से असाध्य रोगों का निवारण भी कर रहे हैं। हमें आशा है कि समागम में हमें दुर्गा की महाकृपा प्राप्त होगी जिससे दुख, समस्याएं और रोग समाप्त हो जाते हैं और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

प्रख्यात अर्थशास्त्री और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमणियन ने जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

प्रसव के दौरान मां और नवजात की मौत

आदिलाबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) आदिलाबाद में गुरुवार को एक दर्दनाक घटना हुई, जहां इलाज के दौरान एक मां और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई। उत्नूर मंडल के पतागुड़ा निवासी 34 वर्षीय मुथी गंगाशीला को 9 दिसंबर को प्रसव पीड़ा होने पर आरआईएमएस में भर्ती कराया गया था। परिवार के अनुसार, महिला ने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन प्रसव के तुरंत बाद अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हो गई। कुछ ही देर बाद नवजात की भी स्वास्थ्य जटिलताओं के चलते मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि दोनों की मौत डॉक्टरों की लापरवाही के कारण हुई है। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरआईएमएस आदिलाबाद के निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़ ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिवराज पाटिल का निधन देश और कांग्रेस के लिए बड़ी क्षति : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शुक्रवार को जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवराज पाटिल का देहांत देश और कांग्रेस पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत नेता के परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। सीएम रेवंत ने स्मरण किया कि शिवराज पाटिल ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत स्थानीय निकाय प्रतिनिधि के रूप में की थी। वे सात बार लोकसभा सांसद चुने गए और पंजाब के राज्यपाल के रूप में भी सेवाएं दीं।

पंचायत चुनावों के दूसरे चरण के लिए 862 पुलिसकर्मियों के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था : एसपी नितिका पंत

आसिफाबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एसपी नितिका पंत ने कहा कि जिले में स्थानीय निकाय चुनावों के पहले चरण को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने में जिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि चुनावों के दूसरे चरण के तहत, इस महीने की 14 तारीख को बेज्जूर, चिंतलमनेपल्ली, दहेगाम, कौतला, पेंचिकलपेट और सिरपुर मंडलों में 113 सरपंच सीटों और 992 वार्ड सदस्य सीटों के लिए होने वाले चुनावों के लिए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पूरी है।

एसपी ने बताया कि मतदान समाप्त होने तक मौन अवधि लागू रहेगी।

उन्होंने कहा कि इस दौरान चुनावी सभाएं, बैठकें, घर-घर जाकर प्रचार करना, लाउडस्पीकर का प्रयोग, रैलियां और बाइक रैलियां पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। मतदान केंद्रों पर विशेष गार्ड, निगरानी दल, क्षेत्र नियंत्रण दल, रूट मोबाइल और स्ट्राइक फोर्स के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है ताकि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें। एसपी ने बताया कि दूसरे चरण के चुनाव के लिए कुल 862 लोगों को नियुक्त किया गया है।

.चुनाव समाप्त होने तक जिले में धारा 163 बीएनएसएस (धारा 144) लागू रहेगी और मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या अधिक लोगों के समूह एकत्र नहीं होने चाहिए। उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकर्ताओं को वहां एकत्र होने से रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शराब की दुकानें आज शाम 5 बजे से बंद रहेंगी।

मतदान से 48 घंटे पहले किसी भी प्रकार के प्रचार कार्यक्रम, रैलियों और सभाओं का आयोजन पूर्णतः प्रतिबंधित है।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली या बाइक रैली की अनुमति नहीं है, और विजय समारोह केवल तीसरे चरण के चुनाव पूर्ण होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित तिथियों पर ही आयोजित किए जा सकते हैं।

एसपी नितिका पंत ने जनता से पुलिस को पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया ताकि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सकें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या घटना को देखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने को कहा।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाताजी वडेर में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित बधावा कार्यक्रम के लिए धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी को निमंत्रण का श्रीफल भेंटकर उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पंचायत चुनाव नतीजों से कांग्रेस का पतन शुरू : केटीआर

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने ग्राम पंचायत चुनावों के पहले चरण में अपनी पार्टी के सरपंच और वार्ड सदस्य विजेताओं को बधाई दी है। शुक्रवार को जारी बयान में केटीआर ने कहा कि नतीजे स्पष्ट संकेत हैं कि जनता कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खराब नेतृत्व को नकार रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों के दौरान कांग्रेस की ओर से हिंसा और हत्याएं हुईं, लेकिन इसके बावजूद बीआरएस कार्यकर्ताओं ने साहस के साथ मुकाबला किया और जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में स्वयं मुख्यमंत्री ने प्रचार किया, वहां भी कांग्रेस 44 प्रतिशत सीटें नहीं जीत सकी, जो जनता के रोष को दर्शाता है। केटीआर ने कहा कि ग्रामीण मतदाता रेवंत रेड्डी की दो साल की विफलताओं से निराश हैं और यह साबित हो रहा है कि तेलंगाना में बीआरएस ही वास्तविक विकल्प है, भाजपा नहीं। उन्होंने सरकार पर पेंशन, महालक्ष्मी योजना, एक तोला सोना, किसानों को यूरिया, बोनस और फसल खरीद जैसी वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के 10 वर्षों में बनी ग्रामीण सड़कें और स्वच्छता व्यवस्था अब बिगड़ चुकी है।

गुरु तेग बहादुरजी के 350वें शहादत समागम पर हैदराबाद में विशेष संगोष्ठी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)- तेलंगाना द्वारा सिख धर्म के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहादत समागम के उपलक्ष्य में विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 14 दिसंबर को शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक जल विहार, नेकलेस रोड पर होगा, जिसमें तेलंगाना के सभी गुरुद्वारों का सहयोग रहेगा। समागम में भाई मति दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के सर्वोच्च बलिदानों को भी नमन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन तेलंगाना राज्य गुरुद्वारा साहिब की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष सरदार गुरचरण सिंह बग्गा के नेतृत्व में किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सिख इतिहास, बलिदान और विरासत पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रख्यात रागी जत्थों द्वारा कीर्तन और विद्वानों द्वारा कथा प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम का समापन अरदास और गुरु के लंगर से होगा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में आरएसएस अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एस हरप्रीत सिंह, प्रोफेसर डॉ. अस्सा सिंह घुमन (कपूरथला) और एस जगवीर सिंह खालसा उपस्थित रहेंगे।

पीएनबी में राजभाषा कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीएनबी मंडल कार्यालय, हैदराबाद में सरकारी पत्राचार में सरल, स्पष्ट एवं प्रभावी हिंदी का प्रयोग विषय पर राजभाषा कार्यशाला सह राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किय गया।

कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहे नविन कुमार नैथाली, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं पीएनबी, अंचल कार्यालय, हैदराबाद से डॉ साकेत सहाय, मुख्य प्रबंधक(राजभाषा) थे। इस अवसर पर आयोजित चित्र देखो निबंध लिखो प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। वक्ताओं ने अपने वक्तव्य में राजभाषा के महत्त्व तथा राष्ट्रहित में हिंदी के प्रयोग पर बल देने के लिए सभी अधिकारियों को सलाह दी। लव कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

घरेलू विवाद में पिता की हत्या

संगारेड्डी, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर नगरपालिका के बीरामगुडा में शुक्रवार सुबह एक घरेलू विवाद हत्या में बदल गया। पुलिस के अनुसार, रमेश अपने हाल ही में पत्नी के माता-पिता के घर जाने के बाद चल रहे झगड़े के चलते गुस्से में अपने ससुर चंद्रैया (58 वर्ष) के घर गया। आरोप है कि रमेश ने चंद्रैया को घर से बाहर घसीटा और परिवार के सदस्य और पड़ोसियों के सामने चाकू से बार-बार हमला किया। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण चंद्रैया की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पटनचेरु के सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बुमराह को पहली बार टी-20 इनिंग में 4 सिक्स लगे

अर्शदीप ने 13 बॉल का ओवर फेंका

चंडीगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया मुल्लांपुर स्टेडियम में अपना पहला इंटरनेशनल मैच हार गई। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में भारत को 51 रन से हराकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। प्रोटियाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 213 रन बनाए, जिसके जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच में कई बड़े रिकॉर्ड और दिलचस्प मोमेंट्स देखने को मिले।

भारत को घर पर रनों के हिसाब से सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। जसप्रीत बुमराह को अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में पहली बार एक इनिंग में 4 छक्के लगे। अर्शदीप सिंह ने एक ओवर में 7 वाइड डाल दीं, जिसके कारण उनका ओवर 13 गेंदों का हो गया। वहीं तिलक वर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में कुल 27 छक्के लगाकर भारतीय बल्लेबाजों में टॉप स्थान हासिल कर लिया।

1. भारत की टी-20 में घर पर सबसे बड़ी हार

भारत को घरेलू मैदान पर सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। इससे पहले इंदौर में 4 अक्टूबर 2022 को भी भारत को साउथ अफ्रीका ने 49 रन से हराया था।

2. तिलक वर्मा ने एसए के खिलाफ 27 सिक्स लगाए

तिलक वर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 27 छक्के लगाकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 25 छक्के लगाए हैं। तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं, जिनके नाम 19 छक्के दर्ज हैं।

3. बुमराह को एक टी-20 पारी में 4 सिक्स लगे

जसप्रीत बुमराह को अपने टी20 करियर में पहली बार एक ही पारी में चार छक्के पड़ गए। यह उनका 82वां टी-20 इंटरनेशनल मैच था।

इससे पहले किसी भी मैच में उन्हें तीन से ज्यादा छक्के नहीं लगे थे। उनका पिछला सबसे खराब रिकॉर्ड 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, तब उन्हें तीन छक्के पड़े थे।

4. अर्शदीप ने 13 बॉल का ओवर फेंका

अर्शदीप सिंह ने 13 गेंदों का ओवर फेंककर एक अनोखा रिकॉर्ड बना दिया। फुल मेंबर देशों के मैचों में यह अब तक का सबसे लंबा ओवर रहा। साउथ अफ्रीका की पारी का 11वां ओवर करते हुए अर्शदीप ने 7 वाइड फेंक दीं, जिसकी वजह से ओवर 13 गेंदों तक खिंच गया। इससे पहले ऐसा रिकॉर्ड 2024 में बना था, जब अफगानिस्तान के नवीन-उल-हक ने हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 13 गेंदों का ओवर डाला था।

5. भारतीय बॉलर्स ने 16 वाइड बॉल फेंकी

भारत ने गुरुवार को 16 वाइड गेंदें फेंकीं, जो टी20 इतिहास में टीम का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे पहले भारत ने 2009 में मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ 17 वाइड फेंकी थीं, जो अब भी लिस्ट में सबसे ऊपर है।

2018 में चेन्नई में वेस्टइंडीज के खिलाफ भी भारत ने 16 वाइड डाली थीं। वहीं 2007 में डरबन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में भारतीय गेंदबाजों ने 15 वाइड फेंकी थीं।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट 9 विकेट से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई; डफी ने मैच में 6 विकेट लिए

स्पोर्ट्स डेस्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में 9 विकेट से हरा दिया है। कीवी टीम ने इस जीत के साथ 3 मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला टेस्ट ड्रॉ हुआ था। दूसरा टेस्ट महज 3 दिन में खत्म हो गया। शुक्रवार को तीसरे दिन जैकब डबी की शानदार गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी सिर्फ 128 रन पर सिमट गई। इस तरह न्यूजीलैंड को जीत के लिए 56 रन का टारगेट मिला। जिसे टीम ने सिर्फ 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। डफी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का आखिरी और तीसरा टेस्ट गुरुवार से बे ओवल में शुरू होगा।

वेस्टइंडीज दोनों पारियों में बड़ा स्कोर नहीं कर सकी वेलिंगटन टेस्ट में वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 205 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने 9 विकेट के नुकसान पर 278 बनाए। फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए ब्लेयर टिकनर ने बल्लेबाजी नहीं की थी। ऐसे में टीम को 73 रन की बढ़त मिली। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी सिर्फ 128 रन पर सिमट गई और न्यूजीलैंड को 56 रन का टारगेट मिला। वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन की शुरुआत 32/2 के स्कोर से की। टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 128 रन बना सकी। केवेम हॉज ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स 25, ब्रेंडन किंग 22 और जॉन जॉन कैंपबेल 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बाकी 7 बैटर्स डबल डिजिट में भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के गेंदबाज जैकब डफी ने 5 विकेट लिए। माइकल रे ने 3 और जैक फोल्क्स ने 1 विकेट हासिल किया। 56 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कीवी टीम के लिए डेवोन कॉनवे 28 और केन विलियमसन 16 रन बना कर नाबाद लौटे। कप्तान टॉम लैथम 28 बॉल पर 9 रन बनाए। उन्हें एंडरसन फिलिप ने हॉज के हाथों कैच कराया।

वैभव सूर्यवंशी ने वनडे में 14 सिक्स लगाए

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा; अंडर-19 एशिया कप में 95 बॉल पर 171 रन बनाए

स्पोर्ट्स डेस्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी (14) ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। वे एक यूथ वनडे मैच में सबसे ज्यादा सिक्स (14) लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के माइकल हिल का 12 सिक्स वाला रिकॉर्ड तोड़ दिया। माइकल ने 2008 में नामीबिया के खिलाफ रिकॉर्ड बनाया था। वैभव ने यह कारनामा अंडर-19 एशिया कप में यूएई के खिलाफ किया। उन्होंने दुबई में खेले जा रहे मुकाबले में 95 बॉल पर 171 रन बनाए। उन्होंने 56 बॉल पर सेंचुरी पूरी की थी।

वैभव मुश्ताक अली में शतक लगाने वाले यंगेस्ट बैटर

वैभव ने 10 दिन पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शतक लगाया था। 14 साल के वैभव टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने 2 दिसंबर को ईडन गार्डन्स में महाराष्ट्र के खिलाफ 61 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 7 छक्के शामिल थे। साथ ही वैभव 14 की उम्र में 3 टी-20 सेंचुरी लगाने वाले इकलौते प्लेयर हैं।

वैभव आईपीएल में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर

वैभव सूर्यवंशी आईपीए में फिफ्टी लगाने वाले सबसे कम उम्र के प्लेयर बने। उन्होंने मात्र 14 साल और 32 दिन में अर्धशतक लगाया। सेकेंड पोजिशन पर कप्तान रियान पराग है, उन्होंने 17 साल 175 दिन में 2019 में फिफ्टी लगाई थी।

वैभव टी-20 में शतक लगाने वाले यंगेस्ट बैटर

टी-20 क्रिकेट में अब तक के सबसे युवा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में वैभव सूर्यवंशी का नाम सबसे ऊपर आता है।

उन्होंने 14 साल 32 दिन की उम्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 बॉल में शतक पूरा किया। इसके बाद, विजय जोल ने 18 साल 118 दिन में महाराष्ट्र के लिए मुंबई के खिलाफ 2013 में शतक लगाया था।

सिर्फ एक साल नौ महीने की उम्र में कमाल!

वेदा बनीं भारत की सबसे कम उम्र की 100 मीटर तैराक

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की नन्ही तैराक वेदा सरफरे ने बहुत छोटी उम्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो बड़े खिलाड़ियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। सिर्फ एक साल नौ महीने 10 दिन की उम्र में वेदा ने 100 मीटर तैराकी पूरी कर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया है। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वे वह देश की सबसे छोटी तैराक बन गई हैं।

नौ महीने में शुरू हुआ वेदा का प्रशिक्षण

वेदा सरफरे ने औपचारिक तैराकी प्रशिक्षण की शुरुआत सिर्फ नौ महीने की उम्र में कर दी थी। बताया जाता है कि वेदा को तैराकी की दिलचस्पी अपने भाई की स्विमिंग क्लास देखकर ही मिली। उनका प्रशिक्षण कोच महेश मिल्के और उनकी पत्नी गौरी मिल्के ने शुरू कराया, जिन्होंने अगले 11 महीनों तक वेदा को तैराकी में संतुलन, सांस नियंत्रण और सहनशक्ति की ट्रेनिंग दी और वेदा की क्षमता को धीरे-धीरे विकसित किया।

रत्नागिरी के स्विमिंग पूल में पूरा किया रिकॉर्ड तैराकी प्रयास इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स को भेजे गए मेल के मुताबिक, वेदा ने 25×22 मीटर माप वाले रत्नागिरी नगर स्विमिंग पूल में चार लैप लगाते हुए कुल 100 मीटर दूरी पूरी की। उन्होंने यह कारनामा 10 मिनट आठ सेकंड में पूरा किया। उनके इंस्टाग्राम पेज पर प्रशिक्षण के कई वीडियो साझा किए जाते हैं, और वहीं पर इस रिकॉर्ड की आधिकारिक जानकारी भी दी गई है। मेल के अंश में लिखा गया, 'उन्होंने 25×22 मीटर के स्विमिंग पूल में 100 मीटर (4 लैप) की दूरी 10 मिनट 8 सेकंड में पूरी की।'

'देश की सबसे कम उम्र की तैराक'

वेदा के कोच महेश मिल्के ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'कड़ी मेहनत और लगातार प्रशिक्षण के साथ, मात्र 21 महीने की इस बच्ची ने यंगेस्ट स्विमर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।' उनके अनुसार, यह उपलब्धि न केवल वेदा बल्कि भारत में बाल प्रतिभा के विकास का भी एक बड़ा उदाहरण है।

जूनियर हॉकी महिला विश्व कप: स्पेन से हारकर 10वें स्थान पर रही भारतीय टीम

सैंटियागो, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम को जूनियर हॉकी विश्व कप में स्पेन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारतीय टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली कुल टीमों की सूची में 10वें स्थान पर रही। भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की तरफ से एकमात्र गोल कनिका सिवाच (41') ने किया।

वहीं स्पेन की तरफ से नतालिया विलानोवा (16') और एस्थर कैनालेस (36') ने गोल किया। पहला क्वार्टर बहुत रोमांचक रहा। दोनों टीमों की तरफ से गोल के प्रयास किए गए, लेकिन दोनों ही टीमें गोल करने में असफल रहीं। 14वें मिनट में, स्पेन को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे निधि ने रोक दिया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में स्पेन ने आक्रामक खेल की शुरुआत की। सारा कार्मोना रामोस ने सर्कल के चारों ओर कुशलता से ड्रिबल किया और अंदर एक पास दिया, जिसे नतालिया विलानोवा (16') ने सफलतापूर्वक गोल में बदल टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। अगले कुछ मिनटों में भारत को कुछ मौके मिले, लेकिन टीम इंडिया उन मौकों को गोल में बदल पाने में सफल नहीं हो सकी। 36वें मिनट में भारत की तरफ से सोनम ने एक पास को गोल में बदला था, लेकिन स्पेन ने एक वीडियो रेफरल लिया जो सफल रहा।

रेफरी ने एक बैक स्टिक देखी और गोल कैंसिल कर दिया। 36वें मिनट में ही स्पेन की तरफ से एस्थर कैनालेस ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इस गोल ने स्पेन की बढ़त 2-0 करते हुए मैच में उसकी पकड़ मजबूत कर दी। 41वें मिनट में, भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। कनिका सिवाच (41') ने अपने स्ट्राइक से स्पेनिश गोलकीपर को छकाते हुए भारत के लिए पहला गोल किया। आखिरी क्वार्टर में भारत ने तेजी दिखाई और गोल के मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन अंत तक स्पेन की बराबरी करने में भारतीय टीम सफल नहीं हो सकी। स्पेन ने मैच 2-1 से जीत लिया।

हेड कोच गौतम गंभीर पर बरसे उथप्पा और डेल स्टेन

सूर्या को नंबर-4 पर भेजने से मचा बवाल

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में टीम इंडिया को 51 रन से करारी हार झेलनी पड़ी. इस हार ने कई पुराने सवालों को फिर जगा दिया है. बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी तक भारत हर विभाग में फ्लॉप रहा, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है हेड कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर. जिन्होंने लगातार दूसरे मैच में टीम के बैटिंग ऑर्डर के साथ 'एक्सपेरिमेंट' किया. इस बार इसकी कीमत टीम इंडिया को भारी हार के रूप में चुकानी पड़ी।

मुल्लांपुर में खेले गए मुकाबले में कप्तान सूर्यकुमार यादव को एक बार फिर उनकी सामान्य पोजिशन के बजाय नंबर 4 पर भेजा गया. अक्षर पटेल को उनसे पहले बैटिंग के लिए भेजा गया, जिससे पूर्व क्रिकेटरों के बीच हैरानी फैल गई. सूर्या सिर्फ 4 गेंद में 5 रन बनाकर आउट हो गए और टीम शुरुआत में मिली कठिन परिस्थिति से उभर नहीं सकीं।

रॉबिन उथप्पा ने गंभीर की सोच पर उठाए सवाल

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने मैच के बाद कहा कि बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय टीम को अपने 'बेस्ट बल्लेबाजों' को ऊपर भेजना चाहिए. उथप्पा बोले, "गंभीर ने प्री-सीरीज प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि सिर्फ ओपनिंग फिक्स है और बाकी सभी बैटर फ्लेक्सिबल हैं. हालांकि बड़े टारगेट में आप अपने टॉप बैटर्स को नीचे नहीं भेज सकते हैं. अगर अक्षर को पिंच-हिटर बनाकर भेजा गया था, तो उसे पावर हिटिंग करनी चाहिए थी, लेकिन न तो वो प्लान साफ दिखा और न ही रोल." उन्होंने कहा कि शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के बाद टीम को स्थिरता चाहिए होती है, न कि और एक्सपेरिमेंट. साउथ अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने भी गंभीर की प्लानिंग को 'बड़ी गलती' बताया. स्टेन ने कहा, "सूर्या आपका बेस्ट टी20 बल्लेबाज है. उसे नीचे भेजना ट्रायल-एंड-एरर नहीं, सीधी-सादी गलती है. अगर लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन बनाना था तो ठीक था, लेकिन यहां तो दाएं हाथ के आउट होने के बाद भी दो लेफ्ट-हैंडर्स को ऊपर भेज दिया गया.

हमेशा अभिषेक से उम्मीद नहीं की जा सकती, हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगा : सूर्यकुमार

चंडीगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ मुल्लांपुर स्थित महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले को 51 रन से जीता। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि उन्हें और शुभमन गिल को क्रीज पर टिककर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकारा है कि टीम को साउथ अफ्रीका से सीखना होगा।

मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, साउथ अफ्रीका को पहली इनिंग से ही पता चल गया था कि किस लेंथ पर बॉलिंग करनी है। यहां थोड़ी ओस थी। अगर पहला प्लान काम नहीं करता, तो हमें दूसरा प्लान अपनाना चाहिए था। हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगा। सूर्यकुमार यादव इस मुकाबले में सिर्फ 5 ही रन बना सके, जबकि शुभमन गिल अपनी पहली ही गेंद पर लुंगी एनगिडी को विकेट दे बैठे। इस पारी में अभिषेक शर्मा ने 8 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 17 रन बनाए। भारतीय कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि मैं और शुभमन गिल मिलकर एक अच्छी शुरुआत दे सकते थे क्योंकि हम हर समय अभिषेक शर्मा पर भरोसा नहीं कर सकते। जिस तरह से वह बैटिंग कर रहे हैं, उनका दिन खराब हो सकता है। मुझे, शुभमन और कुछ दूसरे बल्लेबाजों को भारतीय पारी को संभालना चाहिए था। मुझे लगता है कि यह एक स्मार्ट चेज होता। मुझे वह जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। थोड़ी और गहराई से बैटिंग करनी चाहिए थी। लेकिन हां, हम सीखते हैं, हम कोशिश करते हैं और आने वाले अगले गेम में बेहतर करते हैं। हम देखेंगे कि अगले गेम में हमारे लिए क्या होता है।

भारत कैसे जीतेगा टी-20 विश्वकप?

कप्तान-उपकप्तान फॉर्म में नहीं, सवाल-बल्लेबाजी क्रम के प्रयोग क्यों फेल हो रहे?

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 केवल 57 दिन दूर है। भारत के लिए यह समय न केवल चयन और संयोजन तय करने का है, बल्कि यह रूपरेखा तय करने का भी है कि कौन सी बल्लेबाजी क्रम मजबूत है, किस खिलाड़ी पर भरोसा है और कौन से विकल्प टीम के लिए भरोसेमंद साबित होंगे।

भारत की वर्तमान स्थिति कुछ परेशान करने वाली लगती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल दोनों ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गंभीर रूप से संघर्ष कर रहे हैं। पिछले मैचों में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दोनों का जल्दी आउट होना भारत की चिंताओं को और बढ़ा देता है। इतना ही नहीं, बल्लेबाजी क्रम में किए जा रहे प्रयोग- जैसे अक्षर पटेल को नंबर-तीन भेजना और शिवम दुबे को नंबर-आठ पर खिलाना, आलोचना का कारण बन रहे हैं। वैसे तो भारत के पास बहुत सारे बल्लेबाजी विकल्प हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह टीम विश्व कप के लिए सबसे बेहतर संयोजन है या सिर्फ प्रयोग?

सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल दोनों ही 2025 में बेहतरीन टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्म नहीं दिखा पाए हैं। गिल की स्थिति तो और खराब दिखती है। उन्होंने 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में एक भी 50+ रन की पारी नहीं खेली और 263 रन बनाए, जबकि सूर्यकुमार भी 2025 में 17 पारियों में सिर्फ 201 रन बना पाए हैं। इसमें एक भी अर्धशतक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में गिल चार और सूर्यकुमार 12 रन बना पाए थे, जबकि दूसरे टी20 में गिल शून्य और सूर्यकुमार पांच रन बना सके। बैटिंग पिच पर दोनों को इस तरह जूझते देखना सवाल खड़े करता है। टी20 विश्व कप भी भारत और श्रीलंका में होना है। जब हम अपने ही घर में जूझते दिखेंगे तो विश्व कप कैसे जीत पाएंगे, यह बड़ा सवाल है। कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी इस बात से नाखुश हैं। इरफान पठान ने भी कहा, 'शुभमन गिल का टी20 फॉर्म विश्व कप से पहले एक बड़ी चिंता है। उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी की चमक वापस पाएंगे, वरना यह भारत के लिए बड़ी समस्या बन सकता है।' इस बेमौसमी फॉर्म स्लंप के बावजूद, टीम मैनेजमेंट अभी तक इन दोनों खिलाड़ियों पर भरोसा बनाए हुए है। खासकर गिल पर, जिन्हें ओपनिंग साथी के रूप में बरकरार रखा गया है। गिल को टीम में लाने के लिए इन फॉर्म बल्लेबाज संजू सैमसन को अपनी जगह खाली करनी पड़ी। भारतीय टीम के चयन और रणनीति पर सबसे बड़ा रोष खेल में किए गए प्रयोगों पर है। जब भारत ने 214 रन के लक्ष्य का पीछा शुरू किया, तो पहला विकेट जल्दी गिर गया। स्थिति यह थी कि टीम को अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय अक्षर पटेल को नंबर-तीन पर भेजा गया, जो अक्सर अपनी बल्लेबाजी के लिए काफी आक्रामक विकल्प नहीं माने जाते। यह निर्णय कई क्रिकेट विशेषज्ञों और फैन्स को समझ में नहीं आया। खासकर तब जब टीम के पास बल्लेबाजी के शीर्ष क्रम में खेलने के लिए और भी बेहतर तकनीकी विकल्प मौजूद हैं। नंबर तीन पर सूर्यकुमार आते हैं, लेकिन वह नहीं आए।

तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और उन्हें भी जल्दी भेजा जा सकता था, लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। अक्षर ने 21 गेंद में 21 रन बनाए। बड़े स्कोर का पीछा करते हुए यह पारी काफी धीमी थी। शिवम दुबे को नंबर-आठ निवेश करना भी टीम की बल्लेबाजी रणनीति पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। विकेट गिरने के बाद धैर्य और एकाग्रता की जरूरत थी, लेकिन इन प्रयोगों ने टीम को बैटिंग में मजबूती देने के बजाय उलझन में डाल दिया। दुबे सीएसके में स्लॉग बैटर के तौर पर इस्तेमाल किए जाते रहे हैं और रन रेट बढ़ाने के लिए उन्हें नंबर तीन भेजकर उन पर विश्वास भी जताया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शायद सबसे बड़ा विवाद यह है कि संजू सामसन क्यों टीम से बाहर हैं, जबकि उन्होंने 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीन शतक जड़े थे।

आईटी, रक्षा और फार्मा क्षेत्रों में जर्मनी से सहयोग चाहता है तेलंगाना : भट्टी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच पुरानी मित्रता रही है और आने वाले दिनों में यह संबंध और मजबूत होंगे।

उन्होंने शुक्रवार को प्रजा भवन में मंत्री श्रीधर बाबू के साथ जर्मन संसद प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार आईटी, रक्षा और फार्मा क्षेत्रों में जर्मनी के साथ सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन क्षेत्रों में जर्मनी निवेश करता है तो राज्य सरकार हर संभव समर्थन देगी। उन्होंने दोनों पक्षों के बीच पारस्परिक विकास के लिए संयुक्त कार्य करने का प्रस्ताव भी रखा। विक्रमार्का ने बताया कि तेलंगाना कुशल मानव संसाधन जर्मनी भेजने और वहां की धातुकर्म एवं ऑटोमोबाइल निर्माण जैसी प्रतिष्ठित उद्योग प्रणालियों में साझेदारी करने का इच्छुक है। उन्होंने इन संभावनाओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भारत फ्यूचर सिटी को गौरवपूर्वक विकसित कर रही है, साथ ही मूसी नदी पुनरुद्धार और कृषि-आधारित क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद निरंतर आईटी हब के रूप में आगे बढ़ रहा है और इन क्षेत्रों में भी जर्मनी के साथ सहयोग का स्वागत है। आईटी एवं उद्योग मंत्री दद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि राज्य सरकार साइबर सुरक्षा को अत्यधिक महत्व देती है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन दृष्टि के साथ साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया गया है और इस क्षेत्र में व्यापक शोध जारी है। उन्होंने बताया कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में साइबर सुरक्षा सेल बनाई गई है और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में साइबर गतिविधियों के लिए दो समर्पित फ़्लोर आवंटित किए गए हैं।

साथ ही जिलों में भी साइबर सुरक्षा टीमें गठित की गई हैं। मंत्री ने कहा कि आर्थिक अपराधों में लगातार कमी आ रही है तथा वित्तीय साइबर धोखाधड़ी और फ़िशिंग हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक एआई टूल्स का उपयोग किया जा रहा है।

मेडारम जातरा में चाक-चौबंद इंतजाम सुनिश्चित करेंगे : पोंगुलेटी

मंत्री ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध सम्मक्का-सारलम्मा जातरा जनवरी में आरंभ होने के मद्देनजर राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि जातरा के लिए स्थायी और व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। शुक्रवार को मंत्री पोंगुलेटी, पंचायत राज मंत्री सीतक्का और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के.एस. श्रीनिवास राजू के साथ मेडारम में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सम्मक्का-सारलम्मा मंदिर परिसर, पगिड्डा राजू-गोविंदा राजू के शिलाखंड, फ़्लोरिंग, पत्थर स्तंभ निर्माण और जंपन्ना वागू क्षेत्र में हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री पोंगुलेटी ने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश दिया कि कार्यों को तेज़ी से और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मंशा के अनुसार निर्माण ऐसे होना चाहिए कि आने वाले सौ वर्षों तक श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मंदिर विकास कार्यों को शीघ्रतापूर्वक पूर्ण किया जाना चाहिए। मंत्री ने बताया कि एक करोड़ से अधिक आदिवासी एवं गैर-आदिवासी श्रद्धालुओं के आने की संभावना है और जात्रा के दौरान किसी भी भक्त को दिक्कत न हो, इसके लिए 50 किलोमीटर के दायरे में व्यापक एवं सुंदर व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

तेलंगाना सरकार पोलावरम-नल्लामलसागर परियोजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने आंध्र प्रदेश द्वारा बनाई जा रही पोलावरम-नल्लामलसागर बहुउद्देशीय परियोजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में आपत्ति दाखिल करने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि यह परियोजना तेलंगाना के कई क्षेत्रों को जलमग्न कर सकती है और अंतर-राज्यीय समझौतों का उल्लंघन करती है।

राज्य सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंहवी को नियुक्त किया है। जानकारी के अनुसार, तेलंगाना का मानना है कि परियोजना का प्रस्तावित बानाकाचारला जलाशय हिस्सा खम्मम, भद्राद्री कोत्तागुडेम और मुलुगु जिलों के कई गांवों और बड़े भूभाग के लिए खतरा बन सकता है। सुनवाई से पहले तैयारियां चल रही हैं।

शनिवार दोपहर 12 बजे नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में पोलावरम-बानाकाचारला मामले को लेकर उच्च स्तरीय बैठक होगी। इसके बाद दोपहर 2:30 बजे राज्य का प्रतिनिधिमंडल सिंहवी से उनके चैंबर में मिलकर कानूनी रणनीति को अंतिम रूप देगा।

फिल्म नगर में ट्यूशन टीचर ने बच्चे को गर्म चम्मच से दागा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म नगर में एक ट्यूशन टीचर ने 7 साल के बच्चे को गर्म चम्मच से दाग दिया। इस घटना से इलाके में गुस्सा फैल गया है। जानकारी के मुताबिक, ओयू कॉलोनी में कक्षा 1 का छात्र रोज शाम को शिक्षिका श्री मनसा के यहां ट्यूशन पढ़ने जाता था। आरोप है कि पढ़ाई पर ध्यान न देने पर टीचर ने धातु का चम्मच गर्म करके बच्चे के हाथ, पैर और चेहरे पर लगा दिया। घर आने पर बच्चे के माता-पिता ने उसके शरीर पर कम से कम आठ जगह जलने के निशान देखे। इसके बाद वे तुरंत फिल्म नगर पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। परिवार ने बताया कि जलने की वजह से बच्चा ठीक से चल भी नहीं पा रहा है। पुलिस ने बच्चे को इलाज के लिए गोलकोंडा क्षेत्र अस्पताल में भर्ती कराया है और शिक्षिका के खिलाफ मारपीट और क्रूरता का मामला दर्ज किया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है और मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर जोर

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एसीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को सिकंदराबाद डिवीजन के डीआरएम डॉ. गोपालकृष्णन के साथ भद्राचलम रोड-विष्णुपुरम सेक्शन का निरीक्षण किया। भद्राचलम रोड स्टेशन पर उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे 25.41 करोड़ रुपये के उन्नयन कार्यों की समीक्षा की, जिनमें नया 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज (एफओबी), बेहतर प्लेटफ़ॉर्म, विस्तारित शेड, लिफ्ट, आधुनिक प्रतीक्षालय, फ़ैसाड कार्य और अपग्रेडेड सर्कुलेटिंग एरिया शामिल हैं।

उन्होंने क्रू लॉबी में कर्मचारियों से बातचीत की, लोको पायलटों और ट्रेन प्रबंधकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया, ओएसओपी स्टॉल का जायज़ा लिया और स्थानीय लोगों की प्रतिनिधित्व संबंधी मांगों को सुना।

सेक्शन के रियर विंडो निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया और पटरियों, पुलों तथा सिग्नलिंग रखरखाव में अधिक सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

पूर्व एसआईबी प्रमुख टी प्रभाकर राव ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कथित फोन टैपिंग मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। पूर्व विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) प्रमुख टी प्रभाकर राव ने शुक्रवार को जुबली हिल्स पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राव विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष पेश हुए, जो अवैध फोन टैपिंग के आरोपों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि एसआईटी ने उनकी पूछताछ शुरू कर दी है। जांचकर्ताओं को उम्मीद है कि राव की जानकारी से फोन टैपिंग नेटवर्क की योजना, तरीके और विस्तार से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। उनका आत्मसमर्पण इस मामले की जांच में महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने राव को तुरंत आत्मसमर्पण करने और पूछताछ में पूरा सहयोग करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने यह भी सुनिश्चित किया कि पूछताछ के दौरान उनके साथ किसी भी तरह की थर्ड-डिग्री या शारीरिक हिंसा न की जाए। उनकी उम्र को देखते हुए कोर्ट ने अधिकारियों को उन्हें सम्मानजनक व्यवहार देने और घर का खाना लेने की अनुमति देने को कहा है। अगली सुनवाई 19 दिसंबर को होगी, जिसमें एसआईटी द्वारा जांच की प्रगति रिपोर्ट पेश की जाएगी। राव के हिरासत में आने से जांच के तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कांग्रेस ने कामारेड्डी में दर्ज की बड़ी बढ़त : शब्बीर अली

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने शुक्रवार को कहा कि हाल ही में संपन्न हुए ग्राम पंचायत चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों द्वारा अधिकांश सरपंच सीटें जीतने के बाद, कांग्रेस कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र में प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी है। एक विशाल रैली एवं सम्मान समारोह का नेतृत्व करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने बताया कि 102 पंचायतों में से कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने 58 पंचायतों में जीत दर्ज की, जबकि बीआरएस को 26, बीजेपी को 12 और निर्दलीय उम्मीदवारों को 5 सीटें मिलीं।

किशोरों में बढ़ रहा टाइप-2 मधुमेह, तेलंगाना बना हॉटस्पॉट

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह मान्यता कि मधुमेह सिर्फ वयस्कों की बीमारी है, अब तेजी से बदल रही है। तेलंगाना सहित दक्षिण भारत में किशोरों में टाइप-2 मधुमेह तेजी से फैल रहा है और इसे एक मूक महामारी के रूप में देखा जा रहा है। व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएस) के अनुसार, तेलंगाना में 10-19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 1.1 प्रतिशत किशोर मधुमेह से पीड़ित हैं। हर 10 में से 1 किशोर प्री-डायबिटिक भी पाया गया है। सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट 'चिल्ड्रन इन इंडिया-2025' बताती है कि राज्य के 12.5 प्रतिशत किशोर अधिक वजन या मोटापे का शिकार हैं। वहीं केवल 20.4 प्रतिशत किशोर ही रोज पर्याप्त शारीरिक गतिविधि करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि भारतीय युवाओं में पतले-मोटे शरीर का पैटर्न भी समस्या बढ़ा रहा है। कम बीएमआई होने के बावजूद शरीर में आंतरिक चर्बी बढ़ जाने से ये किशोर जल्दी इंसुलिन प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं। हैदराबाद के राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) और अन्य संगठन फास्ट फूड, अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और मीठे पेय पर नियंत्रण की मांग कर रहे हैं, जो पारंपरिक भारतीय आहार की जगह लेते जा रहे हैं। एनआईएन ने उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य (एचएफएसएस) और शक्करयुक्त पेय (एसएसबी) पर स्वास्थ्य कर लगाने और बच्चों को ऐसे उत्पादों के विज्ञापन से दूर रखने की सिफारिश की है। 'लेट्स फिक्स आवर फूड' समूह ने मिठाई और कन्फेक्शनरी पर 20-30 प्रतिशत स्वास्थ्य कर और एसएसबी तथा एचएफएसएस उत्पादों पर 32 प्रतिशत स्वास्थ्य कर लगाने की अनुशंसा की है। रिपोर्ट हाल ही में आईसीएमआर और नीति आयोग को सौंप दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि किशोरों में टाइप-2 मधुमेह वयस्कों की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ता है और कम उम्र में ही किडनी फेलियर और आंखों की गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.